RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 98
लखनऊ, बुधवार, 26 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लुभावने वादों को अपनी बैसाखी बना रही सपा
चौपाल-7

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन भाजपा में शामिल

● चुनावी बेला में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जितिन प्रसाद के बाद एक और बड़ा झटका लगा

● पडरौना में सपा को घेरने के लिए दिग्गज ओबीसी नेता को इस्तेमाल कर सकती है भगवा पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होते आरपीएन सिंह

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन सिंह चुनावी बेला में कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक झटके झेल रही भगवा पार्टी को सिंह के आने से मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी, जबकि कांग्रेस ने इशारों-इशारों में उन्हें कायर कहकर निशाना साधा है। आरपीएन सिंह (57) एक प्रमुख नेता और पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजघराने के सदस्य हैं। वह पडरौना से तीन बार कांग्रेस विधायक और कुशीनगर से सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफे का एक संक्षिप्त पत्र लिखने के तुरंत बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान सिंह का जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। उनके इस कदम से कांग्रेस नेतृत्व जाहिर तौर पर आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि सिंह को कुछ दिन पहले ही पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया था। पार्टी नेताओं के एक वर्ग को लगता है कि आरपीएन सिंह का इस तरह जाना अच्छा रहा, क्योंकि वह पिछले एक साल से झारखंड में कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार को गिराने के लिए भाजपा के साथ मिलकर कोशिश कर रहे थे। आरपीएन बीते तीन वर्षों से झारखंड के प्रभारी महासचिव के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख कुर्मी ओबीसी नेता आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद के बाद राज्य में कांग्रेस के लिए दूसरा बड़ा झटका हैं। जितिन अब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्री हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में उत्तर प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ दिनेश शर्मा तथा ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में मीडिया को संबोधित करते हुए सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति को 21वीं सदी से जोड़ने के लिए उनकी सराहना की (शेष पेज 9)

कांग्रेस के पडरौना से प्रत्याशी सहित दो नेताओं ने भी पार्टी छोड़ी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के कुछ हीघंटों के भीतर पडरौना से कांग्रेस के उम्मीदवार मनीष जायसवाल और पार्टी की कुशीनगर जिला इकाई के प्रमुख राजकुमार सिंह ने भी पुरानी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पीटीआई/भाषा से बातचीत में राजकुमार सिंह ने कहा, मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि पार्टी में आरपीएन सिंह के लिए कोई सम्मान नहीं था। सिंह ने कहा कि वह भी भाजपा में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व जिला इकाई प्रमुख ने यह भी बताया कि पडरौना से पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत आज बेहतर स्थिति में: राष्ट्रपति

● कहा, देश ने कोरोना के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य क्षमता का प्रदर्शन किया

भाषा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने मंगलवार को इस गणतंत्र दिवस पर भारतीयता मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मानवता का कोरोना वायरस के विरुद्ध संघर्ष अब भी जारी है और भारत के लिए गर्व की बात है कि हमने इस महामारी के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य-क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत आज बेहतर स्थिति में है। राष्ट्रपति ने 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भारत के आधार हैं।

इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों का पालन मौलिक अधिकारों के लिए उचित वातावरण बनाता है। उन्होंने कहा, हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का यह उत्सव है। सन 1950 में आज ही के दिन हम सब की इस गौरवशाली पहचान को औपचारिक स्वरूप प्राप्त हुआ था। उस दिन, भारत विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ और हम, भारत के लोगों ने एक ऐसा संविधान लागू किया जो हमारी सामूहिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। हमारे विविधतापूर्ण और सफल लोकतंत्र की सराहना पूरी दुनिया में की जाती है। हर साल गणतंत्र दिवस के दिन हम अपने गतिशील लोकतन्त्र तथा राष्ट्रीय एकता की भावना का उत्सव मनाते हैं। महामारी के कारण इस वर्ष के उत्सव में धूम-धाम भले ही कुछ कम हो परंतु हमारी भावना हमेशा की तरह सशक्त है। उन्होंने कहा, हमारे संविधान का कलेवर विस्तृत है क्योंकि उसमें, राज्य के काम-काज की व्यवस्था का भी विवरण है। लेकिन संविधान की संक्षिप्त प्रस्तावना में लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मार्गदर्शक सिद्धांत, सार-गर्भित रूप से उल्लिखित हैं।

इन आदर्शों से उस ठोस आधारशिला का निर्माण हुआ है जिस पर हमारा भव्य गणतंत्र मजबूती से खड़ा है। इन्हीं जीवन-मूल्यों में हमारी सामूहिक विरासत भी परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा, इन जीवन-मूल्यों को, मूल अधिकारों तथा नागरिकों के मूल कर्तव्यों के रूप में हमारे संविधान द्वारा बुनियादी महत्व प्रदान किया गया है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों का नागरिकों द्वारा पालन करने से मूल अधिकारों के लिए समुचित वातावरण बनता है। आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करने के मूल कर्तव्य को निभाते हुए हमारे करोड़ों देशवासियों ने स्वच्छता अभियान से लेकर कोविड टीकाकरण अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। ऐसे अभियानों की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय हमारे कर्तव्यपरायण नागरिकों को जाता है। मुझे विश्वास है कि हमारे देशवासी इसी कर्तव्य-निष्ठा के साथ राष्ट्र हित के अभियानों को अपनी सक्रिय भागीदारी से मजबूत बनाते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, मानव-समुदाय को एक-दूसरे की सहायता की इतनी जरूरत कभी नहीं पड़ी थी जितनी आज है। अब दो साल से भी अधिक समय बीत गया है लेकिन मानवता का कोरोना वायरस के विरुद्ध संघर्ष अब भी जारी है। इस महामारी में हजारों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर आघात हुआ है। विश्व समुदाय को अभूतपूर्व विपदा का सामना करना पड़ा है। नित नए रूपों में यह वायरस नए संकट प्रस्तुत करता रहा है। यह स्थिति, मानव जाति के लिए एक असाधारण चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा, महामारी का सामना करना भारत में अपेक्षाकृत अधिक कठिन होना ही था। हमारे (शेष पेज 9)

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में आज दिनांक 26 जनवरी 2022 को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 28 जनवरी 2022 को प्रकाशित होगा।

बाजार

सेंसेक्स	57,858	↑	366	
निफ्टी	17,277	↑	128	
सोना	48,555	↑	86	/10g
चांदी	63,907	↓	522	/kg

क्विक न्यूज

श्रीनगर में सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड हमला, चार घायल

श्रीनगर। गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले, मंगलवार को यहां हरि सिंह हाई स्ट्रीट क्षेत्र में आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर एक ग्रेनेड फेंका जिससे चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल होने वालों में एक पुलिसकर्मी और दो महिलाएं शामिल है। उन्होंने कहा कि अपराह्न साढ़े तीन बजे आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों के एक दल पर ग्रेनेड फेंका, जो सड़क किनारे फटा। घायलो की पहचान मोहम्मद शफी, उसकी पत्नी तनवीरा, एक अन्य महिला अस्मत और पुलिस निरीक्षक तनवीर हुसैन के रूप में की गई है। पुलिस निरीक्षक हुसैन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में तैनात हैं।

एसआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारकर जान दी

मुंबई। दक्षिण मुंबई के डोंगरी इलाके में मंगलवार को राज्य रिज़र्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के 36 वर्षीय जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटना एक सरकारी स्कूल में सुबह नौ बजकर 50 मिनट के करीब हुई, जहां जवान पुष्कर शिंदे संतरी के रूप में तैनात था। उन्होंने बताया कि शिंदे की इलाज के दौरान सरकारी जे. जे. अस्पताल में मौत हो गई। पुणे में एसआरपीएफ ग्रुप नंबर-2 से जुड़े शिंदे छह जनवरी से यहां मंत्रालय के मुख्य द्वार पर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात है। ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बृहन्मुंबई महानगर पालिका के एक स्कूल गए थे।

कल्याण, रावत, आजाद, चोपड़ा को पद्म पुरस्कार

● इस बार भारत रत्न के लिए किसी के नाम की घोषणा नहीं

भाषा। नई दिल्ली

कल्याण सिंह

बिपिन रावत

गुलाम नबी आजाद

नीरज चोपड़ा

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल्याण सिंह और हाल ही में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुए भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत को मंगलवार को मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और माकपा नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

सिंह और जनरल रावत को देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण दिया गया और उनके साथ ही किराना घराने की भारतीय शास्त्रीय गायिका 88 वर्षीय प्रभा अत्रे और हिंदू धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन करने वाले गीता प्रेस के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम खेमका को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस बार देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न के लिए किसी के नाम की घोषणा नहीं की गई। इससे पहले 2019 में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, समाज सुधारक नानाजी देशमुख और प्रख्यात गायक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया गया था। कोविड-19 रोधी टीका कोविशील्ड विकसित करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साइरस पूनावाला और स्वदेशी कोरोना वायरस टीके कोवैक्सिन का उत्पादन करने वाली कंपनी भारत (शेष पेज 9)

पश्चित बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने पदम भूषण सम्मान ठुकराया

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और माकपा के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने मंगलवार को पद्म भूषण सम्मान को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं पद्म भूषण सम्मान के बारे में कुछ नहीं जानता। मुझे किसी ने इसके बारे में नहीं बताया। अगर मुझे पद्म भूषण सम्मान दिया गया है तो मैं इसे अस्वीकार कर रहा हूं। माकपा सूत्रों के अनुसार यह भट्टाचार्य के साथ ही पार्टी का भी फैसला है। दूसरी ओर सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ने बीमार बुद्धदेव भट्टाचार्य के घर पर फोन किया था और उनकी पत्नी ने फोन रिसीव किया था। उनकी पत्नी को, बुद्धदेव भट्टाचार्य को पद्म भूषण सम्मान प्रदान करने की जानकारी दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, बुद्धदेव भट्टाचार्य के परिवार से किसी ने गृह मंत्रालय को यह नहीं बताया कि वह पद्म भूषण सम्मान स्वीकार नहीं करेंगे।

सपा के 39 और प्रत्याशी घोषित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को 39 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। अब कुल मिलाकर 198 सपा के उम्मीदवार चुनावी मैदान में आ चुके हैं महज एक दिन पहले सोमवार को सपा ने 159 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी जिसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत कई महत्वपूर्ण नेताओं के नाम शामिल थे। दूसरी सूची में अवध क्षेत्र के प्रत्याशियों की घोषणा हुई है जिसमें प्रतिष्ठित अयोध्या सीट से पूर्व विधायक पवन पांडेय और मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद व कर्नलगंज से योगेश प्रताप सिंह को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा मरहरा से अमित गौरव टीटू, बीसलपुर से दिव्या गंगवार, लहरपुर से अनिल वर्मा, मिश्रिख से मनोज राजवंशी, कस्ता से सुनील कुमार, लाला सांडी से उषा वर्मा, सलोन से पदम जगदीश प्रसाद को समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। जगदीशपुर से रचना कोरी, गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह, अमेठी से महाराजी प्रजापति, सुल्तानपुर से अनूप सांडा, सदर से अरुण वर्मा, लंभुआ से संतोष पांडेय, कादीपुर से भगेलू राम को पार्टी ने मैदान उतारा है। इसके साथ ही इटावा से सर्वेश शाक्य, बिल्हौर से रचना सिंह, गोविंद नगर से सम्राट विकास, किदवई नगर से ममता तिवारी, हमीरपुर से राम प्रकाश प्रजापति, खागा से राम तीरथ परमहंस, कुंडा से गुलशन यादव, पट्टी से राम सिंह पटेल, रानीगंज से विनोद दुबे, मंझनपुर से इंद्रजीत सरोज, सोरावा से गीता पासी, हंडिया से हाकिम चंद्र बिंद, मेजा से संदीप पटेल, करछना से उज्जवल रमण सिंह, इलाहाबाद उत्तरी से संदीप यादव, बारा से अजय मुन्ना, कोराव से रामदेव निडर, मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद, अयोध्या से पवन पांडेय, नानपारा से माधुरी वर्मा, बहराइच से यासिर शाह, पयागपुर से मुकेश श्रीवास्तव, गोंडा से सूरत सिंह, कटरा बाजार से बैजनाथ दुबे, कर्नलगंज से योगेश प्रताप सिंह को सपा ने प्रत्याशी घोषित किया है।

भाजपा ने आठ और उम्मीदवारों की सूची जारी की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को औरैया से गुड़िया कठेरिया और कानपुर देहात के रसूलाबाद से पूनम संखवार समेत आठ और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने जलेसर निर्वाचन क्षेत्र से संजीव कुमार दिवाकर और एटा जिले की मरहरा सीट से वीरेंद्र वर्मा उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने पटियाली से ममतेश शाक्य और अमांपुर (दोनों कासगंज जिले में) से हरिओम वर्मा का नाम घोषित किया है। पार्टी ने मैनपुरी जिले की किशनी सीट से प्रियारंजन आशु दिवाकर को मैदान में उतारने का फैसला किया है। इसी तरह इटावा जिले की भरथना विधानसभा क्षेत्र से सिद्धार्थ शंकर दोहरे को मैदान में उतारा गया है। औरैया, कानपुर देहात, एटा, कासगंज, मैनपुरी और इटावा जिलों में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होगा।

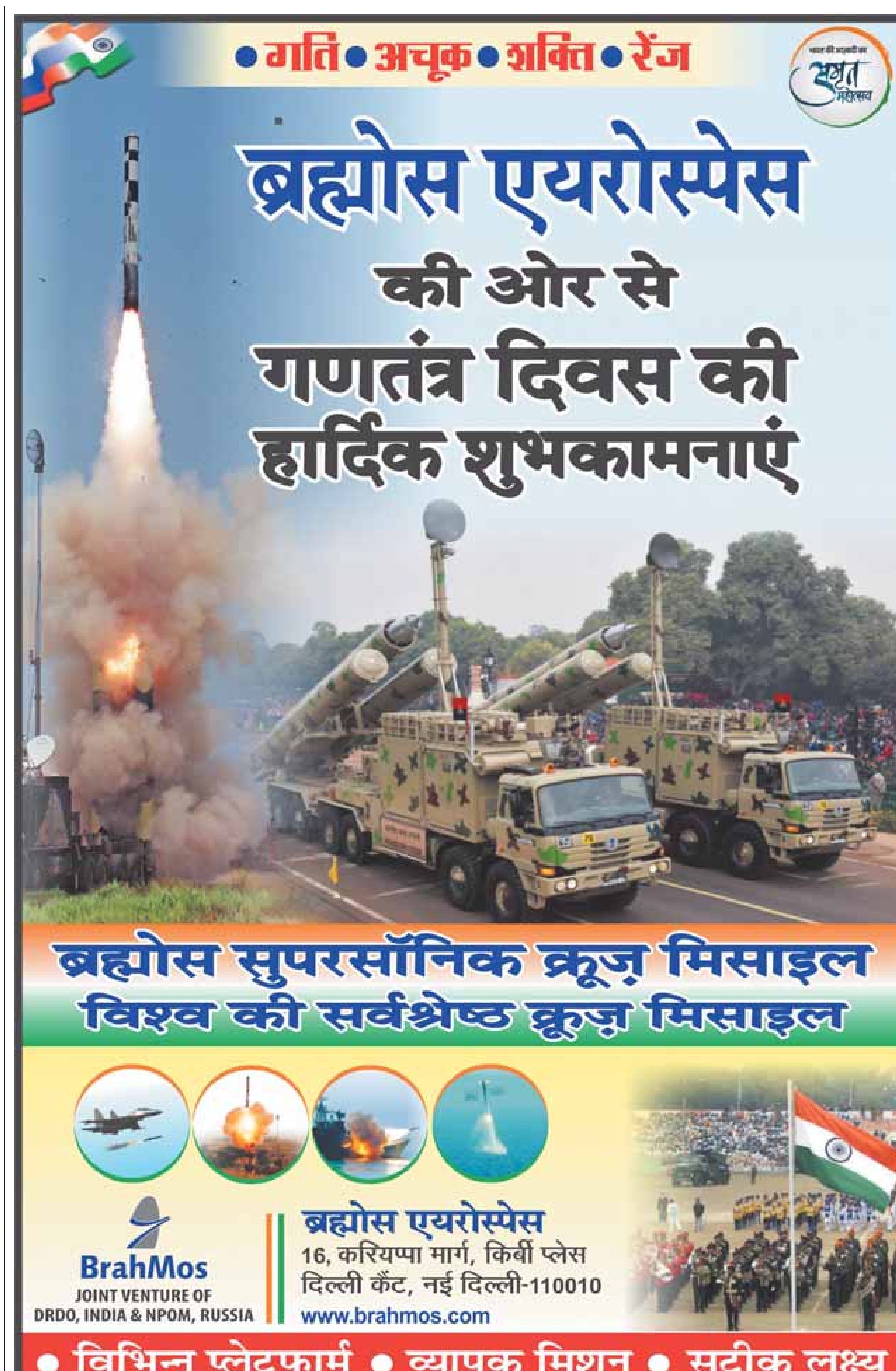

अखिलेश अपराधियों दंगाइयों व भ्रष्टाचारियों के गैंग के सरगना: केशव

● जनता 10 मार्च को समाजवादी पार्टी को बना देगी समाप्तवादी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के खुद को विकास पुरुष बताने वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि वह विकास पुरूष नहीं बल्कि विनाश पुरुष हैं। जनता इसकी गवाह है और वह अखिलेश के झांसे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव अपराधियों, दंगाइयों और भ्रष्टाचारियों के गैंग के सरगना हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि समाजवादी पार्टी की उम्मीदवारों की सूची में गुंडों, अपराधियों, माफियाओं, दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों का बोलबाला है लेकिन भाजपा के उ मीदवार सबका साथ-सबका विकास का शानदार गुलदस्ता हैं। मौर्य ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव कहते हैं कि यह नई सपा है लेकिन यह वही सपा है जिससे जनता खफा है।

उत्तर प्रदेश की जनता ने विदाई कर दी और 10 मार्च को समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी। सपा मुखिया के पाकिस्तान और जिन्ना के बयानों पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि मुझे लगता है कि अखिलेश यादव इस समय बौखलाहट में हैं। इसलिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। उनको पहले किसी ने सपना दिखाया था कि उत्तर प्रदेश में वो सरकार बना रहे हैंए मु यमंत्री बनने जा रहे हैंए लेकिन जैसे.जैसे हकीकत उनके सामने आ रही है तो उनकी घबराहट भी जनता के सामने आने लगी है। उत्तर प्रदेश में 2017 में जितनी सीटें सपा को मिली थी अबकी बार अखिलेश यादव उसे भी नहीं बचा पाएंगे। भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर उप मु यमंत्री ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य विकास और केवल विकास है। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिले विकास योजनाओं के केन्द्र में हैं। सपा-बसपा के शासनकाल में केवल पांच जिले ही विकास के केंद्र में होते थे। इसलिए भाजपा की सपा, कांग्रेस और बसपा से तुलना नहीं हो सकती। भाजपा सुशासन, विकास, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने वाली, सबको सुरक्षा प्रदान करने वाली, सबका साथ-सबका विकास करने वाली पार्टी है। वहीं सपा, कांग्रेस, बसपा का येनकेन प्रकारेण सत्ता हासिल करने का चरित्र रहा है। पंजाब में चल रही राजनीति पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पाकिस्तान से कांग्रेस की रिश्तेदारी काफी पुरानी है। उन्होंने कहा कि सत्ता अर्जित करना जब किसी का लक्ष्य हो जाता है तो उसके कारण इस तरह की परिस्थितियां पैदा होती हैं।

भाजपा जनता के बीच साख खो चुकी है: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जनता के बीच साख खो चुकी है। उसके साथ कोई नहीं है वह अलग थलग पड़ गई है। इस लिए भाजपा निम्नस्तर पर उतर आई है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की बात हर गली में चर्चा में है। लोगों का मानना है कि भाजपा ने थोथे वादे किए है जबकि समाजवादी सरकार के काम की सच्चाई सब जानते हैं। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भाजपा राज के पांच वर्षों में सबसे बुरे दिन देखने पड़े हैं। महंगाई और भ्रष्टाचार ने समाज में खाई पैदा कर दी है। डीजल.पेट्रोल के दाम बढ़ने से खाद्य पदार्थों के भाव बढ़ गए हैं। परिवहन महंगा हो गया है। महंगी बिजली ने लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। केन्द्र राज्य में भाजपा की सरकारों के बावजूद उत्तर प्रदेश का बिजली का कोटा नहीं बढ़ा। भाजपा राज में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार ने जनता के हित में 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

क्विक न्यूज

एडीजी एलओ प्रशांत कुमार को राष्ट्रपति पुलिस पदक

लखनऊ। गणतंत्र दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिसकर्मियों को दिए जाने वाले मेडल की घोषणा कर दी है। उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार को बहादुरी के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक से नवाजा जाएगा। इसके अलावा मेधावी सेवा के लिए यूपी के 5 पुलिस अधिकारियों और विशिष्ट सेवाओं के लिए 73 पुलिस अधिकारियों. कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। मूलतः बिहार के रहने वाले प्रशांत कुमार का आईपीएस में चयन 1990 में तमिलनाडु कैडर में हुआ था लेकिन 1994 में निजी कारणों से यूपी कैडर में ट्रांसफर हो गए। एडीजी प्रशांत कुमार की जहां भी तैनाती हुई अपराध और अपराधी हमेशा उनके टारगेट पर रहे। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन ए मेरठ के पद रहते हुए 18 फरवरी 2020 को प्रशांत कुमार ने थाना कंकरखेड़ा जनपद मेरठ में पुलिस मुठभेड़ के दौरान अन्तर्राज्जीय एक लाख रुपए के इनामी अपराधी शिवशक्ति नायडू मार गिराने में सफलता प्राप्त की थी । इस सफलता के लिए प्रशांत कुमार को राष्ट्रपति द्वारा 26 जनवरी 2022 ; गणतन्त्र दिवस के अवसर पर श्वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक का द्वितीय वारश् प्रदान किया गया है । अपराधी शिवशक्ति नायडू पर उत्तर प्रदेश दिल्ली में गम्भीर धाराओं के 14 अभियोग दर्ज थे। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एक लाख रुपए का इनाम घोषित था । इस अपराधी द्वारा 23122015 को न्यायालय परिसर दिल्ली में दिल्ली पुलिस के मुख्य आरक्षी रण सिंह मीना की अधाधुंध फायरिंग कर हत्या कर दी गयी तथा देश की मशहूर फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राजकुंदरा की दिल्ली स्थित कंपनी से 5 करोड़ से अधिक की लूट की गयी थी । इससे पहले पिछले गणतंत्र दिवस पर प्रशांत कुमार को गौतमबुद्धनगर में 25 मार्च 2018 को डेढ़ लाख के इनामी बदमाश श्रवण को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराने के मामले में वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया था। एडीजी प्रशांत कुमार को वीरता के लिए पुलिस पदक दूसरी बार प्रदान किया गया है।यूपी के 5 पुलिस अफसर गणतंत्र दिवस पर मेधावी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएंगे। इनमें एडीजी फायर रहे विजय प्रकाशए देवरिया के एसपी् डीआईजी श्रीपति मिश्रा झांसी के असिस्टेंट रेडियो अफसर सुशील पांडेए अयोध्या के असिस्टेंट रेडियो अफसर मिश्रीलाल शुक्ला और कानपुर कमिश्नरेट के सब इंस्पेक्टर कृष्ण चंद्र मिश्रा शामिल हैं। वहीं यूपी के 73 पुलिस अफसरोंए कर्मचारियों को विशिष्ट सेवाओं के लिए पुलिस पदक प्रदान किया जाएगा। इसमें आगरा के आईजी नचिकेता झाए लखनऊ के डीसीपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र शाक्यए एसपी विजिलेंस डॉक्टर अरविंद चतुर्वेदीए फतेहपुर के एडिशनल एसपी राजेश कुमार प्रमुख रूप से शामिल हैं।

पुलिसजनों को डीजीपी आज करेंगे सम्मानित

लखनऊ। गणतन्त्र दिवस. 2022 के अवसर पर बुधवार को डीजीपी मुकुल गोयल द्वारा 763 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के प्रशंसा चिन्ह एवं सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शौर्य के आधार पर 21 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को डीजी का प्रशंसा चिन्ह प्लेटिनम प्रदान किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से डीजी प्रशिक्षण डॉण् राजेंद्र पाल सिंह एडीजी प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश आईजी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड पद्मजा चौहान आईजीएसपी देवरिया डॉण् श्रीपति मिश्रा एसएसपी एसटीएफ अभिषेक सिंह एसपी फिरोजाबाद आशीष तिवारी 34 वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी के सेनानायक राजीव नारायण मिश्रा पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर कमिश्नरेट संजीव त्यागीए अपर पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड रश्मि रानी अपर पुलिस अधीक्षक हापुड़ सर्वेश कुमार मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक बुलंदशहर वंदना शर्मा और पुलिस उपाधीक्षक ईओडब्ल्यू लखनऊ सेक्टर बबीता सिंह के नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा शौर्य के आधार पर 67 पुलिसजनों को डीजीका प्रशंसा चिन्ह गोल्ड और 281 को प्रशंसा चिन्ह सिल्वर प्रदान किया जाएगा। वही कार्य के आधार पर 27 पुलिस जनों को प्रशंसा चिन्ह सिल्वर मिलेगा। सेवा अभिलेखों के आधार पर 18 पुलिस जनों को प्रशंसा चिन्ह प्लेटिनमए 37 को गोल्ड और 62 को प्रशंसा चिन्ह सिल्वर प्रदान किया जाएगा। सेवा अभिलेखों के आधार पर 50 पुलिस जनों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह और 200 पुलिस जनों को शौर्य के आधार पर सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह प्रदान किया जाएगा।

न्यायाधीश आवास के बाहर सिपाही को गोली लगी

लखनऊ । गौतमपल्ली इलाके में तीन कालीदास मार्ग पर स्थित हाईकोर्ट के न्यायाधीश राकेश श्रीवास्तव के आवास के बाहर गार्द ड्यूटी में लगे सिपाही मनोज मौर्या को संदिग्ध हालात में गोली लग गई गई। घटना मंगलवार तड़के करीब 3 30 बजे की है। सिपाही को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सिपाही मनोज मूल रूप से उतरौला गोंडा के रहने वाले हैं। एडीसीपी सेंट्रल राघवेंद्र मिश्रा के मुताबिक सिपाही पीएसी 30 बटालियन में तैनात था। वह न्यायाधीश के घर के बाहर गार्द ड्यूटी में तैनात था। तड़के करीब 3रू30 बजे वह संत्री ड्यूटी पर पहरा दे रहा था। इस बीच उसकी एसएलआर सेल्फलोडिंग राइफलद्ध हाथ से छूटकर गिर गई। राइफल लाक नहीं थी। इस बीच गोली चली और उसकी थोढ़ी में लग गई। गोली की आवाज सुनते ही बैरक में गार्द में मौजूद अन्य सिपाही दौड़े। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मलते ही गौतमपल्ली इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ पहुंचे। वह सिपाही सिविल लेकर गए। सिविल से हालत नाजुक देख उसे ट्रामा रेफर कर दिया गया।

गणतंत्र दिवस की झांकी में दिखेगी कोरोना काल की झलक

लखनऊ। तकरीबन दो वर्ष से अधिक कोरोना महामारी का साहस से सामना करने वाला स्वास्थ्य विभाग 26 जनवरी को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में नित नए प्रयास आपदा में भी रचे इतिहास विषय पर झांकी प्रदर्शित करेगा। झांकी का मुख्य उद्देश्य महामारी के प्रसार को रोकने में स्वास्थ्य विभाग की भूमिकाए आम जन को कोविड टीकाकरण व कोविड अनुरूप व्यवहारों के लिए प्रेरित करना एवं महामारी के प्रसार रोकना प्रदर्शित करना है। इसके अतिरिक्त आपदा काल में विभाग द्वारा हुई नवीन पहलों एवं अभिनवीकरण को भी प्रदर्शित करना है। मिशन निदेशक एनएचएम अपर्णा यू ने बताया कि झांकी पर स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख झलकियां भी प्रदर्शित की जायेंगी। मिशन निदेशक ने बताया कि अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं.चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को प्रदर्शित किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का मॉडल झांकी में आकर्षण का केन्द्र होगा।

कोरोना संक्रमण में कमी, सूबे में 11346 नए केस

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते प्रसार में कमी आई है। मंगलवार को पूरे प्रदेश में 11346 कोरोना के नए केस सामने आए हैं। जबकि 15 मरीजों की मौत हुई है। राजधानी लखनऊ में 1617 कोरोना के केस के बीच एक व्यक्ति की मौत हुई है। प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के एक्टिव केस एक लाख के नीचे आ गए हैं। प्रदेश में एक्टिव केस अब 86ए563 हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज प्रमुख रूप से गौतमबुद्ध नगर में 1046 गाजियाबाद में 845 मेरठ में 375 कानपुर में 368 वाराणसी में 428 नए कोरोना के केस आये हैं। आज कुल 3069 व्यक्ति कोविड संक्रमण से स्वस्थ हुए। वहीं डा राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थानए गोमतीनगर में भर्ती एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक क्रानिक लीवर डिजीज से पीडित था।

अमिताभ ठाकुर की रिवीजन अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ जिला राम मनोहर नारायण मिश्र ने बसपा सांसद अतुल राय पर दुराचार का आरोप लगाने वाली युवती व उसके गवाह की आत्मदाह से हुई मौत के मामले में निरुद्ध मुल्जिम अमिताभ ठाकुर की रिवीजन अर्जी पोषणीयता के अभाव में खारिज कर दी है। इस अर्जी में अमिताभ ने सीजेएम के कमिटल आदेश को चुनौती दी थी। आठ नवंबरए 2021 को सीजेएम ने यह मुकदमा कमिट कर विचारण के लिए सत्र अदालत को भेजा था। अमिताभ का कहना था कि मुकदमा कमिट करने से पहले उन्हें आरोप पत्र के साथ दाखिल अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज नहीं दिया गया। जिला जज ने अर्जी खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा है कि आरोप पत्र के साथ दाखिल प्रपत्रों में 208 पेज मुल्जिम प्राप्त कर चुका है। फिर भी उसे लगता है कि कोई प्रपत्र नहीं मिला हैए तो वकील के माध्यम से रिकार्ड का मुआयना कर प्राप्त कर सकता है।

अवैध असलहा फैक्ट्री पकड़ी गई, एक गिरफ्तार

लखनऊ। मडियांव पुलिस ने छोटा खुदान में एक अर्धनिर्मित मकान में छापेमारी कर अवैध तमंचा बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस को मौके से सात तमंचेए सात तमंचे की नाल समेत भारी मात्रा में अवैध असलहा बनाने वाली सामग्री को भी बरामद करने में सफलता हासिल हुई है। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह ने बताया कि यूपी में कुछ दिनों बाद विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से कराने को लेकर पुलिस अवैध शस्त्र बनाने वालों के खिलाफ अभियान चला रही है। पुलिस को छोटा खुदान के एक अर्धनिर्मित मकान में अवैध तमंचा बनाये जाने की सूचना मिली थी। जिसके बाद इंस्पेक्टर मडियांव ने पुलिस फोर्स के साथ मकान की घेराबंदी करके मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मुत्तकीपुर निवासी कल्लू के रूप में हुई है।

चुनाव आयोग ने जारी किया डिजिटल प्रचार का रोडमैप

किसी विशेष उम्मीदवार के लिए वीडियो वैन का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा

● वैन के खर्च को पार्टी के चुनावी खर्च में सम्मिलित किया जायेगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ ब्रह्मदेव राम तिवारी ने बताया कि विधान सभा चुनाव में कोविड प्रोटोकाल को दृष्टिगत रखते हुए राजनैतिक दलों द्वारा वीडियो वैन, डिजिटल वीडियो वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार को लेकर समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में वीडियो वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी उप्र से अनुमति प्राप्त करनी होगी। जनपद अथवा विधान सभा स्तर पर वीडियो वैन के माध्यम से प्रचार-प्रसार की अनुमति जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है। इस स्थिति में नोडल अधिकारी परिवहन द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वीडियो वैन मोटर वाहन अधिनियम के अनुरूप है। वीडियो वैन पर चुनाव प्रचार की सामग्री एमसीएमसी से प्रमाणित करानी होगी। राजनैतिक दलों द्वारा वीडियो वैन का उपयोग वोट मांगने के लिए अपने कार्यक्रमों एवं नीतियों के प्रचार के लिए ही किया जायेगा। किसी विशेष उम्मीदवार के लिए वोट या समर्थन के लिए वीडियो वैन का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। अगर विशेष उम्मीदवार के प्रचार के लिए वीडियो वैन का इस्तेमाल किया जायेगा तो इसका व्यय उम्मीदवार के व्यय में जोड़ा जायेगा। प्रचार के लिए इस्तेमाल की जा सकने वाली वीडियो वैन की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है लेकिन वीडियो वैन पर होने वाले खर्च को पार्टी के चुनावी खर्च में सम्मिलित किया जायेगा जिसे चुनाव के उपरान्त भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। वीडियो वैन का उपयोग रैली अथवा रोड-शो के लिए नहीं किया जायेगा। वीडियो वैन का संचालन प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे के मध्य किया जायेगा। कोविड.19 महामारी के दृष्टिगत वीडियो वैन को रोकने के लिए खुले स्थानों को व्यूइंग प्वाइंट के रूप में चिन्हित करने का दायित्व जिला निर्वाचन अधिकारी का होगा। भीड़-भाड़ अथवा बाजार में वीडियो वैन का संचालन नहीं किया जायेगा। व्यूइंग प्वाइंट पर 500 से अधिक या निर्धारित क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक दर्शक एकत्रित नहीं होने चाहिए। वीडियो वैन का ठहराव एक स्थान पर 30 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त राजनैतिक दल एवं उम्मीदवारों की जिम्मेदारी होगी कि वीडियो वैन की ध्वनि नियमों में उल्लिखित निर्धारित सीमा से अधिक न हो।

जागरुक मतदाता मजबूत लोकतंत्र की नींव: ब्रह्मदेव राम तिवारी

लखनऊ। 12 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस चुनाव को समावेशी, सुगम और सहभागी बनाना विषय पर प्रादेशिक लोकसंपर्क ब्यूरो लखनऊ द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुये अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ ब्रह्मदेव राम तिवारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने एक मजबूत लोकतंत्र और इसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 25 जनवरी को 12 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जिससे नागरिकों को उनके अधिकारों और लोकतंत्र में उनकी भूमिका के बारे में सचेत किया जा सके, उन्होंने कहा कि जागरुक मतदाता मजबूत लोकतंत्र की नींव होता है। इसलिये मतदाताओं को संवैधानिक प्रक्रिया, निर्वाचन प्रक्रिया के बारे में बताना निर्वाचन आयोग की प्रमुख जिम्मेदारी है।

भाजपा का एजेंडा अपराधियों को जेल जबकि सपा का विधानसभा भेजने का: स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के पहले समाजवादी पार्टी ने अपना एजेंडा स्पष्ट करके उत्तर प्रदेश की भोली-भाली जनता के लिए विकल्प चुनने का रास्ता आसान कर दिया। सपा ने अपने प्रत्याशियों की सूची से बता दिया कि अगले पांच वर्षों के लिए उनका एजेंडा वही है जो 2012 से 2017 के बीच था, माफियावाद, गुंडागर्दी और अपराध का माहौल और जनता बेहाल।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने एक बार फिर बताया है कि वह तुष्टिकरण के लिए आतंकवादियों का समर्थन करते रहेंगे, अपराधियों को टिकट देकर विधानसभा भेजेंगे, माफिया और गुंडों को अपनी गोद में बैठाकर उनके कहे अनुसार सरकार चलाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वह क्या समझते हैं।

प्रदेश की जनता उनके हथकंडे समझती नहीं है। खूब समझती है बल्कि जनता को पिछले पांच सालों में भाजपा के सुशासन की आदत पड़ चुकी है और वह उसे फिर सत्ता सौंपने का मन बना चुकी है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सबने देखा किस तरह योगी सरकार ने माफिया और अपराधियों को जेल भेजा और प्रदेश में कानून का राज स्थापित किया। 2017 से पहले की स्थिति से त्रस्त जनता ने पांच सालों में जाना और समझा कि शांतिपूर्ण ढंग से जीवन यापन कैसे किया जाता है। जनता अब फिर से सपा का शासन याद भी नहीं करना चाहेगी।

सीएम ने दी पद्म पुरस्कार के लिए चयनित विभूतियों को बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पद्म पुरस्कार के लिए चयनित विभूतियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित विभूतियों ने समाज और देश हित को सर्वोपरि रखते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं जिनका लाभ समाज व देश को मिला है।

यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह पब्लिक अफेयर्स तथा उप्र के ही स्व राधेश्याम खेमका साहित्य एवं शिक्षा को मरणोपरान्त पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने स्व. कल्याण सिंह तथा राधेश्याम खेमका के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इनके परिजनों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जिन महानुभावों को मरणोपरान्त पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है उनके देश, प्रदेश व समाज के प्रति योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। इसके अलावा यूपी के राशिद खान कला तथा वशिष्ठ त्रिपाठी साहित्य एवं शिक्षा को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। साथ ही कमलिनी अस्थाना एवं नलिनी अस्थाना, शिवनाथ मिश्रा, शीशराम को कला क्षेत्र, सेठ पाल सिंह अन्य कृषि, विद्या विन्दु सिंह साहित्य एवं शिक्षा, शिवानन्द अन्य योगदान, अजय कुमार सोनकर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, अजिता श्रीवास्तव कला तथा डॉ कमलाकर त्रिपाठी मेडिसिन को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित विभूतियों को विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा है कि पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने वाले इन महानुभावों से सभी को खासतौर पर युवा वर्ग को प्रेरणा मिलेगी। इन सभी ने उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं आर्मी नं0 4190209-X हवलदार महेश चन्द्र, यूनिट-9, कुमांउ मार्फत 56 ए पी ओ, मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश BHAWANA दर्ज हो गया है जो कि गलत है उसका वास्तविक नाम BHAWANA KAPRI है जिसे मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाना नितान्त आवश्यक है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमतीनगर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड टाईप-4/95 इन्द्रलोक विद्युत कालोनी, मानस नगर, कृष्णानगर, लखनऊ अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-08/वि0जा0खं0(वि0)गो0न0/ल0/ई-टेन्डर/2021-22 अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक-पृथक ई-निविदायें अनुभवी ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग पोर्टल http:// etender.up.nic.inके माध्यम से ऑन लाईन आमंत्रित की जाती हैं :- **क्र0सं0** 1 **निविदा विशिष्ट संख्या** 34/ वि0जा0ख0(वि0)गो0न0/ई-टेण्डर/2021-22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), टाईप-4/89 इन्द्रलोक हाइडिल कालोनी, कृष्णानगर, लखनऊ में वर्क स्टेशन के निर्माण कार्य **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक **क्र0सं0** 2 **निविदा विशिष्ट संख्या** 35/ वि0जा0 ख0(वि0)गो0न0/ ई-टेण्डर/2021-22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), कृष्णानगर, लखनऊ एवं कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमतीनगर लखनऊ में अलमारियों की मरम्मत एवं स्प्रे पेन्टिंग के कार्य **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक **क्र0सं0** 3 **निविदा विशिष्ट संख्या** 36/ वि0जा0ख0(वि0)गो0न0/ ई-टेण्डर/2021-22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), कृष्णानगर, लखनऊ के कार्यालय भवन में विविध जानपदीय अनुरक्षण कार्य। **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक निविदा प्रपत्र क्रय करने का मूल्य एवं धरोहर धनराशि जो "Executive Engineer, Electricity Civil Division (Distribution) Gomti Nagar" **के सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, आलमबाग, लखनऊ** के A/c No. 1277785019 एवं IFSC Code - CBIN0280140 में RTGS/NEFT के माध्यम से सीधे खाते में जमा की जायेगी एवं निविदा का विवरण एवं Pre-Qualification Condition ई-टेण्डरिंग पोर्टल http://etender. up.nic.in साइट पर देखा जा सकता है। **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमतीनगर टाईप-4/95 इन्द्रलोक विद्युत कालोनी, मानस नगर, कृष्णानगर, लखनऊ** पत्रांक : 867 दिनांक 24/1/2022 हेल्पलाईन नम्बर-18001800440 "राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें, बल्ब की जगह एल0ई0डी0 लगायें।

दहेज हत्या के मामले में इंजीनियर पति की जमानत अर्जी खारिज

लखनऊ(विसं)। एडीजे पीएम त्रिपाठी ने दहेज की खातिर अपनी पत्नी की हत्या करने के मामले में निरुद्ध मध्याचंल विद्युत वितरण निगम के इंजीनियर विशाल कुमार वर्मा की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। उन्होंने प्रथम दृष्टया मुल्जिम के इस अपराध को गंभीर करार दिया है। 30 सितंबरए 2021 से मुल्जिम इस मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में है। सरकारी वकील अरुण पांडेय के मुताबिक 14 फरवरीए 2020 को स्वाति की शादी विशाल से हुई थी। शादी के बाद ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। 18 दिसंबरए 2020 को उसकी मौत हो गई। विसरा रिपोर्ट में विष की वजह से मौत होना बताया गया। थाना मड़ियांव में इस मामले की एफआईआर मृतका के पिता देवेंद्र नाथ ने दर्ज कराई थी।

अवमानना के मामले में थानाध्यक्ष काकोरी तलब

लखनऊ (विसं)। अदालती अवमानना के एक मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने नोटिस जारी करते हुए थानाध्यक्ष काकोरी को 10 फरवरी को व्यक्तिगत रुप से तलब किया है। जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस सरोज यादव की पीठ ने यह आदेश लखनऊ की एक पॉक्सो कोर्ट के विशेष जज महेश चंद्र वर्मा द्वारा भेजे गए संदर्भ पर संज्ञान लेते हुए दिया है। इस संदर्भ में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के एक मुकदमे का विचारण छह माह में पूरा करने का आदेश दिया है। जिसमें अभियोजन पक्ष की गवाही बाकी है। जिन गवाहों का बयान होना हैए वो पुलिसकर्मी हैं। उन्हें तलब करने के लिए समन जारी किया गया। लेकिन काकोरी थानाध्यक्ष ने गवाहों को समन प्राप्त नहीं कराया। 15 मार्चए 2021 को थानाध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। लेकिन वह न तो हाजिर हुए और न ही कोई स्पष्टीकरण दाखिल किया। 26 अगस्तए 2021 को पुन: थानाध्यक्ष को गवाहों को नोटिस प्राप्त कराने का आदेश दिया गया। इस बार भी नोटिस प्राप्त नहीं कराई गई बल्कि समन की प्रतियों को बिना किसी रिपोर्ट के वापस कोर्ट भेज दिया गया। विशेष जज ने संदर्भ में कहा है कि थानाध्यक्ष ने अदालत के आदेश का पूरी तरह अनादर किया है। हाईकोर्ट ने भी इस संदर्भ का संज्ञान लेते हुए प्रथम दृष्टया थानाध्यक्ष के आचरण को अवमानना का मामला माना है।

केजीएमयू में 128 मल्टी स्लाइस सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेडियो डायग्नोसिस विभाग में मंगलवार को 128 मल्टी स्लाइस सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन विवि के कुलपति डॉ बिपिनपुरी ने किया। विभाग में इस नवीनतम सीटी स्कैन के शामिल होने से विभाग की कार्य.कुशलता एवं गुणवत्ता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है जिसके फलस्वरूप प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के रोगियों को भी उच्चस्तरीय जांच की सुविधा मिलेगी। इस मशीन में अत्याधुनिक तकनीक होने से यह बहुत ही कम समय एवं कम विकिरण डोज में ही उच्च क्षमता की जांच सुविधा प्रदान करेगी यह मशीन हृदय रोगियों तथा कम विकिरण डोज के कारण बच्चों की जाँच में विशेष रूप से लाभकारी होगी। इस मशीन के विभाग में समायोजन से मरीजो की जांच के लिए प्रतीक्षा सूची में भी कमी हो

गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल ने दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 73वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखी व स्वस्थ्य जीवन की कामना की है। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने बधाई सन्देश में देश के समस्त अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण आज भारत पूरे विश्व में एक स्वतंत्र तथा सशक्त जनतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान देश के लोगों को शैक्षिक आर्थिक सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से समान अवसर देता है।

राज्यपाल ने कहा कि सभी लोग समाज व राष्ट्र की सेवा कर अपने दायित्व का निर्वाहन करें और लोकतांत्रिक सिद्धान्तों एवं जीवन मूल्यों की जीवन्तता को बनाये रखें। इसके साथ ही संविधान प्रदत्त अपने अधिकारों के साथ.साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों को भी हमेशा याद रखें।

स्पीकर ने दी बधाई

लखनऊ। विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की है। अपने संदेश में कहा कि भारत इस साल अपना 73 वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में भारत अपनी विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि एवं विरासत के लिए जाना जाता है। 26 जनवरी 1950 को भारत पूर्ण स्वायत्त गणराज्य घोषित किया गया और इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ।

सपा मुखिया अखिलेश ने गणतंत्र दिवस पर दी बधाई

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को बधाई देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की है और सभी से सन् 2022 में प्रदेश में समाजवादी सरकार बनाने की लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया है।

चौथे चरण के लिए 9 जिलों की 59 विधान सभा सीटों के लिए कल जारी होगी अधिसूचना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा के चौथे चरण के लिए 27 जनवरी गुरूवार को अधिसूचना जारी की जायेगी। इसके साथ ही चौथे चरण के 9 जिलों में पीलीभीत, खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बांदा एवं फतेहपुर की 59 विधान सभा सीटों के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो जायेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चौथे चरण में कुल 21290564 मतदाता हैं। घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण के नामांकन की अन्तिम तिथि 3 फरवरी, नामांकन की जॉच 4 फरवरी, 7 फरवरी को नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित की गयी है। चौथे चरण का मतदान 23 फरवरी को सम्पन्न होगा। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 27 जनवरी को चौथे चरण की जिन 59 विधान सभा सीटों के लिये नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी इसमें पीलीभीत, बरखेड़ा, पूरनपुर, बीसलपुर, पलिया, निघासन, गोला गोकरननाथ, श्रीनगर, धौरहरा, लखीमपुर, कस्ता, मोहम्मदी, महोली, सीतापुर, हरगांव, लहरपुर, बिसवां, सेवता, महमूदाबाद, सिधौली, मिश्रिख, सवायजपुर, शाहाबाद, हरदोई, गोपामऊ, साण्डी, बिलग्राम मल्लांवा, बालामऊ , सण्डीला, बांगरमऊ, सफीपुर, मोहान उन्नाव, भगवन्तनगर, पुरवा, मलिहाबाद, बक्शी का तालाब, सरोजनीनगर, लखनऊ पश्चिम, लखनऊ उत्तर, लखनऊ पूर्व, लखनऊ मध्य, लखनऊ कैन्टोनमेंट, मोहनलालगंज, बछरांवा, हरचन्दपुर, रायबरेली, सरेनी, ऊंचाहार, तिंदवारी, बबेरू, नरैनी, बांदा, जहानाबाद, बिन्दकी, फतेहपुर, अयाहशाह, हुसैनगंज एवं खागा विधान सभा सीट शामिल हैं।

फांसी से लटकता मिला युवक का शव

लखनऊ। गुडम्बा क्षेत्र में मोहम्मद फरीद (25) नाम के युवक फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। उसका शव बाग के एक पेड़ से लटकता पाया गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची गुडम्बा पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर गुडम्बा सतीश चंद्र साहू ने बताया कि पैगरामऊ निवासी अब्दुल रहमान का भाई मोहम्मद फरीद (25) अपनी चौपहिया गाड़ी किराए पर चलाता है। फरीद 24 जनवरी को वह सुबह करीब 10:30 बजे कार लेकर घर से निकला था। अब्दुल ने बताया कि 25 जनवरी को सुबह आठ बजे उसे फरीद के सुसाइड करने की पुलिस से सूचना मिली। परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वह मौके पर पहुंचे। फरीद का शव प्लास्टिक की रस्सी के सहारे पेड़ से लटक रहा था। इंस्पेक्टर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में मृतक कार से उतर करके रस्सी के साथ अकेले बाग की ओर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जिससे सुसाइड की वजह का पता नहीं चल सका है। मृतक अविवाहित था।

डीजीपी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ दिलाई

लखनऊ। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर पुलिस मुख्यालय में डीजीपी मुकुल गोयल ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई। कोविड 19 के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए पुलिसजनों ने शपथ ली कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर ए धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

50 हजार का इनामी अपराधी विपुल सिंह गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी के विभूति खंड थाना क्षेत्र में हुई हत्या के एक मामले में वांछित 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी विपुल सिंह और पवन सिंह को एसटीएफने गिरफ्तार किया है। इनामी अपराधियों के बारे में छानबीन कर रही एसटीएफको जानकारी मिली कि दौरान लखनऊ के थाना विभूतिखण्ड पर धारा 302 ए 307 ए 120 बी ए 34 ए 201 ए 212 भादवि के तहत दर्ज मुकदमे का वांछित अभियुक्त और 50000 का इनामी कुख्यात अपराधी विपुल सिंह उर्फविपिन कुमार सिंह लखनऊ से कही जाने के लिए अवध बस स्टैण्ड पर मौजूद है। इस सूचना पर एसटीएफकी टीम ने वहां पहुंचकर विपुल सिंह को गिरफ्तार किया। एसटीएफने उसे थाना विभूतिखण्ड की पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

संदिग्ध हालात में छात्रा ने लगाई फांसी मौत

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर के हुल्लीखेड़ा गांव निवासी मजदूर पवन कुमार कुरील ने गांव के बाहर खेतों में मकान बनाकर परिवार सहित रहते हैं। पवन कुमार के मुताबिक सोमवार को वह परिवार सहित एक रिश्तेदारी में गए हुए थे। जबकि उसकी बेटी व हाई स्कूल की छात्रा पूजा (16) घर पर अकेली थी। देरशाम जब घर पहुंचे तो पूजा घर के अंदर कमरे में पंखे के हुक से रस्सी के सहारे मृत अवस्था में लटकी हुई थी। यह देख सभी के होश उड़ गए और आनन फानन उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर सरोजनीनगर पुलिस का कहना है कि छात्रा के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एयरपोर्ट की सुरक्षा चाक चौबंद

सरोजनीनगर। गणतंत्र दिवस को लेकर राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एयरपोर्ट के बाहर चप्पे.चप्पे पर सीआईएसएफजवानों को तैनात किया गया है। जो यहां आने जाने वाले हर व्यक्ति पर निगरानी रख रहे हैं। इसी के तहत मंगलवार को सीआईएसएफऔर एटीएस के जवानों ने एयरपोर्ट परिसर में फ्लैग मार्च भी किया। कानपुर रोड से एयरपोर्ट आने जाने वाली सड़क पर सीआईएसएफ जवान पूरे दिन बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच करते रहे। इसके अलावा एयरपोर्ट पर आने जाने वाले यात्रियों की भी कड़ी निगरानी शुरू कर दी गई है। मंगलवार को यहां यात्रियों की सघन तलाशी ली गई। साथ ही एयरपोर्ट बिल्डिंग के बाहर परिसर में भी आसपास पड़ी फालतू की चीजों की जांच पड़ताल की गई।

प्रो आलोक राय ने संभाला भाषा यूनिवर्सिटी का अतिरिक्त कार्यभार

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने मंगलवार को ग्रहण किया। प्रो राय ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विवि के कुलसचिव संजय कुमार एवं उपस्थित शिक्षकों से विश्विद्यालय के क्रिया कलापों और समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विवि में बेहतर शिक्षा का वातावरण बनाए जाने के साथ साथ शिक्षा को तकनीक के साथ जोड़ने के नए प्रयास किए जाएंगे।

सपा मुख्यालय में समर्थकों ने जमकर किया हंगामा

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारी को लेकर समाजवादी पार्टी में घमासान जबरदस्त तरीके से शुरू हो गई है। मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने अपने.अपने उम्मीदवार के समर्थन में जमकर नारेबाज करने के साथ ही घोषित उम्मीदवारों का जबरदस्त तरीके से विरोध भी किया। सपा मुख्यालय में करीब दो घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के दौरान उम्मीदवार समर्थकों के दो गुटों में हाथापाई भी हो गई।

मायावती दो फरवरी से करेंगी चुनावी अभियान की शुरुआत

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा प्रमुख मायावती आखिरकार चुनाव प्रचार अभियान का आगाज करने जा रही हैं। बसपा सुप्रीमो पहले फेज के मतदान से ठीक 8 दिन पहले 2 फरवरी को आगरा में जनसभा करने करने जा रही है। हालांकिए यह जनसभा कोविड नियमो के तहत होगी। मंगलवार को यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने ट्वीट कर दी है। विधानसभा चुनाव की आहट शुरू होते ही एक बसपा को छोड़ कर भाजपा सपा और कांग्रेस के शीर्ष स्तर के नेताओं ने जनसभा के माध्यम से अपनी बात रखी थी जबकि बसपा सुप्रीमो केवल संगठन को मजबूत करने की समीक्षा करती रहीं। इस दौरान कोविड के प्रसार को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने जनसभाओ पर रोक लगाते हुए केवल वर्चुअल प्रचार व डोर टू डोर की केवल इजाजत दी थी।

एलयू व जूट आर्टिसन्स गिल्ड एसोसिएशन के बीच अनुबंध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म स्टडीज ने मंगलवार को को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर जूट आर्टिसन्स गिल्ड एसोसिएशनए लखनऊ के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। अनुबंध पत्र पर एलयू के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय व अंजलि सिंह सचिव जूट आर्टिसन्स गिल्ड एसोसिएशन ने हस्ताक्षरकर्ता के रूप में उनके संगठन का प्रतिनिधित्व किया। यह अनुबंध छात्र शिक्षुता के तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा। जिसमें कौशल वृद्धिए छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण के साथ.साथ उन्हें एक अतिरिक्त आजीविका अवसर का लाभ देने और लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में जूट उत्पादन इकाई स्थापित करने और स्वदेशी जूट उत्पाद बनाने पर जोर दिया जाएगा।

आप ने जारी की 40 प्रत्याशियों की चौथी लिस्ट

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने मंगलवार देर शाम यूपी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी चौथी लिस्ट भी जारी कर दी है। पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने ट्विट कर राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से जारी 40 उम्मीदवारों की लिस्ट साझा की। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी ने पढ़े लिखे और पिछड़ों को वरीयता देने का काम किया है। शिक्षित योग्य उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। इन उम्मीदवारों में 13 प्रत्याशी ग्रेज्युएट 8 पोस्ट ग्रेज्युएट 5 एलएलबी 2 एमबीए एक पीएचडी एक डॉक्टर और 10 इंटर पास हैं। संजय सिंह ने सभी प्रत्याशियों को जीत के लिए शुभकामनाएं दी हैं। राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने सभी प्रत्याशियों से आम आदमी पार्टी की केजरीवाल गारंटी को अपनी विधानसभा क्षेत्रों में जन जन तक पहुंचाने और पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की अपील की है।

सपा ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए जारी की उम्मीदवारों की तीसरी सूची

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा मंगलवार को उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव 2022 के लिए समाजवादी पार्टी प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी की गई है। उत्तराखण्ड में समाजवादी पार्टी के अब तक घोषित प्रत्याशियों की कुल संख्या 70 हो गयी है। उत्तराखण्ड राज्य विधानसभा 70 विधायकों की ही है। सपा उत्तराखंड प्रभारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि टिहरी जनपद की विधानसभा नरेन्द्र नगर से वीरेन्द्र सिंह तथा धनोल्टी से आजाद शाह प्रत्याशी बनाये गये हैं। देहरादून जनपद की विधानसभा सहसपुर से अमित कुमार यादव डोईवाला से अनुराग कुकरेती मसूरी से संजय मल हरिद्वार से डॉ सरिता अग्रवाल भेल रानीपुर से राव अखलाक ज्वालापुर अनुसूचित जाति से सनातन सोनकर भगवानपुर से विशम्भर सिंह झबरेड़ा से कोमल रानीए मंगलौर से शरद पाण्डेय तथा लक्सर से डॉ भगवान दास पूर्व सांसद प्रत्याशी बनाये गये हैं।

सपा, बसपा, कांग्रेस ने किया पिछड़ों, दलितों और वंचितों का उत्पीड़न

लखनऊ। केंद्रीय शहरी आवास एवं नगर विकास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने मंगलवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में जनता को डबल सामाजिक सुरक्षा मिली है। अंत्योदय से राष्ट्रोदय हमारी पार्टी का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प को चरितार्थ करने का काम किया है। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने गरीब कल्याण की दिशा में जो काम किये वो 70 साल में सपा बसपा कांग्रेस की सरकार ने नहीं दिए। उन्होंने कहा कि वनटांगिया और मुसहर समाज के लिए ऐतिहासिक काम किये गए हैं। करीब 44 लाख लोगों को पीएम आवास दिए गए हैं। साथ ही 2 करोड़ 94 लाख लोगों के घरों में शौचालय भी बनाए गए। 13600 गांवों में ग्रामीणों को मालिकाना हक दिया गया है। 30 हजार गांवों में हर घर को नल से पीने का पानी भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

यूपी की जनता हिसाब मांगने को तैयार: प्रियंका

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश में पिछले दिनों दलितों के साथ हुए उत्पीड़न के बाद मौत के मामलों को लेकर यूपी सरकार और उत्तर प्रदेश पुलिस पर सवाल उठाए हैं। प्रियंका ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि कई मामलों में उत्तर प्रदेश सरकार की पुलिस ने संविधान व कानून के राज को रौंदते हुए अत्याचार का राज स्थापित किया। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार लखीमपुर में थारू जनजाति के एक युवक की पुलिस हिरासत में पीट.पीट कर हत्या कर दी गई। आगरा में अरुण वाल्मीकि गाजीपुर में नरेंद्र पासवान जैसे कई मामलों में उप्र सरकार की पुलिस ने संविधान व कानून के राज को रौंदते हुए अत्याचार का राज स्थापित किया। उत्तर प्रदेश की जनता इन 5 सालों का हिसाब मांगने के लिए तैयार है। प्रदेश की जनता संविधान की रक्षा के लिए तैयार है।

घर की दहलीज से चौबारों तक अनिवार्य मतदान की अलख जगाने पहुंची टीम

मतदाता दिवस

● नगर पंचायत और सेफ सोसायटी की टीम ने दर्जनभर गांव में लोगों को किया जागरूक

संवाददाता। मोहनलालगंज

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मंगलवार को एसडीएम डॉ. शुभी सिंह की अगुवाई में अनिवार्य मतदान की अलख जगाने नगर पंचायत और सेफ सोसायटी की टीम ने मोहनलालगंज नगर पंचायत के दर्जनभर गांव मथ डाले। संयुक्त टीम ने दिनभर में तकरीबन पांच हजार लोगों से सम्पर्क कर उन्हें आगामी 23 फरवरी को नजदीक के मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने का संकल्प दिलाया। चूल्हा बर्तन छोड़ दो सबसे पहले वोट दो मतदाताओं को मतदान की महत्ता सिखा रहा यह स्लोगन मंगलवार को सारा दिन मोहनलालगंज नगर पंचायत की गलियों में गूंजता रहा। नगर पंचायत कर्मियों और सेफ सोसायटी के स्वयं सेवकों की संयुक्त टीम ने मोहनलालगंज कस्बा मऊ अतरौली फुलवरिया और गौरा समेत दर्जन भर गांव की गलियों में घूम.घूम कर स्लोगन लिखे पोस्टर चस्पा किए। टीम ने स्लोगन लिखे पोस्टर हाथों में लेकर घर की दहलीज में महिलाओं से लेकर गलियों में आवागमन कर रहे नौजवानों और चौबारों में बैठे बुजुर्गों से मिलकर 23 फरवरी को मतदान दिवस पर सारे काम छोड़कर सुबह ही मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरुक और प्रेरित किया। सेफसोसायटी के स्वयं सेवकों ने इस दौरान जगह.जगह मतदाताओं को अनिवार्य मतदान की शपथ भी दिलाई। बीडीओ निशान्त राय और तहसीलदार राजेश विश्वकर्मा के साथ एसडीएम शुभी सिंह खुद भी लोगों को मतदान के लिए जागरुक करने निकलीं। गौरा के इंजीनियरिंग कालेज में उन्होंने भी ब्लाक व तहसील कर्मियों और कालेज के छात्र.छात्राओं एवं स्टाफ को मतदान की शपथ दिलाई।

लाउडस्पीकर पर गूंजती रही एसडीएम की अपील

मोहनलालगंज कस्बे में मंगलवार को सारा दिन लोगों को कोविड प्रोटोकॉल के पालन और 23 फरवरी को अनिवार्य मतदान के लिए जागरुक करने के लिए एसडीएम शुभी सिंह की अपील लाउडस्पीकर के जरिए गूंजती रही। इस दौरान मतदाता जागरुकता अभियान के पोस्टर चस्पा करने पहुंची प्रशासन की टीमों ने दुकानदारों को 23 फरवरी के दिन मास्क और सेनेटाइजर के साथ मतदान केन्द्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

पुरानी पेंशन बहाली पर टिकट देकर जवाब दें सपा प्रमुख

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कहा कि यूपी में नई सरकार बनाने के लिए शीघ्र ही मतदान शुरू होने वाला है। पुरानी पेंशन बहाली के लिए किए जा रहे कुर्तकों का जबाब देने के लिए सपा प्रमुख को अपनी घोषणा सच साबित करने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधि को टिकट की घोषणा करनी चाहिए। प्रदेश भर के कर्मचारियों की मांगों पर खुलकर बोलने वाला कमचारी समाज के बीच से होने पर भ्रांतियों का तत्काल निदान होगा। इसके लिए सदन में कर्मचारी प्रतिनिधित्व जरूरी है। जिसके लिए समाजवादी पार्टी को कर्मचारी संगठनों के प्रत्याशियों की अविल ब घोषणा करनी चाहिए। पुरानी पेंशन बहाली और आउट सोर्सिग के मुद्दे पर लगभग दस वर्षो से आन्दोलनरत राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के नेताओं ने आगामी चुनाव में कर्मचारी शिक्षक और उनके परिजनों के शतप्रतिशत मतदान की ब्लॉक स्तर तक कार्ययोजना तैयार की है।

नाराज संतों की मांगें पूरी, कमिश्नर का जताया आभार

● स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज ने खुशी जाहिर करते हुए मौनी अमावस्या स्नान करने का लिया निर्णय

मठ मछली बंदर शिविर पहुंचे कमिश्नर और आईजी साथ में दंडी स्वामी स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज।

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र के सेक्टर चार दंडी स्वामी नगर स्थित मठ मछली बंदर के शिविर में मंगलवार को अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति की आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मठ मछली बंदर के पीठाधीश्वर दंडी स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने की। बैठक के जरिए माघमेला क्षेत्र में तमाम शिविरों में साधु संतों की छुटी हुई सुविधाएं मुहैया कराने और मेला क्षेत्र में अनुमन्य संतों को कथा प्रवचन के लिए मंच और पंडाल जारी किए जाने के कमिश्नर प्रयागराज संजय कुमार गोयल के आदेश का तमाम संतों ने करतल ध्वनि और हर हर महादेव के नारे से स्वागत किया।

कमिश्नर संजय कुमार गोयल द्वारा लिए गए निर्णय को लेकर तमाम साधु संतों ने बैठक कर खुशी जाहिर की। इसके मद्देनजर दंडी स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने कहा कि मौनी अमावस्या के मुख्य पर्व पर मेला प्रशासन के प्रति अपनी भिन्नता को दूर करते हुए सभी संतों ने गंगा स्नान करने का भी निर्णय लिया है। गौरतलब है कि मेला प्रशासन ने गत दिनों कथित साधु संतों को कथा और प्रवचन के लिए पंडाल जारी कर दिया था। जिसका कुछ बड़े संत महात्माओं ने खुला विरोध किया था। जिसका प्रकाशन भी तमाम समाचार पत्रों में हुआ था। दो दिन पहले मठ मछली बंदर के शिविर में हुई साधु संतों की बैठक में मेला प्रशासन कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी गयी थी। साथ साथ ही यह भी चेताया गया था कि अगर तीन दिन में सुविधाएं नहीं मिलीं तो संत आंदोलन और घेराव करने को बाध्य होंगे। संतों की नाराजगी को देखते हुए मेला प्रशासन ने संतों की तमाम मांगों को मानते हुए सुविधाएं जारी कर दीं। वहीं मठ मछली बंदर के शिविर में मंगलवार को पहुंचे कमिश्नर संजय कुमार गोयल और आईजी रेंज डा राकेश सिंह का स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज ने आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दंडी स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज चौसठी मठ के महंत स्वामी प्रकाश आश्रम समिति के महामंत्री विश्व स्वरूप ब्रम्हचारी स्वामी गोविंद आश्रम भार्गव आश्रम सुदर्शन आश्रम अरविंद आश्रम स्वामी प्रणव आश्रम वासुदेव आश्रम विजेंद्र आश्रम महेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी राजेश स्वरूप शांता आश्रम योगेंद्र स्वरूप ब्रम्हचारी सुभाष स्वरूप समेत सैकड़ों संत महात्मा उपस्थित रहे। यह जानकारी अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति के कार्यालय मंत्री महेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी ने दी।

सपा खेमे में बड़ी दरार के आसार स्वामी प्रसाद के समर्थक निशाने पर

संवाददाता। ऊंचाहार,रायबरेली

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा सपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद ऊंचाहार में बनी असमंजस की स्थिति पर उस समय विराम लग गया जब सपा ने पूर्व मंत्री मनोज पाण्डेय के नाम पर मुहर लगा दी , किन्तु इसके बाद सपा ने दरार नजर आ रही है , वह भी पार्टी के लिए बड़ी चिंताजनक है । टिकट फाइनल होने के बाद मनोज पांडेय समर्थकों ने जमकर खुशी मनाई और विशेषकर स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों के घर के सामने आतिशबाजी करके एक प्रकार से उन्हें चिढ़ाने का काम किया है दूसरी ओर बसपा खेमे में एक वर्ग का धुवीकरण शुरू हो गया है ।

ऊंचाहार विधान सभा सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थक उनके बेटे उत्कृष्ट मौर्य अशोक को उम्मीदवार बनाए जाने की उम्मीद लगाए थे । इस बात को लेकर मनोज पांडेय समर्थक और स्वामी प्रसाद मौर्य समर्थकों में जमकर रस्साकसी चल रही थी । स्थानीय सोसल मीडिया पर दोनों पक्षों में जमकर भिड़ंत चल रही थी कि सोमवार की शाम को सपा नेतृत्व ने मनोज पांडेय को उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा कर दी । उसके बाद स्वामी समर्थकों में मायूसी छा गई जबकि मनोज पांडेय समर्थक उत्साह में आ गए । मनोज पाण्डेय के समर्थकों ने उल्लास में मिठाई बांटी , खुशियां मनाई और आतिशबाजी की । गांव गांव में गोले दागकर खुशी का इजहार किया गया । इस उत्साह में स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों को निशाने पर लिया गया । कई गांवों में जाति को आधार बनाते हुए मौर्य और यादव बिरादरी के दरवाजे पर गोले दागे गए । जिससे सपा में ही एक वर्ग पार्टी के इस निर्णय से असहज हो गया । इस बीच बसपा उम्मीदवार अंजलि मौर्य के खेमे में हलचल बढ़ गई है । मंगलवार को बसपा की अंजलि मौर्य के कार्यालय पर नए नए समर्थकों की भीड़ एकत्र होने लगी है । जिससे अचानक बसपा उम्मीदवार के पक्ष में एक बड़ा माहौल बनता दिखाई दे रहा है। ऊंचाहार विधान सभा में मौर्या बिरादरी की अच्छी खासी संख्या है । अब जब स्वामी प्रसाद मौर्य के परिवार से कोई चुनाव मैदान में नहीं है तो इस बड़ी संख्या के मतदाताओं का बसपा के पक्ष में ध्रुवीकरण होना शुरू हो चुका है। चुनाव में जातीय समीकरण देखें तो ओबीसी में यादव के बाद मौर्य बिरादरी की खासी संख्या है । इसी जातीय समीकरण की बदौलत स्वामी प्रसाद मौर्य यहां से दो बार विधायक बने थे और उनके बाद स्वामी प्रसाद मौर्य के बेटे लगातार मुख्य मुकाबले में रहे है और बहुत कम मतों के अंतर से चुनाव हारते रहे है।

इफको फूलपुर कृषि में बढ़ा रहा नवाचार की ओर कदम

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड, न केवल भारत में बल्कि दुनिया में उर्वरक उद्योग में अग्रणी है। इसकी स्थापना 3 नवंबर, 1967 को हुई थी। इफको पूरे देश में पांच मेगा उर्वरक परिसरों का संचालन कर रहा है। इफको भारत में लगभग 32 प्रतिशत फॉस्फेटिक और 21 प्रतिशत नाइट्रोजन उर्वरकों की मांग में योगदान देता है। आज इफ्को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसकी वैश्विक उपस्थिति सेनेगल, ओमान, दुबई और जॉर्डन में है।

इफ्को वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर रिपोर्ट द्वारा प्रति व्यक्ति टर्नओवर जीडीपी के आधार पर दुनिया की शीर्ष 300 सहकारी समितियों में प्रथम स्थान पर है। यह समाज और भारत की संपूर्ण सहकारी बिरादरी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि और गौरव का क्षण है। इफ्को में हम सहकारी समितियों और किसानों की सेवा करने की दिशा में काम करते हैं और किसान की आय के लिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करते हैं। इफ्को प्रधानमंत्री के ष्सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण के लिए भी प्रतिबद्ध है और देश भर में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए समर्पित है। डॉ यू एस अवस्थी के दूरदर्शी और सक्षम नेतृत्व में इफ्को ने सफलतापूर्वक दुनिया का पहला नैनो यूरिया पेश किया है, जो मानव जाति के लिए सदी का नवाचार है।

नैनो उर्वरक उच्च पोषक तत्व दक्षता के साथ पर्यावरण के अनुकूल हैं और उनका उपयोग भूमिगत जल की गुणवत्ता पर एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव देगा और ग्लोबल वाममिंग में महत्वपूर्ण कमी को बढ़ावा देगा।

कलोल इकाई में नैनो यूरिया का वाणिज्यिक उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है, अब तक 1.97 करोड़ 500 मिली बोतल (8.85 लाख मीट्रिक टन यूरिया के बराबर) का उत्पादन किया गया है और इसी तरह के संयंत्रों को प्रयागराज में फूलपुर सहित पूरे भारत में विभिन्ष्न स्थानों पर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है। चूंकि (0512-19 पूरी दुनिया में खाद्य सुरक्षा को चुनौती दे रहा है, इफ्को ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस अवधि के दौरान इसके संयंत्र पूरी तरह से चालू रहें। इफ्को फूलपुर ने स्थानीय प्रशासन की मदद से टाउनशिप में अपने कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों के लिए टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया है।

सीतापुर में टूटा रिकार्ड, मिले 302 कोरोना के मरीज

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में कोरोना का कहर थमता नजर नहीं आ रहा है। कोरोना लगातार अपने पुराने रिकार्ड ध्वस्त करते हुए नए रिकार्ड बना रहा है। आज फिर एक साथ 302 नए मरीज जिले में पाए गए हैं। शहर में भी कोरोना की रफ्तार तेज हुई है। यहां अब एक्टिव केसों की संख्या खतरे की घंटी बजा रही है। पिछले कई दिनों से एक साथ इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज जारी रिपोर्ट के मुताबिक पाए गए कोरोना संक्रमितों में 199 पुरुष और 103 महिलाएं शामिल हैं। इनमें 0 से 10 साल तक के नौ मरीज हैं। जबकि 11 से 20 साल के 55 और 21 से 55 साल तक के 220 मरीज तथा 55 साल के ऊपर के 18 मरीज पाए गए हैं। पिछले एक सप्ताह से कोरोना की रफ्तार फिर तेज होना खतरे की घंटी है।

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India BOI
FINANCIAL INCLUSION DEPARTMENT, ZONAL OFFICE: STAR HOUSE, 2nd FLOOR, VIBHUTI KHAND, GOMTI NAGAR, LUCKNOW-226010, PH. 0522-2721547

BUSINESS CORRESPONDENTS REQUIRED

Applications are invited from suitable firms/companies for engagement as Corporate Business Correspondents with Branches of Bank of India, Lucknow Zone, purely on contract basis for implementation of its Financial Inclusion Plan. The prescribed form, eligibility norms and terms of engagement will be available with our Zonal Office Lucknow zone. Duly filled in applications supported by necessary copies of certificates must be submitted to the Zonal Office by **01.02.2022** for any query contact on 0522-2721547.

Dy. Zonal Manager, Lucknow Zone

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, श्रावस्ती

गणतंत्र दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ जननी शिशु सुरक्षा योजना एवं अन्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली निःशुल्क सुविधाएं

प्रेस विज्ञप्ति

- सभी गर्भवती मातायें, आशा बहू के माध्यम से अथवा सीधे महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री से अपना पंजीकरण अवश्य करायें।
- टी0टी0 के टीके लगवायें तथा खाने के लिये आयरन फोलिक एसिड की गोलियां अवश्य ही प्राप्त करें।
- हीमोग्लोबीन तथा ब्लड प्रेशर अवश्य जांच करायें।
- समय–2 पर प्रसव पूर्व जांच कराकर उचित सलाह चिकित्सक/स्वास्थ्य कार्यकत्री से ही प्राप्त करें।
- प्रसव, निकटतम सरकारी अस्पताल/स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर ही करायें इसके लिये प्रत्येक गांव में कार्यरत आशा बहू से सहयोग प्राप्त करें।
- प्रसव के तुरन्त बाद नवजात शिशु को स्तनपान जरूर करायें।
- प्रसव उपरान्त पोस्ट नेटल जांच स्वास्थ्य कार्यकत्री से अवश्य ही करायें।
- सभी गर्भवती महिलाओं को चिन्हित स्वास्थ्य केन्द्रों/उपकेन्द्रों पर 102 एम्बुलेंस वाहन से निशुल्क आवागमन की सुविधा, भोजन, दवा तथा अन्य जांच की सुविधा उपलब्ध है एवं उनके खातें में बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा करने पर रू0 1400/– स्थानान्तरण की सुविधा उपलब्ध है।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रथम बार गर्भधारण करने वाली माताओं को तीन किश्तो में रू0 5000 की धनराशि निशुल्क प्रदान की जाती है।
- कोविड–19 का टीका पूर्णतया निशुल्क है। अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर अवश्य लगवायें।
- परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत छाया गोली (साप्ताहिक), माला–एन, काण्डोम, ई0सी0 पिल्स, कापर टी0 तथा पुरूष एवं महिला नसबन्दी।

(डा0 ए0पी0 भार्गव)
मुख्य चिकित्साधिकारी,
श्रावस्ती।

(नेहा प्रकाश) IAS
जिलाधिकारी,
श्रावस्ती।

पत्रांक : मु0चि0अ0/विज्ञापन/21–22/2398
दिनांक : 25/01/2022

लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश

कुप्रशासन — प्रदेश को भ्रष्टाचार/कुप्रशासन मुक्त बनाने हेतु जनता से अपील — भ्रष्टाचार

उत्तर प्रदेश शासन के समस्त विभाग, सरकारी कम्पनियॉ, सहायक सरकारी कम्पनियॉ, निगम, सोसाइटियॉ व परिषदों (जो अधिसूचित की गई) से संबंधित शिकायतों के मामले उदाहरणार्थ – लोक सेवकों के कुप्रशासन, भ्रष्टाचार एवं पद के दुरूपयोग आदि से संबंधित मामले तथा सेवानिवृत्त देयकों के भुगतान, मृतक आश्रित सेवायोजन, विकास प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद, निराश्रित एवं वृद्ध महिलाओं के पेंशन, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के आरक्षण (सेवा) संबंधी मामले।

उत्तर प्रदेश राज्य के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारियों के साथ–साथ मंत्रीगण, विधायक, विधान परिषद सदस्य, महापौर, महापालिका, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतें तथा अध्यक्ष, जिला पंचायत भी सम्मिलित हैं। शासकीय लोक सेवकों के सेवानिवृत्त/सेवाकाल में मृत्यु से संबंधित देयकों के प्रकरण शिकायत की श्रेणी में आते हैं।

अभिकथन/शिकायत की प्रक्रिया

प्रदेश के लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त को अभिकथन तथा शिकायत सम्बन्धी परिवाद निर्धारित प्रपत्र पर तीन प्रतियों में (यथासंभव राजभाषा हिन्दी में) टंकित कराकर धारा–9(2) के अनुसार नोटरी शपथ पत्र एवं धारा–9(3) के अनुसार परिवाद, शपथ पत्र, संलग्नक/अनुलग्नक का सत्यापन परिवादी स्वयं के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करके एवं अभिकथन रूपी परिवादों में रू0 2000/– प्रतिभूति निर्धारित लेखा शीर्षक "8443 सिविल निक्षेप–00–103 प्रतिभूति निक्षेप–00–00" के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक अथवा कोषागार में चालान के माध्यम से जमा करके मूलप्रति सहित प्रस्तुत किया जा सकता है। साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि प्राप्त परिवाद मिथ्या/फर्जी पाया जाता है तो ऐसे परिवादियो पर लोक आयुक्त प्रशासन द्वारा 50,000/– तक की धनराशि का हर्जाना लगाया जा सकता है एवं प्रतिभूति की धनराशि जब्त की जा सकती है।

नोट– राज्य सरकार द्वारा ई–पेमेन्ट से भुगतान किये जाने के कारण, परिवादी अपना राष्ट्रीकृत बैंक का बचत खाता संख्या, बैंक व शाखा का नाम, जिला एवं आई0एफ0एस0सी0 कोड के साथ–साथ पासबुक की स्वप्रमाणित छायाप्रति, परिवाद दाखिल करते समय प्रतिभूति की धनराशि के मूल चालान के साथ उपलब्ध करायेंगे तभी उनको प्रतिभूति की धनराशि वापस किया जाना सम्भव होगा। परिवादी को अपना पूरा नाम, पता, मोबाइल नम्बर, ई–मेल के साथ अंकित करना चाहिए।

वर्तमान पता–टी0सी0–46/वी–1 विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 अथवा
पोस्ट बाक्स नम्बर–172, जी0पी0ओ0, लखनऊ, **फैक्स नं0** – (0522) 2306647
फोन नं0: (0522), 2728660, 2306088, 2728086, 2306412, 2306717, 2728865, 2306160 (पी0बी0 एक्स),
Web site - www.lokayukta.up.nic.in, E-mail :- lokayukta@hotmail.com

अनिल कुमार सिंह, सचिव, लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

मेला प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी संत कुमार श्रीवास्तव हटाए गए

बैठक करते कमिश्नर संजय कुमार गोयल।

● 2019-20 में दी गई सुविधाओं को मानक मानते हुए 145 संस्थाओं की बढ़ाई गयीं सुविधाएं: कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

मेला प्रशासन कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी संत कुमार श्रीवास्तव से सुविधा आवंटन का प्रभार तत्काल प्रभाव से छीन लिया गया। उक्त कार्यवाही प्रयागराज के कमिश्नर संजय कुमार गोयल ने संस्थाओं द्वारा की गई शिकायतों के दृष्टिगत की है। बता दें सुविधा आवंटन का कार्य देख रहे प्रयागराज मेला प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी पद पर नियुक्त संत कुमार श्रीवास्तव से तत्काल प्रभाव से कमिश्नर ने प्रभार ले लिया है। संत कुमार श्रीवास्तव द्वारा किए जा रहे सभी कार्य अब मेलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान स्वयं देखेंगे। मेला अधिकारी की अनुपस्थिति में मेला संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु एसएलओ योगेंद्र सिंह देखेंगे।

मेला कार्यालय में बैठने एवं जन समस्याओं का निस्तारण करने के भी निर्देश दिए गए हैं। माघमेले में आए श्रद्धालुओं एवं साधु संतों द्वारा मेला क्षेत्र में बसी संस्थाओं को दी गई सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत पूर्व में दिए गए आदेशों के क्रम में मंडलायुक्त संजय गोयल ने मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आई ट्रिपल सी सभागार में मेला से जुड़े सभी अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान कमिश्नर ने संस्थाओं को 2019 20 में दी गई सुविधाओं को मानक मानते हुए उनकी अनुमन्य सुविधाएं 24 घंटे के अंदर मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। पिछले कुछ दिनों में कई संस्थाओं द्वारा प्रवचन पंडाल एवं कुछ अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतें मंडलायुक्त को भेजी गईं थीं। जिसका संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने यह निर्देश दिए हैं। निर्देश के क्रम में लगभग 145 संस्थाओं की सुविधाएं बढ़ा दी गई हैं। जिसे 24 घंटे के अंदर संस्थाओं तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मेला प्रशासन द्वारा वेंडरों को तत्काल प्रभाव से दे दी गई है। वहीं जन समस्याओं के निराकरण हेतु माघ मेले में दो टोल फ्री नंबर 18001805350 18001805340 भी चलाए जा रहे हैं।

असलहे की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़, तमंचे बरामद

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। थाना अलीगंज पुलिस ने असलहा बनाने की अवैध फैक्ट्री पकड़ते हुए भारी मात्रा में निर्मित व अर्ध निर्मित तमंचा व असलहा बनाने के उपकरण बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का दावा किया है। थानाध्यक्ष अलीगंज नागेंद्र सरोज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम हुसैनपुर सुधाना की सीमा में सम्हरिया ओवर ब्रिज के पास एक व्यक्ति असलहा बना रहा है जिस पर उप निरीक्षक औसाफ़अली व फोर्स के साथ छापा मारने पर ओवर ब्रिज के बगल स्थिति छप्पर में भारी मात्रा में अवैध तमंचा तथा उसे बनाने के उपकरण बरामद हुए पकड़े गए अभियुक्त की शिनाख्त शाहिद उर्फनेउरा पुत्र कैसर अली निवासी ग्राम सेमरी थाना जयसिंहपुर जनपद सुल्तानपुर हाल पता मोहल्ला तलवा पार थाना अलीगंज के रूप में हुई जिसके पास से 3 अदद कट्टा चार कारतूस व 12 अर्ध निर्मित व एक अदद रिवाल्वर बरामद हुई साथ ही भारी मात्रा में असलहा बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं।

Bandhan Bank
रीजनल ऑफिस: नेताजी मार्ग, मीठाखली छ: रास्ते के पास, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-06. फोन : +91-79-26421671-75

सांकेतिक आधिपत्य (कब्जा) सूचना

एतदर्थ सूचना दी जाती है कि वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पूर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित प्रर्वतन अधिनियम, 2002 कि धारा 13(12) एवं प्रतिभूतिहित प्रर्वतन नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढते हुए अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत प्राधिकृत अधिकारी ने खाते(अकाउंट) के सामने उल्लेखित तिथि को डिमांड नोटिस (मांग पत्र) भेजा था व नोटिस प्राप्ति के 60 दिवस के अन्दर राशि की मांग की गई थी। ऋणी द्वारा भुगतान करने में असफल रहने पर कर्जदार और आम जनता को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्त अधिनियम कि धारा 13 की उपधारा(4) सपठित नियम 8 के तहत नीचे लिखे लोन खातों में वर्णित बंधक सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा ले लिया है। अतः आप कर्जदार और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित संपत्तियों के बारे में कोई व्यवहार न करें और इन संपत्तियों के साथ किसी व्यवहार पर वह राशि, ब्याज, खर्च एवं शुल्क के साथ बैंक को चुकाना होगा । सुरक्षित सम्पत्ति को रिडीम/वापस लेने के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) में उपलब्ध प्रावधानों के तहत ऋणियों का ध्यान आमंत्रित किया जाता है।

ऋणियों के नाम और ऋण खाता सं.	बंधक संपत्ति का विवरण (प्रतिभूती आस्तियां)	मांगपत्र की तिथि	सांकेतिक कब्जे की तिथि	कुल बकाया राशि, मांगपत्र की तारीख तक
श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा (मृत कर्जदार) श्री राकेश कुमार सिन्हा (मृत कर्जदार) मृत कर्जदार की सभी कानूनी वारिस श्री नरेश बाबू, भाई राकेश कुमार श्री कमलेश बाबू, भाई राकेश कुमार 755/215	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो 127/1, डोमरी, परगणा राल्हूपुर, तहसील और जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित है: उत्तर: अराज़ी का बाकी हिस्सा, पूर्व: अराज़ी का बाकी हिस्सा, पश्चिम: राकेश का घर, दक्षिण: कच्चा रास्ता 16 फीट चौड़ी सड़क	08.11.2021	19.01.2022	Rs.9,38,587.54
श्री राकेश कुमार सिन्हा (मृत कर्जदार) श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा (मृत कर्जदार) मृत कर्जदार की सभी कानूनी वारिस श्री नरेश बाबू, भाई राकेश कुमार श्री कमलेश बाबू, भाई राकेश कुमार 755/208	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो 127/1, डोमरी, परगणा राल्हूपुर, तहसील और जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित है: उत्तर: अराज़ी का हिस्सा, पूर्व: श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा का घर, पश्चिम: बचमुना देवी की भूमि, दक्षिण: कच्चा रास्ता 16 फीट चौड़ी सड़क	08.11.2021	19.01.2022	Rs.9,71,688.90
श्री संतोष कुमार श्रीमती सुनीता पति शिवपूजन गौर श्री सुशील कुमार 755/180	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो अराज़ी नंबर 288/1, न्यूनतम क्षेत्र 1/6 हेक्टेयर और अराज़ी नंबर 289/2, न्यूनतम क्षेत्र 0.0-3/4 हेक्टेयर, कुल गाटा, कुल क्षेत्रफल 1-11/12 डिस्मिल यानी 800 वर्ग फुट, मौजा–मुगलचक, परगना–धूस, जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित है: उत्तर: जी.टी. सड़क, पूर्व: प्रथम पक्ष की भूमि, पश्चिम: मालती देवी की भूमि, दक्षिण: बदन की भूमि	08.11.2021	19.01.2022	Rs.8,53,711.60

स्थानः वाराणसी
तारीखः 26/01/2022

प्राधिकृत अधिकारी
बंधन बैंक लिमिटेड

कर्नाटक में विवाद

लड़कियों को हिजाब

कर्नाटक के कुछ हिस्सों में नए वर्ष में हिजाब और भगवा स्कार्फ पर बहस तेज होगी। 1 जनवरी को उडुपी के एक पूर्व-विश्वविद्यालय कालेज ने कुछ लड़कियों को स्कार्फ पहन कर कक्षाओं में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि यह कालेज नियमों के खिलाफ था। प्रबंधन ने कहा था कि लड़कियां परिसर में स्कार्फ पहन सकती हैं, पर कक्षाओं में नहीं। इसके पीछे तर्क दिया गया था कि शिक्षक को पढ़ाने के दौरान छात्रों पर पूरी तरह नजर रखनी चाहिए। लेकिन इस प्रतिबंध से नाराज लड़कियों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पुरुषों के सामने अपने बाल ढकने के लिए हिजाब पहनना जरूरी है। एक तर्क यह था कि यदि यह केवल स्कार्फ की तरह बाल ढकता है तो हिजाब पर आपत्ति क्यों की जा रही है। लेकिन दूसरा तर्क यह था कि यदि ऐसा है तो चेहरा भी ढकने के लिए एक पिन क्यों लगाई जा रही है। चीजों ने उस समय राजनीतिक रूप ले लिया जब चरमपंथी इस्लामी समूह पापुलर फ्रंट आफ इंडिया की छात्र शाखा कैंपस फ्रंट आफ इंडिया-सीएफआई ने यह मामला उठाया। उसने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस प्रतिबंध से धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप किया जा रहा है। अभी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कर्नाटक के एक अन्य गांव, कोप्पा जिले के बालागाडी में कुद कालेज छात्रों ने प्रबंधन द्वारा मुस्लिम लड़कियों को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने पर विरोध में भगवा स्कार्फ पहनने शुरू कर दिए। तीसरी घटना में कोलार जिले में एक हिंदू समूह ने सरकारी स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि प्रधानाचार्य ने मुस्लिम लड़कियों को शुक्रवार को कक्षा में प्रार्थना करने की

अनुमति दे दी है। जिला कलेक्टर इस मामले की जांच कर रहे हैं। धीमे-धीमे पर निश्चित रूप से ऐसी घटनायें न केवल तेजी से विवादास्पद होती जा रही हैं, बल्कि इनसे यह बहस भी शुरू हुई है कि क्या हिजाब यूनीफार्म का हिस्सा है।

भारत में जहां सार्वजनिक स्थानों पर धर्म का प्रदर्शन काफी सामान्य बात है, ऐसी घटनाओं को प्रचार नहीं मिलना चाहिए। लेकिन चिन्ताजनक बात है कि जब कर्नाटक में दो महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं तब भावनाओं को भड़काया जा रहा है। वृहत बैंगलुरू महानगर पालिके में चुनाव जिला पंचायत व तालुक पंचायत चुनावों के साथ या इनके फौरन बाद होंगे। इनमें कुल लगभग 4 करोड़ मतदाता भाग लेंगे। इसके साथ ही अगले साल की शुरुआत में राज्य विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे मुद्दे धार्मिक समूहों के लिए चारे की तरह हैं जो पहले से ही ध्रुवीकरण का बोझ ढो रहे सेक्युलर परिवेश को खराब करना चाहते हैं। उच्च न्यायपालिका को हस्तक्षेप कर ऐसे मामलों का हमेशा के लिए समाधान कर देना चाहिए। भारत फ्रांस नहीं है जहां सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध है। भारत में सभी लोग धर्म का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं, फिर चाहे वह बिंदी हो या चूड़ियां या हिजाब अथवा पवित्र क्रास या सिख पटका। ऐसे में भेदभाव का सवाल नहीं पैदा होना चाहिए। संविधान हमें धर्म का व्यवहार करने की स्वतंत्रता देता है, पर कानून संरक्षण को उन व्यवहारों तक सीमित करता है जो धर्म के लिए अनिवार्य व अभिन्न हों। 2016 के एक फैसले में केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि हिजाब और लंबी आस्तीनों वाली ड्रेस 'इस्लाम धर्म का अनिवार्य हिस्सा' हैं। ऐसे में न्यायपालिका को केवल यह विचार करना है कि क्या हिजाब पहनने का 'अनिवार्य व्यवहार' कक्षा में सामाजिक व्यवस्था में बाधा डालता है और इससे शिक्षकों का कर्तव्य बाधित होता है।

उर्वरक डीबीटी में अनुचित गतिरोध

जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

बजट पेश किए जाने का समय आ गया है। दो साल तक धड़ल्ले से खर्च के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब संभवत: राजकोषीय मजबूती की ओर लौटना चाहती हैं। ऐसे में उर्वरक सब्सिडी के क्षेत्र पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है जो 2019-20 में 80,000 करोड़ से बढ़ कर 2020-21 में 1,34,000 करोड़ हो गई तथा इसके 2021-22 में 1,40,000 करोड़ होने की आशा है। उर्वरक सब्सिडी इसलिए बढ़ी है क्योंकि केन्द्र सरकार चाहती है कि निर्माता-आयातक किसानों को कम अधिकतम खुदरा मूल्य पर इनको बेचें, जिसका कोई संबंध उत्पादन व आयात तथा वितरण की लागत से नहीं है। यह खर्च अक्सर बहुत ज्यादा होता है। यूरिया के मामले में एमआरपी पर अनिवार्य नियंत्रण है और सरकार निर्माताओं को अतिरिक्त लागत की भरपाई नई मूल्य योजना के अंतर्गत 'यूनिट-आधारित' सब्सिडी के रूप में करती है।

फास्फेट व पोटाश उर्वरकों-पीएंडके के मामले में उसने पोषक आधार योजना के अनुसार सभी निर्माताओं व आयातकों के लिए प्रति पोषक आधार पर समान सब्सिडी तय की है। सब्सिडी का अर्थ प्रति टन लागत और एमआरपी के बीच अंतर है। यदि लागत बढ़ती है तो एमआरपी को प्रति टन उर्वरक बिक्री में अपरिवर्तित रखने के लिए सब्सिडी बढ़ जाती है। दूसरी ओर यदि एमआरपी घटता है तथा लागत में परिवर्तन नहीं आता है तो भी सब्सिडी बढ़ती है। तीसरे, यदि प्रति टन सब्सिडी के किसी स्तर पर उर्वरक की मात्रा बढ़ती है तो भी कुल सब्सिडी भुगतान बढ़ जाता है। यूरिया का मूल्य प्रभावित करने वाले कारकों में प्राकृतिक गैस की कीमत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका यूरिया उत्पादन या आयात में प्रमुख स्थान है।

उपभोग में इसका एक तिहाई हिस्सा है। पीएंडके उर्वरकों के मामले में लागत कच्चे माल से तय होती है जिसमें फास्फोरिक एसिड, अमोनिया तथा आयातित या तैयार पदार्थ जैसे डाईअमोनियम फास्फेट शामिल हैं। यह लगभग डीएपी उत्पादन में 50 प्रतिशत के जिम्मेदार हैं। इसके साथ ही म्यूरेट आफ पोटाश की कीमतों का महत्व है जिसका पूरी तरह आयात होता है।

आयात पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यूरिया व गैर-यूरिया उर्वरकों की कीमत बढ़ रही है। देश में यूरिया उत्पादन के लिए भी आवश्यक तिहाई गैस का आयात होता है। ऐसे में सरकार इनकी कीमतों पर लगाम लगाने के लिए कुछ खास नहीं कर सकती है। लेकिन विशेष प्लांटों के अनुसार कीमत में परिवर्तन होते हैं क्योंकि गैस पर वैट में अंतर-राज्य अंतर हैं। लगभग 35 मिलियन टन यूरिया की वार्षिक सप्लाई 20,000, 25,000 व 30,000 रुपये प्रति टन पर होती है। आयात का खर्च इससे भी अधिक है। वर्तमान वर्ष में कुछ सप्लाई 900 डालर प्रति टन पर भी हुई है जो खेत तक पहुंचने पर लगभग 70,000 रुपये प्रति टन होती है। हास्यास्पद रूप से यूरिया का वर्तमान एमआरपी 5,360 रुपये प्रति टन है जो लगभग दो दशक से स्थिर है। बढ़ती लागत के कारण प्रति टन सब्सिडी बढ़ी है।

इसके साथ ही अत्यधिक प्रयोग के कारण मात्रा बढ़ी है क्योंकि सस्ती होने के कारण किसान इसका प्रयोग मिट्टी की आवश्यकता से अधिक करते हैं। बड़े तथा अमीर किसानों को भी सस्ती यूरिया मिलती है तथा बड़े पैमाने पर इसकी पड़ोसी देशों को स्मगलिंग होती है और अनुचित औद्योगिक उपयोग होता है। यह अपरिहार्य है क्योंकि बाजार में इसकी कीमत 4-5 गुना अधिक होती है। इसका नतीजा सब्सिडी खर्च में भारी वृद्धि है। यूरिया का अत्यधिक प्रयोग उर्वरक प्रयोग में असंतुलन पैदा करता है, मृदा स्वास्थ्य बिगड़ता है तथा दीर्घकालीन रूप से मझोले किसानों के लिए खेती में बने रहना कठिन हो जाता है। इसका मानव स्वास्थ्य के साथ ही पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अमीर किसानों को सस्ती यूरिया देना बिल्कुल अनुचित है जो इसका ज्यादा भुगतान कर सकते हैं। सब्सिडाइज यूरिया का भयानक दुरुपयोग किसी भी विचारशील व्यक्ति को परेशान कर सकता है। इसके बावजूद यह दशकों से जारी है तथा यह दुरुपयोग लगभग 30 प्रतिशत है।

1977 में सब्सिडी शुरू होने के बाद शुरुआत में सब्सिडी निर्माताओं को फैक्ट्री से सामान भेजने पर मिलती थी। हालांकि, उनको यह सुनिश्चित करना होता ाा कि उर्वरक की बिक्री वास्तव में किसानों को हुई है, पर इसकी कोई सटीक व्यवस्था नहीं थी। सप्लाई श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर उत्पाद गायब हो जाता था तथा इसकी व्यापक रूप से चोरी होती थी। 2000 के दशकारंभ में व्यवस्था बदली गई तथा जिलों में सामग्री प्राप्त होने पर 95 प्रतिशत यूरिया सब्सिडी मिलने लगी। गैर-यूरिया उर्वरकों के लिए यह सीमा 85 प्रतिशत थी। बाकी 5 प्रतिशत तथा पीएंडके के मामले में 15 प्रतिशत का भुगतान राज्य सरकार से पुष्टि के बाद होता था। लेकिन इस व्यवस्था में भी फर्जी लोगों द्वारा सब्सिडी यूरिया की चोरी तथा जिलों में अवैध भंडारण की समस्या बनी रही। अप्रैल, 2018 से मोदी सरकार ने निर्माताओं को सब्सिडी भुगतान खुदरा व्यापारियों द्वारा किसानों को उर्वरकों की बिक्री पर करना शुरू किया है।

नई योजना के अंतर्गत निर्माता को किसान को उर्वरक मिलने पर 100 प्रतिशत सब्सिडी का भुगतान होता है और उसके आधार कार्ड को डीलर की दूकान में लगे पीओएस पर दर्ज किया जाता है। हालांकि, इससे व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, पर खुदरा बिक्री के स्तर पर हेराफेरी संभव है। इसका कारण यह है कि आधार कार्ड रखने वाला कोई गैर-किसान भी सब्सिडाइज उत्पाद खरीद सकता है। सरकार ने कुछ अन्य उपाय करने का प्रयास किया है। इनमें सभी निर्माताओं व आयातकों द्वारा यूरिया की नीम कोटिंग शामिल है। इसके साथ ही प्रति खरीद 100 बोरे तक सीमित की गई है, जबकि पहले यह 999 बोरे थी तथा मासिक खरीद की सीमा भी तय की गई है। इसके अलावा हर जिले में सबसे ज्यादा 20 यूरिया खरीद की ट्रैकिंग कर खरीद मानकों का उल्लंघन करने वालों को दंड दिया गया है। लेकिन इन उपायों के भी समुचित नतीजे नहीं निकले हैं। अब सरकार किसी व्यक्तिगत किसान द्वारा किसी फसल सीजन में खरीदे जाने वाले सब्सिडाइज उर्वरक बोरों की संख्या सीमित करने की योजना बना रही है। लेकिन इससे भी लाभ नहीं होगा। वास्तव में जब तक योजना में 'निर्माताओं के माध्यम से सब्सिडी देने' की व्यवस्था बनी रहेगी तब तक इसके दुरुपयोग पर लगाम लगाना संभव नहीं होगा।

आगे बढ़ने का रास्ता सब्सिडी का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी है। सरकार को सब्सिडी सीधे किसानों को देनी चाहिए तथा निर्माताओं को इसे बाजार मूल्य पर बिक्री करने देना चाहिए। इससे दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है। इससे अत्यधिक प्रयोग पर भी रोक लगेगी। जब उत्पाद सही कीमत में मिलेगा तो किसान इसका उचित प्रयोग करेंगे। इससे गरीब किसानों को सीधे सब्सिडी देना भी संभव होगा। सभी तीन स्रोतों से मांग में कमी के कारण सब्सिडी में भारी बचत होगी। इसके परोक्ष लाभ भी होंगे। भारत उर्वरकों का प्रमुख आयातक है, अत: उसके आयात में कमी से अंतरराष्ट्रीय कीमतें गिरेंगी तथा आयात का खर्च घटेगा।

इसके परिणामस्वरूप प्रति टन सब्सिडी में भी कमी आएगी। डीबीटी से राजकोषीय दृढ़ता आएगी, व्यापार घाटा कम होगा, उर्वरक प्रयोग में असंतुलन दूर होगा, मृदा स्वास्थ्य सुधरेगा तथा टिकाऊ व पर्यावरण हितैषी कृषि को लाभ होगा। इससे अक्षम निर्माताओं को अपनी दूकानें बंद करनी पड़ेंगी, बेईमान व्यापारी तथा भ्रष्ट राजनेता व नौकरशाह प्रभावित होंगे जो उर्वरकों की चोरी से भारी कमाई करते हैं। इससे अमीर किसान भी प्रभावित होंगे जो वर्तमान योजना का सर्वाधिक लाभ उठाते हैं। उर्वरक सप्लाई पर डीबीटी 2012-13 से ही सरकार के राडार पर है। लेकिन आज तक कुछ लाबियां इसमें गतिरोध पैदा करती रही हैं। क्या प्रधानमंत्री इन लाबियों का विरोध तोड़ने में सफल होंगे?

जनजातीय समुदाय व उनके धर्म

"यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है।"

वीके बहुगुणा
(लेखक संसाधन प्रबंध एवं पर्यावरण केंद्र के अध्यक्ष हैं)

आइए हम समाजशास्त्रियों और अन्य लोगों द्वारा कुछ लोगों को आदिवासी के रूप में नामित करने के सिद्धांत की जांच करें। ईसाई धर्म के प्रभाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से आदिवासियों को स्वदेशी घोषित करने की कोशिश कर रहा है। महान भारतीय सभ्यता के संदर्भ में 'स्वदेशी' का अर्थ, जो घने जंगलों में सिलवन परिवेश में रहने वाले महान संतों के साथ विकसित हुआ, सत्य का उपहास है। आदिवासियों को स्वदेशी कहना या यूं कहें कि उन्हें आदिवासी कहना प्राचीन भारतीय संस्कृति का अपमान है। क्योंकि, आदिवासी परंपराओं का भाषा, संगीत, कला, पेंटिंग, चिकित्सा और निश्चित रूप से प्रकृति की अपने विभिन्न रूपों की पूजा का महान इतिहास है, जिसने सनातन धर्म और परंपराओं को समृद्ध किया। वास्तव में, सभी भारतीय कभी न कभी किसी न किसी जनजाति का हिस्सा रहे होंगे और यह एकतरफा आधुनिक विकास है जो अब आदिवासी और गैर-आदिवासी लोगों के बीच अंतर करता है। दुर्भाग्य से हमारा संविधान भी आदिवासी और गैर-आदिवासी शब्दाडंबर में फंसा हुआ है। यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है जो धर्मांतरण में विश्वास करते हैं।

सनातन धर्म जिसे अब हिंदू धर्म के रूप में जाना जाता है, में आदिवासी पूजा के सभी तत्व हैं। आदिवासी क्षेत्रों में अधिकांश देवत्व पर प्रकृति पूजा का प्रभुत्व है और हिंदू धर्म के कई सिद्धांत और उत्सव उनसे लिए गए हैं। कुछ राजनेताओं द्वारा यह तर्क कि आदिवासी लोगों का कभी संगठित धर्म नहीं था,

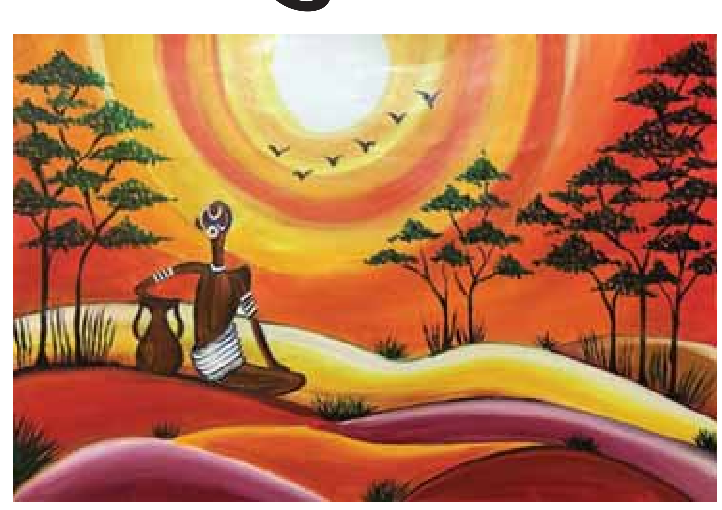

अगर हम देश के इतिहास को देखें तो इसमें कोई दम नहीं है। पहली संगठित जनगणना 1871 में हुई थी - पहली समकालिक जनगणना 1881 में हुई थी - जिसमें 95 प्रतिशत आदिवासी लोगों ने हिंदू धर्म के रूप में अपने धर्म में प्रवेश किया है। उत्तर-पूर्व के केवल दो प्रतिशत लोगों ने जनगणना के दौरान व्याख्यात्मक पूर्वाग्रह के कारण आदिवासी धर्म घोषित किया। 1891 में केवल तीन प्रतिशत को आदिवासी धर्म और बाकी को हिंदू के रूप में दिखाया गया था।

1891 की जनगणना में ईसाई धर्म के संप्रदायों की जानकारी भी एकत्र की गई थी। 1951 में आजादी के बाद पहली जनगणना में 97-98 प्रतिशत आदिवासियों ने हिंदू धर्म को अपना धर्म दिखाया था। कई दशकों बाद जब ईसाई मिशनरियों ने मध्य और पूर्वी भारत में आदिवासियों को धर्मांतरित करना शुरू किया तो प्रकृति पूजा को व्यवस्थित रूप से हिंदू धर्म से अलग करने की मांग की गई। त्रिपुरा में त्रिपुरी, जमातिया और अन्य जनजातियाँ शिव की पूजा करती रही हैं जैसा कि रॉक नक्काशियों में दर्शाया गया है। इसी तरह, देवत्व की सरना पद्धति प्रकृति और आत्माओं की पूजा पर केंद्रित है और सभी प्राकृतिक वस्तुओं को पवित्र मानती है।

इस विश्वास प्रणाली का पालन झारखंड और पड़ोसी राज्यों में कई आदिवासी समूहों द्वारा किया जाता है, और यह पूरी तरह से उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में परिलक्षित होता है। स्वतंत्रता के बाद की जनगणना में धर्म के लिए 'अन्य' वर्ग ने यह भ्रम पैदा किया था क्योंकि जनगणना कर्मचारी इस तरह के आदिवासी विश्वासों को 'अन्य' के रूप में आरोपित कर रहे थे।

आदिवासी बेल्ट में वर्चस्व के लिए कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा ईसाई मिशनरियों और नक्सलियों द्वारा सनातन धर्म के बड़े हिस्से से आदिवासी आबादी को अलग करने के लिए एक सुनियोजित प्रचार शुरू किया गया है। इस लेखक ने फरवरी 2021 के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के एक आदिवासी क्षेत्र का दौरा किया है। मेले के एक कोने में, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाला एक व्यक्ति हिंदू धर्म का उपहास करने वाली किताबें बेच रहा था और एक किताब की सिफारिश कर रहा था, 'आदिवासी हिंदू नहीं हैं।' आदिवासी बेल्ट में ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए मुझे आयोजक, एक विदेशी वित्त पोषित एनजीओ को चेतावनी देनी पड़ी।

आज का मुद्दा आदिवासी लोगों की धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक जीवन में दखल देने का नहीं है। उन्हें सर्वोत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका प्रदान करके उन्हें मुख्यधारा में लाने और उनकी कला, भाषा, संस्कृति और संगीत को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

आप की बात

सारे जहां से अच्छा

गणतंत्र दिवस हममें राष्ट्र के प्रति प्रेम और स्वाभिमान की भावना जगाता है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि गणतांत्रिक व्यवस्था में बेहतर गण से ही बेहतर तंत्र का निर्माण होता है। आज यह बहुत जरूरी है कि भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र के विभिन्न घटकों के बीच परस्पर एकता, प्रेम और भाईचारे की भावना दृढ़ हो। भारत का लोकतंत्र चुस्त दुरुस्त है किंतु आज आवश्यकता है कि राष्ट्रीय एकीकरण के साथ हम आगे बढ़ें। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ आगे बढ़ी यह विकास यात्रा आज सबका प्रयास के पड़ाव तक पहुंची है, तो इसके पीछे जनता का अपने नेतृत्व पर कायम अपार भरोसा ही कारण है। जनमानस का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है। सीमा पर देश की रक्षा के लिए गोली खाना ही देशभक्ति नहीं हैं, बल्कि अपने दिन प्रतिदिन के काम को ईमानदारी से करना और सामाजिक मर्यादाओं व वैधानिक निर्देशों का पालन करना भी समान रूप से देशभक्ति का परिचायक है। यह सत्य है कि विगत वर्षों में हमने बहुत कुछ कर दिखाया, पर हमें सोने की तरह तपकर आगे बढ़ना होगा, तभी हम कह सकेंगे, 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।'

– **नितेश मंडवारिया**, वाराणसी

सफलता का कोई शार्टकट नहीं

कहा जाता है सफलता के लिए कभी शॉर्टकट का रास्ता नहीं चुनना चाहिए। खासकर के राजनीति में भाड़े के लोगों के सहारे आप चार मंजिला ईमारत खड़ा करोगे तो उसकी नींव हमेशा कमजोर रहेगी। जैसे इस समय बंगाल में बीजेपी का हो रहा है। जिस पार्टी को 2016 के विधान सभा में महज 10 फीसदी मत मिले थे, वो 2019 के आते आते 40 फीसद को पार कर जाती है। मगर इनका गुरु इससे इतना बढ़ गया की ये पार्टी खुदको को खुदा समाज बैठी। दावा करने लगी के 2021 का विधान सभा में 2 सौ से ऊपर सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाएगी। मगर आज का हालत है की, प्रदेश में, पार्टी अपना अस्तित्व को बचाने को जूझ रही है। इसी रविवार को जमीन से जुड़े दो नेताओं रितेश तिवारी एवं जयप्रकाश मजूमदार को कारण बताओं नोटिस दिया जाता है। बिना किसी उत्तर मिले ही चौबीस घंटों के अंदर दोनों को पार्टी से निलंबित कर दिया जाता है। कमाल तो देखिये पार्टी इसी तरह के मुखर रुख अख्तियार करने के बावजूद तथागत रॉय एवं रूपा गांगुली जैसों पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही तक नहीं करती। इस स्थिति के बाद दो बंगाली कलाकारों बोनी सेनगुप्ता एवं शोहेल दत्ता ने बीजेपी को अलविदा कह दिया।

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सम्मान ही सच्ची श्रद्धांजलि

वाकई यह दुख का ही विषय है कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले सेनानियों पिछले सात दशकों से भुला दिया गया था। मान सम्मान और सुख सुविधाएं मिलना तो दूर की बात उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पाइ और नतीजन वे दर दर की ठोकरें खाते रहे। इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा लगाने की घोषणा किए जाने के बाद ऐसे ही सेनानियों की खोज अवश्य ही करना चाहिए जिन्होंने गुमनामी में रहकर अंग्रेजों से लोहा लिया और स्वतंत्रता आंदोलन में जान फूंकी। आजादी हमें यूं ही नहीं मिल गई थी। कई मां के सपूत और उनके शौहर शहीद हुए हैं तब जाकर हम आज आजादी की सांस ले पा रहे हैं। जब तक राष्ट्र पर मर मिटने वाले ऐसे वीर बलिदानियों की शहादत को नई पीढ़ी के सामने नहीं लाया जाएगा तब तक स्वतंत्रता का स्वाद फीका ही रहेगा। स्वतंत्रता सेनानियों की सार्वजनिक स्थलों पर मूर्तियां लगाने से लोगों विशेषकर युवाओं में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा जगेगी और यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

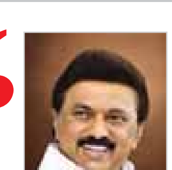

संशोधन प्रस्ताव हमारी संघीय राजनीति और राज्य की स्वायत्तता की जड़ पर प्रहार करता है।

– **एम के स्टालिन**
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

कोविड से सबसे ज्यादा नुकसान दिल्ली वालों को हुआ है। हम नहीं चाहते कि आपकी रोजी-रोटी प्रभावित हो लेकिन आपका स्वास्थ्य जरूरी है।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

एक बात मुझे परेशान करती है धार्मिक और सांस्कृतिक विभाजन ने मजबूत स्थान बना लिया है।

– **डॉ अनिता बोस**
नेताजी बोस की पुत्री

पायनियर
उत्तर प्रदेश चुनाव
चौपाल

कई दिग्गजों की कमी खलेगी चुनावी रण में

कल्याण सिंह

अजित सिंह

अमर सिंह

लालजी टंडन

बेनी प्रसााद वर्मा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कल्याण सिंह, अजीत सिंह और अमर सिंह, बेनी प्रसाद वर्मा, लालजी टंडन ऐसे नाम हैं जो कभी भूलाए नहीं जा सकेंगे। ये नेता राजनीति में बड़ा परिवतर्न लाए और माहौल को अपने पक्ष में बदलने के लिए ये नेता हमेशा याद किए जाएंगे। मौजूदा चुनावी रण में इन नेताओं की कमी खलेगी तो जरूर लेकिन आज भी जनता ऐसे नेताओं को राजनीति में किसी नए चेहरे में तलाश करती है।

कल्याण सिंह को पिछड़ों और भगवा राजानीति के लिए तो अजीत सिंह को किसानों की राजनीति के लिए जाना जाता है जबकि अमर सिंह राजनीति में डेमेज कंट्रोल के मास्टर माने जाते थे। उनकी पकड़ हर दल में थी। इन नेताओं के सार्वजनिक बयानों का काफी गहरा असर प्रदेश की राजनीति में दिखाई पड़ता रहा है। यह सभी दिग्गज चुनावी लड़ाई में अपनी पार्टी और उम्मीदवारों के पक्ष में मतदाताओं के बीच लहर पैदा करने के लिए जाने जाते थे। इनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी इनकी हर गतिविधि पर बारीक नजर रखते थे। इस बार के चुनावों में इनके न होने की कमी यूपी के मतदाताओं को जरूर खलेगी हालांकि इन नेताओं की अगली पीढ़ी उनकी अनुपस्थिति में खुद को साबित करने के लिए सक्रिय दिख रही है।

हिन्दुत्व व पिछड़ों की राजनीति के धुरी माने जाते थे कल्याण

बात सबसे पहले यूपी के पूर्व सीएम स्वर्गीय कल्याण सिंह की करें तो इनकी गिनती कट्टर हिन्दुत्व के साथ-साथ कुशल शासक के रूप में होती है। यूपी की राजनीति में पिछड़ों को आगे लाने का काम कल्याण सिंह उर्फ बाबू जी ने किया। इनके मुख्यमंत्रित्वकाल का जिक्र राजनीति के बड़े चेहरे आज भी संसद से लेकर विधान सभा में करते हैं। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार विधान सभा में कल्याण सिंह के शासनकाल का बड़ी गर्व के साथ जिक्र किया और प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मसला रहा हो या अपने किसी निर्णय पर टिके रहने की बात हो तो उसमें कल्याण सिंह जैसा उदाहरण बहुत कम ही मिलता है। बीजेपी के हिंदुत्व के चेहरे कल्याण सिंह ने उप्र अपनी पार्टी के लिए गैर यादव पिछ्ड़ी जातियों को एकजुट किया। इनका निधन 21 अगस्त 2021 को हो गया था। पश्चिमी उप्र में उनकी मजबूत पकड़ और स्वीकारोक्ति रही और इसी का परिणाम रहा कि 2017 के विधान सभा चुनाव में अलीगढ़ जिले की उनकी परंपरागत अतरौली सीट से उनके पौत्र संदीप सिंह ने जीत दर्ज की और योगी कैबिनेट के सदस्य बनें। कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह एटा से भाजपा के सांसद हैं और विधान सभा चुनाव में पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार कर रहे हैं।

अटल बिहारी के करीबी थे लालजी टंडन

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी और लखनऊ में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा माने जाने वाले बिहार और मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और उप्र सरकार के पूर्व मंत्री लालजी टंडन की भी कमी इस चुनाव में महसूस की जायेगी। उनका निधन 21 जुलाई 2020 को हो गया। लालजी टंडन के जीवित रहते उनके पुत्र आशुतोष टंडन राजनीति में सक्रिय हुए और 2017 में योगी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में मंत्री भी बने लेकिन इस बार पिता की अनुपस्थित में वह संगठन के लिए मजबूती से काम कर रहे हैं। लालजी टंडन लखनऊ में कई सीटों पर अपनी पकड़ के लिए जाने जाते थे और अटल के उत्तराधिकारी के रूप में वह लखनऊ लोकसभा संसदीय क्षेत्र का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नगर विकास मंत्री रहते हुए उन्होंने लखनऊ का काफी विकास किया था जिसे आज भी याद किया जाता है।

पश्चिम यूपी में जाट व किसान राजनीति में याद किए जाते हैं छोटे चौधरी

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की राजनीति विरासत संभालने वाले चौधरी अजित सिंह का राजनीतिक समीकरण इस बार के विधान सभा में चुनाव में नही दिखाई पड़ेगा। अजित सिंह का निधन 6 मई 2021 में कोविड के कारण गुरूग्राम में हो गया था। अजित सिंह वीपी सिंह, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे और बागपत से सांसद भी रहे। वह पहली बार 1986 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। 1987 में उन्हें लोकदल का अध्यक्ष बनाया गया था। 1989 के लोकसभा चुनाव में पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद अजित सिंह 1991, 1996, 1999, 2004 तथा 2009 में सांसद चुने गए थे। अजित सिंह ने भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा के साथ गठबंधन किया और यूपी में चुनाव लड़ा हालांकि उन्हें 2012 से लेकर 2017 के बीच लोकसभा और विधान सभा के चुनाव में कई प्रयोग किए लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। अब चरण सिंह के पौत्र और अजित सिंह के पुत्र जयंत चौधरी ने अपने बाबा और पिता की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए इस बार फिर सपा के साथ गठबंधन किया है। अजित सिंह को जाट वोट बैंक और पश्चिमी यूपी पर उनकी पकड़ को यूपी की राजनीति में याद किया जाता है।

मुलायम-बेनी बाबू का साथ याद करता है उत्तर प्रदेश

यूपी में बेनी प्रसााद वर्मा को कुर्मी बिरादरी के नेता के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय मंत्री भी रहे। सपा से दूरियां होने पर वह कभी कांग्रेस के साथ भी रहे। बेनी प्रसाद वर्मा सबसे पहले वर्ष 1974 में दरियाबाद क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। पहली बार 1996 में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से लोकसभा का चुनाव जीतकर बेनी प्रसाद वर्मा केंद्रीय मंत्री बने। कई साल तक यूपी की सपा सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे। देवेगौड़ा सरकार के दौरान उन्होंने वर्ष 1996 से 1998 तक केंद्र में संचार मंत्री का पद संभाला। 1998, 1999, 2004 में कैसरगंज और 2009 में गोंडा से सांसद चुने गए जबकि यूपीए सरकार के दौरान 12 जुलाई 2011 को इस्पात मंत्री भी बनाए गए। 2014 मे लोकसभा चुनाव में हारने के बाद बेनी वर्मा कांग्रेस में हाशिए पर आ गए थे। बेनी बाबू और मुलायम सिंह का साथ हमेशा याद किया जाएगा। मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाने वाले बेनी प्रसाद वर्मा उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा चेहरा थे। उनकी गिनती सपा के उन नेताओं में होती है जिन्होंने पार्टी की बुनियाद रखी थी। समाजपार्टी पार्टी में रहते हुए एक बार ऐसे हालात भी बन गए थे जब बेनी प्रसाद वर्मा को समाजपार्टी पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बेनी बाबू का 27 मार्च 2020 में उनका निधन हो गया। कुर्मी बिरादरी के सबसे मजबूत नेता माने जाने वाले बेनी वर्मा इस बार चुनावी परिदृश्य में नहीं दिखेंगे।

राजनीति से लेकर बालीवुड तक में पकड़ रखने वाले अमर सिंह याद आएंगे

एक समय पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव के दाहिने हाथ माने जाने वाले, यूपी के कद्दावर नेता अमर सिंह की कमी इस चुनाव में काफी खलेगी। सांसद अमर सिंह का एक अगस्त 2020 को सिंगापुर के एक अस्पताल में निधन हो गया था। लंबे समय से बीमार रहने के कारण अमर सिंह पिछले लोकसभा के चुनाव सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाए थे।

अमर सिंह अगर स्वस्थ्य होकर आज राजनीति में होते तो यह चुनाव काफी रोचक होता। उप्र की राजनीति में अमर सिंह अपने अपने शायराना अंदाज से एक अलग ही पहचान रखते थे। उद्योगपति से राजनेता बने, अमर सिंह समाजवादी पार्टी के महासचिव भी रहे। नवंबर 1996 में वे सपा के समर्थन से पहली बार राज्य सभा के सदस्य चुने गए। 2002 और 2008 में भी राज्य सभा के लिए चुने गए।

छह जनवरी 2010 को उन्होंने सपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। 2016 में उनकी सपा में वापसी हुई और एक बार फिर राज्य सभा सदस्य के रूप में संसद पहुंचे। राजनीति से लेकर बॉलीवुड के गलियारों में अमर सिंह का दबदबा था। संजय दत्त और जया प्रदा को सपा में लाने का श्रेय अमर सिंह को ही जाता है।

लुभावने वादों को अपनी बैसाखी बना रही समाजवादी पार्टी

शिव विजय सिंह। लखनऊ

दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में काफी बुरी तरह शिकस्त खाने के बाद समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव 2022 में धमाकेदार तरीके से प्रवेश कर चकी है। विधानसभा चुनाव की रणभूमि में उतरते ही समाजवादी पार्टी ने सत्तारूढ़ भाजपा खेमे में सेंधमारी करते हुए उसे जबरदस्त झटका दिया तो वहीं भाजपा ने भी इनसे दो हाथ आगे बढ़ कर सीधा समाजवादी कुनबे में ही हमला बोलकर उनकी बहू को ही ले उड़े। इसके बाद समाजवादी पार्टी थोड़ा बैकफुट पर जरूर आई लेकिन सपा की मुफ्त बिजली, पुरानी पेंशन लागू करने एवं आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को रोजगार देने की घोषणा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ने लगी है। सपा की इन घोषणाओं को सत्तारूढ़ भाजपा ने हवा-हवाई बता कर बचने की कोशिश जरूर की है लेकिन मुफ्त बिजली व पुरानी पेंशन को लागू करने कि सपा की घोषणा भाजपा के लिए परेशानी खड़ा कर सकती है। प्रदेश में लगातार तीन चुनाव 2014 का लोकसभा,2017 का विधानसभा व 2019 का लोकसभा हार चुकी समाजवादी पार्टी के अस्तित्व के लिए यह विधानसभा चुनाव काफी मायने रखता है। ऐसे में समाजवादी पार्टी इस बार नई रणनीति और जबरदस्त तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। नई हवा है,नई सपा है के नारे के साथ समाजवादी पार्टी ने अपना मूल चरित्र बदलने की कोशिश भी की है लेकिन सही मायने में अभी भी समाजवादी पार्टी को अपनी शक्ति पर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी के चलते समाजवादी पार्टी ने पूर्व चुनावों की भांति इस बार भी बड़े दलों को न सही छोटे दलों को ही साथ में रखा है। इस विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने मूल मतदाताओं मुस्लिम व यादवों के साथ ही अन्य मतदाताओं को भी जोड़ने का प्रयास किया है । चुनाव में ब्राह्मणों को साधने की कोशिश में प्रमुख ब्राह्मण नेताओं की एक टीम बनाकर उतारा है। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन कर महत्वपूर्ण जातीय समीकरणों को साधा था। उसी तर्ज पर समाजवादी पार्टी ने 2022 के लिए छोटे दलों को साथ लिया है। सपा ने जहां पूर्वी प्रदेश को साधने के लिए सुहेलदेव समाज पार्टी से गठबंधन किया है वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए राष्ट्रीय लोकदल का सहारा लिया है। वोटों का बिखराव न हो इसलिए अखिलेश ने अपने चाचा शिवपाल यादव की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी से भी गठबंधन कर लिया है। महान दल,जनवादी पार्टी और अपना दल कमेरावादी जैसी छोटी पार्टियों को भी इस चुनाव में सपा ने साथ लिया है। कुल मिलाकर विधानसभा 2022 का चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए अपने अस्तित्व को सुरक्षित करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी को पता है कि यदि 2022 का चुनाव उसके हाथ से गया तो उसे काफी बड़ा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई वह शायद न कर पाए। शायद इसी बात को गंभीरता से लेते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस चुनाव में जनता के सामने लुभावने वादों की झड़ी लगाई जा रहे हैं जो किसी भी सरकार के लिए लोहे के चने चबाने के समान है।

सपा के गढ़ में क्या कमल खिला पाएंगे असीम?

● पूर्व आईपीएस अधिकारी ने अभी हाल ही में उठाया है भगवा झंडा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कन्नौज सुरक्षित विधान सभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। इस सीट पर एक बार कांग्रेस और तीन चुनाव में भाजपा विजयी रही है लेकिन लंबे समय तक सपा का ही कब्जा रहा है। 2002 से पहले के तीन चुनाव में यहां की सीट पर लगातार कमल खिला जबकि 2002 से 2017 तक यह सीट सपा के कब्जे में है। इस बार भी सपा के मौजूदा विधायक अनिल कुमार दोहरे फिर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अब इस विधान सभा चुनाव में बीजेपी ने आईपीएस सेवा वीआरएस लेकर आए असीम अरुण को अपना उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने आठ जनवरी को ही यूपी पुलिस में कानपुर के पुलिस कमिश्नर रहते हुए वीआरएस लेने की सोशल मीडिया पर घोषणा की थी। इससे पहले उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। साथ ही उन्होंने डीजीपी मुकुल गोयल को वीआरएस के लिए अर्जी दे दी थी। असीम अरुणा का शुरू से ही कन्नौज सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था। असीम के पिता श्रीराम अरूण भी आईपीएस अधिकारी थे। कन्नौज सुरक्षित विधानसभा सीट यूपी के कन्नौज जिले में आती है। 2017 में कन्नौज सुरक्षित में कुल 40.17 प्रतिशत वोट पड़े। 2017 में सपा से अनिल कुमार दोहरे ने बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे को 2454 वोटों के अंतर से हराया था। बसपा के अनुराग सिंह तीसरे स्थान पर थे। अब अगर कन्नौज विधान सीट के इतिहास पर गौर करें तो 1985 में इस सीट पर पहली बार कांग्रेस से बिहारी लाल दोहरे चुनाव जीते थे जबकि भाजपा के झाम लाल अहिरवार दूसरे स्थान पर थे। बिहारी ने झाम लाल को 8998 मतों के अंतर से हराया था। 1989 में इस सीट पर जनता दल से कल्याण सिंह दोहरे चुनाव जीते जबकि कांग्रेस के बनवारी लाल दोहरे दूसरे स्थान पर रहे। 1991 में पहली बार इस सीट पर कमल खिला और बीजेपी के उम्मीदवार बनवारी लाल दोहरे ने जेडी से कल्याण सिंह को मात्र 47 वोटों से हराया था। 1993 के चुनाव में बीजेपी ने फिर जीत हासिल की और बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे ने सपा के अनिल कुमार दोहरे को हराया। बनवारी लाल को मिले 50130 वोट मिले जबकि अनिल दोहरे को 38769 मत मिले थे। अनिल दोहरे का यह पहला चुनाव था। 1996 के चुनाव में बीजेपी ने फिर इस सीट से चुनाव जीता और बीजेपी के बनवारी लाल ने सपा के कल्याण सिंह दोहरे को हरा दिया। 2002 के विधान सभा चुनाव में सपा को पहली बार इस सीट पर विजय हासिल हुई।

धुकधुकी तेज करेंगी 47 सीटें

कमल दुबे। लखनऊ

● राज्य की ऐसी 47 सीटें हैं जिन पर पिछले चुनाव में उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी

विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक दलों की धुकधुकी को तेज करेगीं राज्य की ऐसी 47 सीटें, जिन पर उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थी जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। करीब 10 फीसदी सीटें ऐसी हैं जहां हार जीत का अंतर 5000 से भी कम वोटों से रहा था। इस बार के चुनाव में माना जा रहा है कि इन सीटों पर हार-जीत की चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी।

चुनाव में कई सीटें तो ऐसी होती है जिन पर विभिन्न राजरनीतिक दलों का अपना वचर्श्व रहा है और पार्टियों के नेता लम्बे अन्तर से जीतते रहे है लेकिन कम अन्तर से हारजीत वाली सीटों पर चुनाव का कोई फैसला काफी कठिन होता है। ऐसी सीटों के बारे में कभी भी कुछ दावे के साथ अनुमान नहीं लगाया जा सकता। वोटरों के थोड़ा इधर-उधर होने पर भी इन सीटों के परिणाम बदल सकते हैं। यूपी में 2017 के विधानसभा चुनाव में 47 सीटें ऐसी थीं जिसमें उम्मीदवारों को 5000 से भी कम वोटों से जीत मिली थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थीं जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। ये सारी सीटें ऐसी हैं जिसकी चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी। मतलब थोड़ा सा भी स्विंग किसी पार्टी का खेल बना और बिगाड़ सकता है। भाजपा ने पिछली बार 403 सीटों में से 312 पर फतह हासिल की थी तो कम अन्तर से जीत वाली सीटों में भी उसका हिस्सा बड़ा रहा है। लेकिन सिर्फ 47 सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी भी अपनी सीटों के मुकाबले कम अंतर से जीतने वाली सीटों में ज्यादा पीछे नहीं है।

अगर आंकड़ों की बात करे तो पिछले चुनाव में यूपी में लगभग हर 10 वीं विधानसभा सीट पर हार और जीत का अंतर बहुत ही कम वोटों से हुआ था। राज्य में इन 47 सीटों में से भाजपा को 23 सीटें मिली थीं लेकिन वह इनमें से 15 सीटों पर दूसरे नंबर पर भी रही थी। समाजवादी पार्टी के खाते में इनमें से 13 सीटें गई थीं जबकि महज 19 सीटें जीतने वाली बहुजन समाज पार्टी के खाते में 8 सीट इन्हीं कम मार्जिन वाले क्षेत्रों में थी। बाकी कांग्रेस, आरएलडी और अपना दल सोनेलाल भी एक-एक सीट 5000 से भी कम अंतर से जीत पाई थी। डुमरियागंज सीट सिर्फ171 वोटों से जीती थी भाजपा। वर्ष 2017 में मतदाताओं ने जिन 8 सीटों पर 1000 से भी कम वोटों से हार-जीत का फैसला किया था, उनमें से 5 पर भाजपा विजयी रही थी। ये सीटें हैं- डुमरियागंज, मीरापुर, श्रावस्ती, मोहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित और रामपुर मनिहारान। बसपा मांट और मुबारकपुर में एक हजार से भी कम वोटों से जीती थी जबकि समाजवादी पार्टी को मोहनलालगंज में एक हजार से भी कम वोटों से जीत मिली थी।

डुमरियागंज के वोटरों ने प्रदेश में सबसे कम मतों के अंतर से फैसला किया था और भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह ने यहां बसपा की सईदा खातून को महज 171 वोटों से हराया था। मीरापुर सीट पर भाजपा के उम्मीदवार अवतार सिंह भड़ाना ने सपा के लियाकत अली को सिर्फ 193 वोटों के अंतर से हराया था। भड़ाना भाजपा छोड़कर जयंत चौधरी के आरएलडी में जा चुके हैं। जिन 9 सीटों पर 1000 से 2000 वोटों के अंतर से फैसला हुआ था, वे हैं दुद्धी, भदोही, पट्टी, मटेरा, बांसडीह, टांडा, मोहम्मदाबाद, ऊंचाहार और भरथना जबकि 10 सीटों पर हार और जीत का फैसला 2000 से 3000 वोटों का रहा था। ये सीटें हैं. नजीबाबाद, लालगंज, गैंसड़ी, कांठ, फरेंदा, बादलपुर, कन्नौज, अतरौलिया, सिधौली और प्रतापपुर। वहीं मुरादाबाद नगर, जंगीपुर, धौरहरा, चिल्लूपार, आंवला, धौलाना, दीदारगंज, हरचंदपुर, माहोली, पटियाली, छपरौली और बिधूना में 3000 से 4000 वोटों के अंतर से परिणाम आया था। इसके अलावा 8 सीटों पर वोटरों ने 4000 से 5000 मतों के अंतर से अपना फैसला सुनाया था। ये विधानसभा क्षेत्र हैं नकुड़, मंझनपुर, मछलीशहर, इसौली, सहसवान, गोरखपुर ग्रामीण और सहारनपुर नगर।

बैलगाड़ी से शुरू हुआ सफर डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म तक पहुंचा

सतीश सिंह। लखनऊ

देश में कोरे कागज से शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म पर आ गई है। समय के हिसाब से प्रचार के तौर तरीके तकनीक के हिसाब से काफी बदल गए हैं। आज के दौर में सबसे अधिक प्रभावी माने जाने वाली सोशल मीडिया ने देश में चुनाव प्रचार को एक नया रंग दे दिया है। चाहे बात चुनाव प्रचार की हो या विरोधियों पर निशाना साधना हो, इस माध्यम के जरिए चुनावी माहौल में नेता हर तरह का हथियार मजबूती से चला रहे हैं। एक दौर था जब देश मे प्रचार के अलग मायने हुआ करते थे। नई पीढ़ी भले ही इससे महरूम हो पर पुरानी पीढ़ी आज भी उसे याद करती है। जीवन के सात दशक पर कर चुके रामहरि सिंह बताते हैं कि पहले प्रत्याशी बैलगाड़ी से चुनाव प्रचार को निकलते थे। चुनाव प्रचार के दौरान जहां रात हो जाती थी। उसी गांव में रुक जाते थे। झंडे.बैनर देख अंदाजा लगा लेते थे कौन जितेगा। चुनावों में पार्टी और प्रत्याशी के हैंडबिल जनसंपर्क से पहले घर-घर पहुंचाए जाते थे। इसके बाद जीप के जरिये लाउडस्पीकर लगाकर प्रचार होने लगा। गांव में गाड़ियों के घुसते ही बच्चे बिल्ला, स्टीकर, झंडे के लिए पीछे-पीछे दौड़ते थे। किसी बड़े नेता की जब रैली होती थी तो 15 दिन पहले से गांव-गांव प्रचार होने लगता था ताकि लोग सुनने आ सकें। अब तो पता ही नहीं चलता कि एक दिन में कितनी रैली हो गई। पहले स्टेंसिल व वाल पेंटिंग हुआ करती थी। जिससे लोगों को पता चलता था कि कौन लड़ रहा है। इसके बाद स्क्रीन प्रिंटिंग से तैयार होने वाले बैनरों की जगह फ्लैक्स ने ले ली। ये फ्लैक्स ज्यादा मजबूत चमकीले और आकर्षित करते थे। कई दिन मतगणना होती थी। अब तो दोघण्टे के अंदर ही रिजल्ट आ रहा है।

सोशल साइट्स से लेकर वॉयस मैसेज पर जोरः-

कोरोना के चलते इस बार चुनाव प्रचार के तरीके काफी बदल गए हैं। वैसे सोशल साइट्स का इस्तेमाल भाजपा ने वर्ष 2014 के चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा किया था। चुनाव प्रचार के लिए थ्रीडी तकनीक का प्रयोग भी पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी के लिए किया गया था। पर इस बार कोरोना के कारण निर्वाचन आयोग की ताकीद के चलते हर

पार्टियों ने अपने अपने हाईटेक वार रूम बना लिए हैं। फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम, कू जैसी सोशल साइट्स पर अपने इरादे जाहिर किए जा रहे हैं व विपक्षी दलों के सवालों की काट की जा रही है। इनमें भी ग्राफिक्स वार तेजी से चल रही है। हर एक पोस्ट पर नजर रखी जा रही है। कितने लाइक्स आये, कितने व्यूज आये, कितने शेयर हुए। पार्टियों की तरफ से नेताओं और पार्टी समर्थक कार्यकर्ताओं को लगातार पोस्ट शेयर करने के निर्देश दिए गए हैं। किसने क्या बोला। उसकी काट क्या है। कैसे मोर्चेबन्दी हो। इसके लिए वार रूम में क्रिएटिव कंटेंट टीम, रिसर्च टीम, कैम्पेन टीम, सर्वे, डाटा एनालिसिस टीम, मीडिया व सोशल मीडिया वॉच जैसी टीमें लगाई गई हैं। यह टीमें ऑनलाइन रैलियां कराने, शॉर्ट डाक्यूमेंट्री बनाने, गाने आदि भेजने का काम कर रही हैं। एसएमएस या रिकार्ड वायस मैसेज ज्यादा से ज्यादा लोगों तक भेज कर अपनी बात पहुंचाने के तरीके प्रयोग किये जा रहे हैं।

वार रूम से बसपा दे रही चुनाव को धारः-

एक समय में सोशल मीडिया से दूर रही बसपा अब इसके रंग में पूरी तरह डूब गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा व अन्य नेताओं के एकाउंट अलग अलग सोशल प्लेटफार्म पर मौजूद हैं। पार्टी के पास 24 घण्टे लगातार काम करने वाली टीम है। टीम के प्रयासों का ही नतीजा है कि पिछले दिनों सोशल साइट्स पर बसपा ट्रेंड नजर आई। इसके अलावा प्रत्येक जिले में प्रत्येक प्रत्याशी ने अपने डिजिटल वार रूम बनवाए हैं। इनमें चार से पांच लोगों की टीम कार्य कर रही है। यह टीम व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लगातार लोगों को जोड़ रही हैं। इसके अलावा कौन कोआर्डिनेटर कहां पर है इस पर भी डिजिटल वार रूम से नजर रखी जा रही है। टीमों को ग्राउंड रिपोर्ट इसी के जरिए भेजी जाती है। बसपा के डिजिटल वार रूम में सबसे ज्यादा प्रयोग ग्राफिक्स का किया जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि बसपा सुप्रीमो खुद इस पर नजर बनाए हुए हैं।

रालोद भी डिजिटल टीम के साथ मैदान मेंः-

गठबंधन में लड़ रही राष्ट्रीय लोकदल का आईटी सेल प्रदेश कार्यालय में बना हुआ है। यहां से लगातार प्रत्याशियों पर नजर रखने के साथ ही पार्टी के संकल्प पत्र के छोटे छोटे कंटेंट शेयर किए जा रहे हैं। वही प्रत्याशियों ने भी अपने अपने हिसाब से सोशल एक्सपर्ट की टीम को रखा हुआ है। जो स्थानीय मुद्दों के साथ ही अपने इरादे जनता के बीच सोशल साइट्स और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से साझा कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हर आदमी हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर: आंकड़ों के मुताबिक भारत में औसतन हर नागरिक हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। भारत में कुल 56 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर हैं। इनमें युवाओं की तादाद सबसे ज्यादा है। सोशल मीडिया से इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या रोज बढ़ती ही जा रही है।

यह भी जानिए- देश में पहला चुनाव कोरे कागज से

आजादी के बाद 1952 में पहला चुनाव कोरे कागज से हुआ था। 1952 में हुए चुनाव के दौरान एक-एक या दो प्रत्याशी होते थे। प्रत्याशियों के समर्थकों को प्रत्याशियों के रंग का डिब्बा बता दिया जाता था। इन डिब्बों में प्रत्याशी के समर्थक कोरे कागज डालते थे। दूसरा विधानसभा चुनाव 1957 में हुआ था।

इस चुनाव में लकड़ी के डिब्बों पर प्रत्याशियों का नाम और चुनाव चिन्ह लिखा जाने लगा। मतदाता प्रत्याशियों के नाम और चिन्ह अंकित वाले डिब्बों में कोरे कागज डालकर ही प्रत्याशियों की तकदीर का फैसला करते थे। 1962 में निर्वाचन आयोग पूरी तरह से अस्तित्व में आ चुका था। इस चुनाव में प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिन्ह वाले बैलेट पेपर दिए जाने लगे। इन पर मोहर लगाने की शुरुआत हुई। इसके बाद तकनीक में सुधार के साथ छोटे-छोटे प्रदेशों में 2002 के चुनाव में ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया शुरू कराई गई थी।

2004 के लोकसभा चुनाव में पूरे देश में हाईटेक वोटिंग प्रक्रिया को अपनाते हुए इलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन ईवीएम का सहारा लिया गया। ईवीएम से वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव कराया गया था। इससे अभी भी चुनाव हो रहा है। अब ऑनलाइन वोटिंग की तैयारी है। फिलहाल चुनाव में इस बार बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठकर बैलेट पेपर से मतदान करने के लिए छूट दी गई है।

प. बंगाल में राजनीतिक हालात भयावह : राज्यपाल धनखड़

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में मौजूदा राजनीतिक हालात को डरावना बताते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य की जनता को स्वतंत्रता और निडरता से अपना वोट डालने की भी आजादी नहीं है। उन्होंने राज्य विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी पर भी आरोप लगाया कि वह संवैधानिक नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। धनखड़ ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विधानसभा परिसर में डॉ बी आर आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा, हमने चुनाव के बाद अभूतपूर्व स्तर की हिंसा देखी है। अपनी इच्छा से वोट डालने का साहस करने वालों को अपनी जान देकर कीमत चुकानी पड़ी। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष द्वारा नियुक्त एक तथ्यान्वेषी समिति ने कहा था कि राज्य में शासक का शासन चलता है, न कि कानून का।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हालात इतने भयावह और डरावने हैं कि यहां शासक को लेकर डर है।

धनखड़ ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी पर मांगी गई जानकारी मुहैया नहीं कराने का भी आरोप लगाया। विधानसभा अध्यक्ष ने धनखड़ के बयान को अनुचित बताया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी अनेक मौकों पर उनके सवालों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वह सोचते हैं कि उनके पास राज्यपाल के बारे में कुछ भी बोलने का अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि पहले भी कई मौकों पर विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के परिचालन क्षेत्र के विस्तार पर विधानसभा में पारित प्रस्ताव के ब्योरे समेत मांगी गई अन्य जानकारी नहीं दी। धनखड़ ने कहा कि विधानसभा में उनके अभिभाषण का प्रसारण दो बार रोका गया।

उन्होंने कहा कि क्या वह अनुच्छेद 168 के बारे में जानते हैं। राज्यपाल विधायिका में सबसे ऊपर है, विधानसभा में दूसरे स्थान पर। मैं इस तरह के अविवेकपूर्ण, असंवैधानिक कार्यों को सहन नहीं करुंगा। विधानसभा अध्यक्ष अब से राज्यपाल के अभिभाषण के प्रसारण को नहीं रोकेंगे। अगर वह ऐसा करते हैं तो उन्हें कानून का सामना करना पड़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि उनके पास किसी विधेयक या सरकार की किसी सिफारिश के संबंध में कोई फाइल लंबित नहीं है।

गणेश राय ने एसडीएफ से इस्तीफा दिया

गंगटोक। सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के असंतुष्ट नेता गणेश राय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने जल्द ही एक नया राजनीतिक दल गठित करने की घोषणा की है। एसडीएफ दक्षिण जिला समिति के उपाध्यक्ष राय के साथ ही एसडीएफ के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों, दावचो लेपचा और सोनम ग्यात्सो लेपचा ने तथा 42 अन्य लोगों ने सोमवार को यहां एसडीएफ मुख्यालय में अपने-अपने इस्तीफे सौंपें। राय ने पत्रकारों से कहा कि एसडीएफ छोड़ने का कारण राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लाना है।

उन्होंने दावा किया कि एसडीएफ नेतृत्व ने बदलते समय के साथ पार्टी में सकारात्मक बदलाव और सुधार लाने के उनके आह्वान पर प्रतिक्रिया नहीं दी और इसलिए एसडीएफ को छोड़कर नई पार्टी बनाना बेहतर है। उन्होंने कहा कि नई पार्टी के आगाज़ की तारीख जल्द बताई जाएगी।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के मुख्यालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि गणेश राय, दावचो लेपचा और सोनम ग्यात्सो लेपचा ने पार्टी आलाकमान को अपने इस्तीफे सौंप दिए हैं।

गणतंत्र दिवस 2022 समारोह की पूर्व संध्या पर बीटिंग द रिट्रीट समारोह के लिए तिरंगा लेजर लाइट शो का पूर्वाभ्यास

शिअद और बसपा गठबंधन को पंजाब चुनावों में मिलेगा बहुमत

भाषा। चंडीगढ़

● सुखबीर बादल का दावा

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को दावा किया कि अगले महीने होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ेगा, जबकि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन 80 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगा।

उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी को 10 से कम सीटें जीतेगी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहा है। दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के समझौते के

मुताबिक, बसपा पंजाब की 117 विधानसभा सीटों में से 20 पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी पर शिअद लड़ेगी। बादल ने शिअद-बसपा गठबंधन के 80 से अधिक सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा, कांग्रेस पूर्ण हार की ओर बढ़ रही है। आप दोहरे अंक को नहीं छू पाएगी। लुधियाना में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए बादल ने कहा कि शिअद-बसपा सत्ता में लौटने के लिए तैयार हैं और गुंडागर्दी का शासन, अब सिर्फ कुछ और दिनों के लिए है। उन्होंने कहा, हमारे गठबंधन की प्रचंड जीत के साथ 10 मार्च (जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे) शांति और सर्वांगीण विकास का युग फिर से शुरू होगा। बादल ने दावा किया कि शिअद एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसे पंजाब के लोगों के लिए वास्तविक चिंता है जबकि आप और कांग्रेस जैसी पार्टियों के फैसले दिल्ली में बैठे उनके पार्टी आलाकमान द्वारा लिए जाते हैं।

शिल्पा शेट्टी 15 साल पुराने अश्लीलता मामले में आरोप मुक्त

भाषा। मुंबई

मुंबई की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को लगभग 15 साल पुराने अश्लीलता मामले में आरोप मुक्त कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि शिल्पा हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे के कृत्य की पीड़ित प्रतीत होती हैं। गेरे ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शिल्पा के गालों पर चुंबन लिया था, जिसके बाद दोनों के खिलाफ अश्लीलता का मामला दर्ज हुआ था।

एम.बी. पाटिल चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता एमबी पाटिल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया है।

श्रीनगर में सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड हमला, चार घायल

भाषा। श्रीनगर

गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले, मंगलवार को यहां हरि सिंह हाई स्ट्रीट क्षेत्र में आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर एक ग्रेनेड फेंका जिससे चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल होने वालों में एक पुलिसकर्मी और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपराह्न साढ़े तीन बजे आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों के एक दल पर ग्रेनेड फेंका, जो सड़क किनारे फटा। घायलों की पहचान मोहम्मद शफी, उसकी पत्नी तनवीरा, एक अन्य महिला अस्मत और पुलिस निरीक्षक तनवीर हुसैन के रूप में की गई है।

पुलिस निरीक्षक हुसैन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में तैनात हैं। अधिकारियों ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

सिद्धू अपनी पार्टी का सर्वे करा लें: मान

भाषा। चंडीगढ़

आप नेता भगवंत मान ने पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने के लिए पार्टी की ओर से किए गए सर्वे पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू पर मंगलवार को तंज कसा और कहा कि वह अपनी पार्टी में ऐसा सर्वेक्षण करा लें।

मान ने कहा कि सिद्धू आम आदमी पार्टी के आंतरिक मामलों में दखल न दें। उन्होंने कांग्रेस नेता को पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुने जाने के लिए पार्टी की ओर से खुद का सर्वे कराने का सुझाव दिया। आप ने सर्वे में जनता से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर संगरूर से लोकसभा सांसद मान को पंजाब में अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। मान ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा,

जिसमें सिंह ने दावा किया था कि उन्हें पाकिस्तान से एक संदेश मिला था, जिसके तहत उनसे सिद्धू को सरकार में पुन: इस आधार पर शामिल करने को कहा गया था, क्योंकि वह पाक प्रधानमंत्री के पुराने मित्र हैं।

चंडीगढ़ में संवाददाताओं से बातचीत में मान ने कहा कि सिद्धू आप की जनता चुनेगी अपना सीएम सर्वे पर सवाल उठा रहे हैं जबकि, कांग्रेस पार्टी का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुने जाने के लिए उन्हें खुद का सर्वे करवाना चाहिए। सिद्धू ने सोमवार को आप के सर्वे को एक घोटाला करार देते हुए कहा था कि उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग से इसके खिलाफ शिकायत की है।

मान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सहयोगी निखिल अल्वा की ओर से पंजाब में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर किए गए एक सर्वे पर भी तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि ट्विटर पर हुए सर्वे में महज 1200 लोगों ने अपनी राय जाहिर की। इस सर्वे में 68.7 फीसदी प्रतिभागियों ने चन्नी को मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के लिए अपनी पहली पसंद बताया था। कुल 1283 प्रतिभागियों ने उनके पक्ष में वोट किया था। मान ने कहा कि पंजाब में आप ने पहली बार जनता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा चुनने के अभियान में शामिल किया। उन्होंने दावा किया कि इस सर्वे के तहत लाखों लोगों ने अपनी राय जाहिर की।

भाजपा ने स्कूली छात्रा की मौत मामले में न्याय के लिए सीबीआई जांच की मांग की

भाषा। चेन्नई

भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने मंगलवार को तंजावुर में हाल में 12वीं कक्षा की छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले की सीबीआई जांच कराने और राज्य में जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए धर्मांतरण रोधी कानून की बनाने की मांग की। पार्टी नेता और तमिलनाडु के सह प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी ने जोर दिया कि जबरन धर्मांतरण के प्रयास के इस मामले में सीबीआई जांच से ही पीड़ित लड़की के परिजनों को न्याय मिल सकता है। उनका दावा है कि जबरन धर्मांतरण की कोशिश के चलते ही छात्रा ने खुदकुशी की। तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांग को लेकर वल्लुवर कोट्टम में एक दिन का उपवास रखा और लड़की के परिवार के लिए मुआवजे की भी मांग की। अन्नामलाई ने कहा कि हम मुददे का राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं। हम लड़की के लिए न्याय चाहते हैं जिसे आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया गया। एक दिन पहले स्कूली शिक्षा मंत्री ने लोगों से छात्रा के आत्महत्या को राजनीतिकरण नहीं करने की अपील की थी।

कश्मीर में तिरंगा लेकर वर्फ पर चलते लोग

जिला प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर कोई अंसतोष नहीं : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को दावा किया कि जिला प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर उनके मंत्रिमंडल में कोई असंतोष नहीं है। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से पहले और बाद में उनसे (मंत्रियों) बात की गई थी। मुख्यमंत्री का बयान ऐसे समय आया है जब कुछ मंत्रियों को गृह जिले का प्रभार नहीं मिलने पर खुलकर नाराजगी व्यक्त करने से रोका गया है। बोम्मई ने कहा, मैंने जिला प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति करने से पहले सभी (मंत्रियों)से बात की और नियुक्ति के बाद भी चर्चा की। यह हमारी पार्टी की राष्ट्रीय नीति है कि मंत्रियों को अन्य जिलों का प्रभारी बनाया जाना चाहिए, न कि अपने जिले का।

शादी के लिए नाबालिग लड़की की तस्करी करने के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना में एक बुजुर्ग व्यक्ति से विवाह करने के लिए कथित तौर पर तस्करी करके मुंबई से लाई गई 14 वर्षीय एक किशोरी को यहां बचा लिया गया। इस मामले पीड़िता की मां समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस के एक दल ने 23 जनवरी को बालापुर में एक घर पर छापा मारा और लड़की की मां सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया। किशोरी को शादी करने के लिए खरीदने की कोशिश कर रहे बुजुर्ग को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ करने पर पता चला कि आठ लोग लड़की को 61 वर्षीय व्यक्ति को बेचने में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे थे। यह व्यक्ति तलाकशुदा था।

पार्टी ने कुछ अच्छा सोचकर ही निर्णय लिया होगा: टिकट नहीं मिलने पर ऋतु खंडूरी ने कहा

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए कुछ दावेदारों को टिकट नहीं मिलने से जहां उनके बगावती सुर सामने आ रहे हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूरी की पुत्री ऋतु खंडूरी को विधायक होते हुए भी टिकट न मिलने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कोई नाराजगी नहीं है। यमकेश्वर से मौजूदा विधायक ऋतु को इस बार के चुनाव के लिए पार्टी द्वारा उम्मीदवार नहीं बनाए जाने के बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन सर्वोपरि है और उनका मानना है कि भाजपा ने यह निर्णय कुछ अच्छा सोचकर ही लिया होगा।

केरल सरकार लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन करेगी, कांग्रेस, भाजपा ने विरोध जताया

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकायुक्त अधिनियम में संशोधन संबंधी वाम सरकार के कथित फैसले का मंगलवार को विरोध किया और कहा कि यह लोकायुक्त की शक्तियों को कमजोर करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए है। कांग्रेस ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से इस संबंध में अध्यादेश पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह किया।

दोनों विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत सरकार ऐसे समय में एक अध्यादेश ला कर लोकायुक्त की शक्तियों पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रही है जब सरकार की कई अनियमितताओं की शिकायतें उनके समक्ष लंबित हैं। मंत्रिमंडल की पिछली बैठक के दौरान अध्यादेश को कथित तौर पर मंजूरी दी गई थी, लेकिन बाद में सरकार द्वारा बैठक के संबंध में दी गई जानकारी में इसका कोई जिक्र नहीं था।

राज्यपाल से अध्यादेश को मंजूरी नहीं देने की अपील करते हुए विपक्ष के नेता वी. डी. सतीसन ने उन्हें एक पत्र भेजकर कहा कि यह कदम लोकायुक्त की शक्तियों को कम करने के लिए उठाया गया है। केरल लोकायुक्त अधिनियम, 199 की धारा 3 का उल्लेख करते हुए, सतीसन ने बताया कि एक व्यक्ति को केवल तभी लोकायुक्त के रूप में नियुक्त किया जा सकता है जब उन्होंने पहले उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया हो।

कांग्रेस नेता ने पत्र में कहा कि उच्च न्यायालय के किसी भी पूर्व न्यायाधीश को पद ग्रहण करने की अनुमति देने के लिए इस प्रावधान को कमजोर करने से राज्य के सबसे महत्वपूर्ण संस्थान का दर्जा कम हो जाएगा। उन्होंने राज्यपाल से जनहित को ध्यान में रखते हुए अध्यादेश को मंजूरी नहीं देने का अनुरोध किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला ने भी इस कथित कदम पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसे समय में जब राज्य विधानसभा का सत्र अगले महीने आयोजित किया जाना है तो किस आपात स्थिति में उन्हें अध्यादेश लाना पड़ा।

इस बीच भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के. सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि सरकार ने जल्दबाजी में फैसला लिया क्योंकि लोकायुक्त सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के कुछ बड़े घोटालों पर विचार कर रहा था। उन्होंने कहा कि यह कदम सभी संवैधानिक संस्थानों पर नियंत्रण करने के लिए वाम सरकार का नया उदाहरण है।

पंजाब में घुसपैठ कर रही है नफरत की राजनीति: सिद्धू

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने पटियाला जिले के ऐतिहासिक काली देवी मंदिर में बेअदबी की कथित कोशिश की मंगलवार को निंदा की और कहा कि पंजाब में नफरत की राजनीति घुसपैठ कर रही है। सिद्धू ने जोर दिया कि विभाजनकारी तत्व पंजाबियत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे।

कांग्रेस नेता ने ट्विटर पर लिखा कि पंजाब में डर, ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति घुसपैठ कर रही है। माता काली देवी मंदिर में बेअदबी की कोशिश निंदनीय है। विभाजनकारी तत्व पंजाबियत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को कभी नष्ट नहीं कर सकेंगे। सार्वभौमिक भाईचारा और सभी धर्मों के लिए सम्मान हमारा कवच है।

बाल विवाह के आरोप में किशोरी के माता पिता और पति पर मामला दर्ज

मलप्पुरम (**केरल**)। केरल पुलिस ने वर्ष भर पहले यहां 16 वर्षीय एक किशोरी की शादी कराने के आरोप में मंगलवार को कुछ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों में किशोरी के माता पिता और पति शामिल हैं। लड़की का वयस्क पति वंडूर का निवासी है और लड़की इस समय छह महीने की गर्भवती है। पुलिस ने कहा कि लड़की को जिला बाल कल्याण समिति के संरक्षण में भेज दिया गया है और घटना की जांच जारी है।

पाटिल कर्नाटक इकाई की चुनाव अभियान समिति के प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपनी कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता एमबी पाटिल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की चुनाव अभियान समिति का प्रमुख नियुक्त किया है।

हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली देश की पहली पार्टी है शिवसेना: संजय राउत

भाषा। मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि शिवसेना हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़ने वाली देश की पहली पार्टी है। इससे पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि शिवसेना का हिंदुत्व केवल कागजों पर है।

राउत ने मुंबई की विले पार्ले विधानसभा सीट के लिए 1980 के दशक में हुए उपचुनाव का जिक्र करते हुए संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना उम्मीदवार रमेश प्रभु हिंदुत्व के मुद्दे पर चुनाव लड़े थे।

उन्होंने कहा कि पहली बार देश में चुनावी राजनीति में हिंदुत्व शब्द का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में कांग्रेस और

भाजपा भी मैदान में थे। प्रभु ने 1987-88 में हुए उपचुनाव में विले पार्ले विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी और 1990 में हुए विधानसभा चुनाव में इस सीट पर कब्जा बरकरार रखा। राउत ने विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि इस जीत के बाद भाजपा शिवसेना के पास हिंदुत्व के मुद्दे पर गठबंधन करने के लिए आई और बाला साहेब इस पर सहमत हो गए क्योंकि वह हिंदुओं के मतों का विभाजन नहीं चाहते थे।

समकालीन भाजपा नेता इस इतिहास से अनभिज्ञ हैं। दरअसल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया था कि भाजपा सत्ता के लिए हिंदुत्व का सहारा ले रही है जिसके बाद दोनों दलों के बीच जुबानी लड़ाई छिड़ गई थी। हिंदुत्व पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की टिप्पणी के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि शिवसेना का हिंदुत्व केवल कागजों पर है और भाषणों के बाहर नजर नहीं आता।

फडणवीस ने सोमवार को कहा था, राम जन्मभूमि आंदोलन में शिवसेना की ओर से किसने भाग लिया? हमने आंदोलन में गोलियां और लाठियां खाईं। आपका (शिवसेना का) हिंदुत्व केवल कागज पर है। राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा ने प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे और मनोहर पर्रिकर जैसे अपने दिवंगत नेताओं के परिवार के सदस्यों की उपेक्षा की जिन्होंने महाराष्ट्र और गोवा में पार्टी को खड़ा करने में मदद की थी। राउत ने कहा कि शिवसेना के पार्षद और विधायक मुंबई से तब चुने गए थे जब भाजपा और देवेंद्र फडणवीस का जन्म भी नहीं हुआ था।

फडणवीस ने एक दिन पहले दावा किया था कि शिवसेना के गठन (1966) से भी पहले भाजपा का पूर्ववर्ती संगठन भारतीय जनसंघ था जिसके पार्षद बृहन्मुंबई महानगर पालिका में थे और राज्य में उसके विधायक भी थे।

भुवनेश्वर में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर एक नुक्कड़ नाटक करते समय तिरंगे में रंगे हुए अपने शरीर के साथ ध्वज धारण किए हुए स्वयंसेवक राष्ट्रीय

बाजार में पांच दिन से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 367 अंक चढ़ा, मारुति में सात प्रतिशत का लाभ

मुंबई। शेयर बाजारों में पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 367 अंक उछलकर बंद हुआ। यूरोपीय शेयर बाजारों में मजबूत रुख के बीच निवेशकों ने हाल की गिरावट के बाद बैंक, वाहन और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली की। हालांकि, कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो दिन की महत्वपूर्ण बैठक से पहले कुल मिलाकर धारणा सतर्कता वाली रही। बैठक में फेडरल रिजर्व नीतिगत दर में वृद्धि के बारे में निर्णय करने वाला है।

रूस-यूक्रेन तनाव, मुद्रास्फीति के ऊंचा बने रहने तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली अन्य जोखिम वाले कारक हैं, जिससे बाजार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ 57,000 अंक से नीचे चला गया था। लेकिन बाद में इसमें तेजी आई और अंत में यह 366.64 अंक यानी 0.64 प्रतिशत मजबूत होकर 57,858.15 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 128.85 अंक यानी 0.75 प्रतिशत लाभ के साथ 17,277.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में 6.88 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में मारुति रही। कंपनी के तिमाही परिणाम की घोषणा के बाद उसका शेयर चढ़ा। दिसंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में मारुति का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 48 प्रतिशत घटकर।,041.8 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, यह विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, पावरग्रिड और एनटीपीसी में भी 6.76 प्रतिशत तक की तेजी रही।दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में विप्रो, बजाज फिनसर्व, टाइटन, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.75 प्रतिशत तक नीचे आए।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, एक सप्ताह तक गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में निचले स्तर पर लिवाली से तेजी आई। पश्चिमी बाजारों से भी समर्थन मिला....। उन्होंने कहा, हालांकि, उतार-चढ़ाव की अभी आशंका बनी हुई है क्योंकि निवेशकों को फेडरल रिजर्व के नीतिगत बयान की प्रतीक्षा है। इससे नीतिगत दर में वृद्धि की समयसीमा स्पष्ट होगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजे पर बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में बाजार प्रतिक्रिया देगा। वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटान का आखिरी दिन होने से उतार-चढ़ाव ऊंचा बना रह सकता है। इसको देखते हुए हम निवेशकों को सतर्क रुख रखने और जोखिम से बचाव के उपाय की सलाह दोहराते हैं। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। हालांकि, यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.89 प्रतिशत मजबूत होकर 87.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 18 पैसे टूटकर 74.78 पर आ गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,751.58 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

बीपीसीएल छह नए शहर गैस लाइसेंस के तहत 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने कहा कि वह हाल में प्राप्त लाइसेंस के तहत आने वाले शहरों में गैस वितरण नेटवर्क स्थापित करने को पांच साल में 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। बीपीसीएल ने पीएनजीआरबी की 11वें दौर की बोली में छह भौगोलिक क्षेत्रों में वाहनों को सीएनजी और पाइप के जरिए खाना पकाने की रसोई गैस की आपूर्ति के लिए लाइसेंस हासिल किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, बोली के परिणाम की घोषणा के बाद बीपीसीएल सिटी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क में निवेश को प्रतिबद्ध है। कंपनी एकल आधार पर 23 भौगोलिक क्षेत्रों के विकास के लिए 22,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। छह नए भौगोलिक क्षेत्रों के लिए 10,000 करोड़ रुपए का निवेश शामिल हैं।

बीएसई सेंसेक्स जनवरी 2022 25

57,858.15

टॉप गेनर	%	टॉप लूजर	%
मारुति सुजुकी	6.88	विप्रो	-1.75
ऐक्सिस बैंक	6.76	बजाज फिनसर्व	-1.16
स्टेट बैंक	4.20	टाइटन	-0.98
इंडसइंड	3.87	इन्फोसिस	-0.85
भारती एयरटेल	3.23	टेक महिन्द्रा	-0.80

एनएसई निफ्टी जनवरी 2022 25

17,277.95

टॉप गेनर	%	टॉप लूजर	%
मारुति सुजुकी	7.42	विप्रो	-1.62
ऐक्सिस बैंक	6.52	बजाज फिनसर्व	-1.42
स्टेट बैंक	3.89	टाइटन	-1.18
इंडसइंड	3.57	अल्ट्रा टेक सीमेंट	1.05
यूपीएल	3.51	टेक महिन्द्रा	-0.87

पीटीआई ग्राफिक

ईएसआईसी योजना में नवंबर में 10.28 लाख नए सदस्य जुड़े

भाषा। नई दिल्ली

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक ईएसआईसी द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना में नवंबर 2021 में लगभग 10.28 लाख नए सदस्य शामिल हुए, जबकि इससे पिछले महीने में यह आंकड़ा 12.39 लाख था। ईएसआईसी के इन आंकड़ों से देश में औपचारिक क्षेत्र के रोजगार के बारे में अंदाज मिलता है। ताजा आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक रिपोर्ट का हिस्सा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की योजनाओं से जुड़ने वाले कुल नए कर्मचारियों की संख्या अप्रैल में 10.78 लाख, मई में 8.91 लाख, जून में 10.68 लाख, जुलाई में 13.42 लाख, अगस्त में 13.47 लाख और सितंबर 2021 में 13.57 लाख थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा कोविड संबंधी प्रतिबंधों में ढील के चलते नामांकन में तेजी आई। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार ईएसआईसी के नए खाताधारकों की कुल संख्या 2020-21 में 1.15 करोड़ थी, जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ और 2018-19 में 1.49 करोड़ था। सितंबर 2017 से मार्च 2018 तक लगभग 83.35 लाख नए खाताधारक ईएसआईसी योजना में शामिल हुए।

भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के व्यवधानों से काफी हद तक उबर गई है: पनगढ़िया

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के चलते पैदा हुए व्यवधानों से काफी हद तक उबर गई है और उम्मीद जताई कि यह सुधार जारी रहेगा तथा 7-8 प्रतिशत की वृद्धि दर फिर बहाल हो जाएगी। पनगढ़िया ने सुझाव दिया कि सरकार को अब वित्त वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे को आधा से एक प्रतिशत तक कम करने का संकेत देना चाहिए। जानेमाने अर्थशास्त्री ने पीटीआई-भाषा को एक साक्षात्कार में बताया, भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड से पहले के जीडीपी के स्तर पर लौटने के लिए काफी हद तक सुधार किया है... सिर्फ निजी खपत अभी भी अपने कोविड-19 से पहले के स्तर से नीचे है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक भारती की जीडीपी वृद्धि दर 2021-22 में 9.2 प्रतिशत रहेगी। पनगढ़िया ने कहा कि यह आंकड़ा किस भी अन्य देश की तुलना में अधिक है और पुनरुद्धार पूरे देश में हुआ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.3 प्रतिशत की गिरावट हुई थी।

पनगढ़िया ने कहा कि टीकाकरण के चलते महामारी काबू में आने से पुनरुद्धार जारी रहेगा और 7-8 प्रतिशत वृद्धि का दौर वापस आ जाएगा। पनगढ़िया, जो इस समय कोलंबिया विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं, ने कहा कि सरकार को अब राजकोषीय घाटे को कम करने पर जोर देना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर अगली पीढ़ी के लिए एक बड़ा कर्ज का बोझ तैयार हो जाएगा।

यात्रा, पर्यटन क्षेत्र में नौकरियां दिसंबर में चार प्रतिशत बढ़ीं

मुंबई। देश में महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित यात्रा और पर्यटन उद्योग अब सुधार की राह पर है और इस क्षेत्र में नौकरियां दिसंबर में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़ीं। मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक की एक रिपोर्ट के अनुसार यात्रा और पर्यटन उद्योग ने कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के बाद लगातार नई नौकरियों में बढ़ोतरी देखी है। रिपोर्ट के मुताबिक ए रुझान लॉकडाउन के बाद घूमने की इच्छा और स्थानीय पर्यटन में बढ़ोतरी के चलते हैं। हालांकि, तीसरी लहर के चलते भारतीय पर्यटन उद्योग में नई नौकरी में क्रमिक आधार पर एक प्रतिशत कमी हुई। यह रिपोर्ट मॉन्स्टर रोजगार सूचकांक के आंकड़ों पर आधारित है। मॉन्स्टर डॉट कॉम के सीईओ शेखर गरिसा ने कहा कि भारतीय यात्रा और पर्यटन उद्योग ने पिछले वर्ष की तुलना में 2021 में तेजी से सुधार दर्शाया है।

सरकार ने मानव बालों के निर्यात पर अंकुश लगाया

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को मानव बाल के निर्यात पर अंकुश लगा दिए हैं। बाल उद्योग के अनुसार, यह एक ऐसा कदम है जिससे इस उत्पाद की भारत से कथित तस्करी को रोकने में मदद मिलेगी। बालों के निर्यात की पहले बिना किसी अंकुश के अनुमति दी गई थी। लेकिन अब एक निर्यातक को वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से अनुमति या लाइसेंस लेना होगा। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने एक अधिसूचना में कहा, मानव बाल की निर्यात नीति, चाहे उसको लेकर कोई काम न भी किया गया, चाहे उसे धोया गया हो या नहीं धोया गया हो, मानव बाल या किसी अन्य प्रकार के कच्चे मानव बाल ... को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है। इस पहल का स्वागत करते हुए भारतीय बाल एवं बाल उत्पाद विनिर्माण एवं निर्यातक संघ के सदस्य सुनील ईमानी ने कहा कि यह उनकी लंबे समय से लंबित मांग थी। उन्होंने बार-बार आरोप लगाया है कि यह श्रम प्रधान उद्योग म्यामां और चीन जैसे देशों में कच्चे मानव बाल की तस्करी की एक अजीबोगरीब चुनौती का सामना कर रहा है, जिससे स्थानीय उद्योगों और निर्यात को नुकसान हो रहा है।

क्विक न्यूज

एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के सर्वर में सेंध, 12 करोड़ रुपए की हेराफेरी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के सर्वर कुछ लोगों ने हैक कर लिया। इसके बाद लगभग 12 करोड़ रुपए की राशि देशभर के कई बैंक खातों में कथित तौर पर स्थानांतरित कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एपी महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हैकर्स ने बैंक की राशि को स्थानांतरित किया, लेकिन ग्राहकों के खातों से कोई राशि नहीं निकली है। अधिकारियों ने कहा कि कई बैंकों के कई व्यक्तिगत खातों में लगभग 12 करोड़ रुपए स्थानांतरित किए गए। इनमे से ज्यादातर बैंक खाते अन्य राज्यों और तेलंगाना में स्थित हैं। उन्होंने बताया कि बैंक के अधिकारियों ने रविवार रात को संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने के बाद धनालेनदेन के आगे हस्तांतरण को रोक दिया। साथ ही ऐसे खातों को ब्लॉक करने के लिए अन्य बैंकों के प्रबंधन से भी संपर्क किया, जिससे कुछ राशि को जब्त कर लिया गया। बैंक अधिकारी ने कहा, पुलिस को शिकायत दर्ज कराई गई है। अन्य बैंकों को सूचित कर दिया गया है और धन को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाए गए है। साइबर हमले के खिलाफ बैंक के कोष का बीमा किया जाता है।

टाटा टी ने गणतंत्र दिवस पर विभिन्न रंगों का उत्सव मनाया

मुंबई। भारत के 73 वें गणतंत्र दिवस की खुशी में देश की चायख टाटा टी प्रीमियम प्रस्तुत कर रही है। देश की झांकी, हमारे देश की अनोखी विविधता का सम्मान करने वाली यह अपनी तरह की एक अनोखी पहल है। टाटा टी प्रीमियम के हर राज्य के लिए डिज़ाइन किए गए विशेष पैक्स काफी लोकप्रिय हैं, उन्हीं से प्रेरित होकर हर झांकी को हर क्षेत्र का गौरव दर्शाने वाले तत्वों के साथ सजाया गया है, हर राज्य की परंपराओं और संस्कृति को इन झांकियों में चित्रित किया गया है। गणतंत्र दिवस को मनाते हुए यह पहल उन सभी विविध तत्वों का सम्मान करती है जो भारत को सही मायने में अनोखा बनाते हैं। दिल वालों की शानदार दिल्ली से लेकर,दमदार उत्तर प्रदेश तक, मानवता की सेवा के लिए पहचाने जाने वाले, बड़े दिल वाले पंजाब से लेकर जीतने के कभी न ख़त्म होने वाले जूनून के साथ कड़क सपनों वाले हरयाणा तक अपने समृद्ध इतिहास के लिए जाने जाने वाले स्वाद से भरपूर बिहार से लेकर रस भरे पश्चिम बंगाल तक दृढ़ निश्चयी उड़िया और महाराष्ट्र में सर्वगुणी लोगों के लिए हर क्षेत्र के गुणों और भावनाओं को दर्शाने की कोशिश टाटा टी प्रीमियम इस पहल के ज़रिए कर रहा है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के पैकेज्ड बेवरेजेस भारत और दक्षिण एशिया के प्रेसिडेंट पुनीत दास ने कहा कि स्वाद से जुड़ी स्थानीय वरीयताओं को पूरा करना हमेशा से ही टाटा टी प्रीमियम की विशेषज्ञता रही है।

फैबइंडिया ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल की

मुंबई। फैबइंडिया लिमिटेड (फैबइंडिया) या कंपनी का भारत के पहले ईएसजी आईपीओ ने बाजार नियामक के पास डीआरएचपी फाइल की ऑफ र में कुल 500 करोड़ रु के फ्रेश इश्यू और मौजूदा निवेशकों, शेयरधार कों द्वारा 25,050,543 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। फैबइंडिया ने 50,000 से अधिक कारीगरों को सशक्त बनाया है, जिनमें से लगभग 64 प्रतिशत कारीगर महिलाएं हैं। कंपनी स्थायी कृषि पद्धतियों को बनाने के लिए 2,200 से अधिक किसानों के साथ सीधे और 10,300 से अधिक किसानों के साथ सहयोगियों के माध्यम से भी काम करती है। फैबइंडिया ने ग्लोबल ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन प्राप्त करने में किसानों का समर्थन करके एक गैर-विषैले कृषि संस्कृति बनाने के लिए कदम उठाए हैं। फैबइंडिया के प्रमोटर बिमला नंदा बिसेल और मधुकर खेड़ा 14 जनवरी 2022 के अपने पत्रों के अनुसार क्रमश: 400,000 इक्विटी शेयर्स और 375,080 इक्विटी शेयस, इस ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के फाइल करने के बाद और या तो,रू रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को दाखिल करने से पहले या ऑफ़र की समाप्ति और लागू नियामक लॉक-इन अवधि के बाद सेबी आईसीडीआर विनियमों के तहतए लागू कानून के अनुपालन में स्थानांतरित करने का इरादा रखते हैं।

निर्यात संवर्धन परिषद ने खाद्य, पेय उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बजट में उपाय करने के दिए सुझाव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) ने खाद्य तथा पेय उद्योग को बढ़ावा देने के मकसद से मंगलवार को सरकार को आगामी बजट में देश में बने उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन की घोषणा करने का सुझाव दिया। परिषद ने साथ ही एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) इकाइयों को कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति देने का भी सुझाव दिया है। टीपीसीआई ने उद्योग के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की भी मांग की। इसके अलावा खाद्य क्षेत्र में परीक्षण के लिए सब्सिडी, खाद्य और पेय पदार्थ तकनीकी मशीनरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए कोष और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) के लिए ब्याज सहायता योजना की मांग की है। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक वी के गौबा ने एक बयान में कहा, अर्थव्यवस्था के लिहाज से कृषि और खाद्य क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र पर और ध्यान देने की जरूरत है। कठिन समय के बावजूद कृषि एवं खाद्य क्षेत्र ने लगातार 20 प्रतिशत से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड

3री तिमाही 2021-22 (करोड़ ₹ में)

	31 दिसंबर 2020	31 दिसंबर 2021	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि %
संचालन राजस्व	23471.3	23253.3	-0.93
आय	24465.1	23581.2	-3.61
व्यय	22014.5	22357.0	1.56
कर-पूर्व लाभ	2510.3	1251.7	-50.14
शुद्ध लाभ	1996.7	1041.8	-47.82
प्रति शेयर आय (₹)	66.10	34.49	

अनंकेक्षित, समेकित

पीटीआई ग्राफिक

एलआईसी का पहली छमाही का शुद्ध लाभ 1,437 करोड़ रुपए हुआ

भाषा। मुंबई

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में।,437 करोड़ रुपए रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 6.14 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। उल्लेखनीय है कि एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जल्द आने की उम्मीद है। एलआईसी ने मंगलवार को बयान में कहा कि पहली छमाही में उसके नए कारोबार के प्रीमियम की वृद्धि 554.1 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 394.76 प्रतिशत रही थी। छमाही के दौरान कंपनी का कुल शुद्ध प्रीमियम।,679 करोड़ रुपए बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो अप्रैल-सितंबर, 2021 में 1.84 लाख करोड़ रुपए पर था। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के कुल प्रीमियम में 17,404 करोड़ रुपए का उछाल आया। वहीं इस दौरान कंपनी की निवेश से आय 3.35 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। पहली छमाही में कंपनी की निवेश से कुल आय 15,726 करोड़ रुपए बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

पेज एक का शेष

गांधी परिवार...

जा रही है। सिंह को ओबीसी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ भाजपा के विधानसभा उम्मीदवार के रूप में भी देखा जा रहा है, जो हाल ही में भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए हैं। अपनी पूर्व पार्टी, कांग्रेस की आलोचना करते हुए सिंह ने कहा कि मैंने एक राजनीतिक दल (कांग्रेस) में 32 साल बिताए हैं, लेकिन वह पार्टी वैसी नहीं रही, जैसी पहले थी। मैं भारत के लिए पीएम मोदी के सपनों को पूरा करने की दिशा में एक कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। आरपीएन सिंह भी सिंधिया, जितिन प्रसाद, टॉम वडाकन और प्रियंका चतुर्वेदी जैसे राहुल गांधी के उन करीबी नेताओं में शामिल हो गए हैं, जो कथित रूप से बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस का हाथ झटककर दूसरे दलों में शामिल हो गए हैं। सिंह ने कहा कि यह मेरे लिए एक नई शुरुआत है और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान के लिए तत्पर हूं।

चुनौतियों का...

देश में जनसंख्या का घनत्व बहुत ज्यादा है, और विकासशील अर्थव्यवस्था होने के नाते हमारे पास इस अदृश्य शत्रु से लड़ने के लिए उपयुक्त स्तर पर बुनियादी ढांचा तथा आवश्यक संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं थे। लेकिन ऐसे कठिन समय में ही किसी राष्ट्र की संघर्ष करने की क्षमता निखरती है। मुझे यह कहते हुए गर्व का अनुभव होता है कि हमने कोरोना-वायरस के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य-क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, पहले वर्ष के दौरान ही, हमने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को विस्तृत तथा मजबूत बनाया और दूसरे देशों की मदद के लिए भी आगे बढ़े। दूसरे वर्ष तक, हमने स्वदेशी टीके विकसित कर लिए और विश्व इतिहास में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया। यह अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। हमने अनेक देशों को वैक्सीन तथा चिकित्सा संबंधी अन्य सुविधाएं प्रदान कराई हैं। भारत के इस योगदान की वैश्विक संगठनों ने सराहना की है। राष्ट्रपति कोविंद ने 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को बधाई देते हुए कहा, गणतन्त्र दिवस का यह दिन उन महानायकों को याद करने का अवसर भी है जिन्होंने स्वराज के सपने को साकार करने के लिए अतुलनीय साहस का परिचय दिया तथा उसके लिए देशवासियों में संघर्ष करने का उत्साह जगाया। दो दिन पहले, 23 जनवरी को हम सभी देशवासियों ने जय-हिन्द का उद्घोष करने वाले नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया है। स्वाधीनता के लिए उनकी ललक और भारत को गौरवशाली बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा, सन 1930 में महात्मा गांधी ने देशवासियों को पूर्ण स्वराज दिवस मनाने का तरीका समझाया था। उन्होंने कहा था- चूंकि हम अपने ध्‍य्य को अहिंसात्मक और सच्चे उपायों से ही प्राप्त करना चाहते हैं, और यह काम हम केवल आत्म-शुद्धि के द्वारा ही कर सकते हैं, इसलिए हमें चाहिए कि उस दिन हम अपना सारा समय यथाशक्ति कोई रचनात्मक कार्य करने में बिताएं। कोविंद ने कहा, गांधीजी चाहते थे कि हम अपने भीतर झांक कर देखें, आत्म-निरीक्षण करें और बेहतर इंसान बनने का प्रयास करें, और उसके बाद बाहर भी देखें, लोगों के साथ सहयोग करें और एक बेहतर भारत तथा बेहतर विश्व के निर्माण में अपना योगदान करें। कोविड-19 के संदर्भ में उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, संकट की स्थितियां आती रही हैं, क्योंकि वायरस, अपने बदलते स्वरूपों में वापसी करता रहा है। अनगिनत परिवार, भयानक विपदा के दौर से गुजरे हैं। हमारी सामूहिक पीड़ा को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। लेकिन एकमात्र सांत्वना इस बात की है कि बहुत से लोगों की जान बचाई जा सकी है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि महामारी का प्रभाव अभी भी व्यापक स्तर पर बना हुआ है, अत: लोगों को सतर्क रहना चाहिए और अपने बचाव में तनिक भी ढील नहीं देनी चाहिए। कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों द्वारा बताई गई सावधानियों का पालन करना आज हर देशवासी का राष्ट्र-धर्म बन गया है। यह राष्ट्र-धर्म हमें तब तक निभाना ही है, जब तक यह संकट दूर नहीं हो जाता। राष्ट्रपति ने कहा, संकट की इस घड़ी में हमने देखा कि कैसे हम सभी देशवासी एक परिवार की तरह आपस में जुड़े हुए हैं... कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक काम करके, यहां तक कि मरीजों की देखभाल के लिए अपनी जान जोखिम में डाल कर भी डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स ने मानवता की सेवा की है। बहुत से लोगों ने देश में गतिविधियों को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए यह सुनिश्चित किया है कि अनिवार्य सुविधाएं उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के बल पर अर्थव्यवस्था ने फिर से गति पकड़ ली है। प्रतिकूल परिस्थितियों में भारत की दृढ़ता का यह प्रमाण है कि पिछले साल आर्थिक विकास में आई कमी के बाद इस वित्त वर्ष में अर्थ-व्यवस्था के प्रभावशाली दर से बढ़ने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता को भी दर्शाता है। पिछले वर्ष जून में कानपुर देहात जिले में स्थित अपनी जन्मभूमि परौंख गांव की यात्रा का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, ...भारत के जो लोग अपने परिश्रम और प्रतिभा से जीवन की दौड़ में आगे निकल सके हैं उनसे मेरा अनुरोध है कि अपनी जड़ों को, अपने गांव-कस्बे-शहर को और अपनी माटी को हमेशा याद रखिए।

कल्याण, रावत...

बायोटेक के कृष्णा इल्ला और सुचित्रा इल्ला को भी पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, टाटा ग्रुप के अध्यक्ष नटराजन चंद्रशेखरन को देश का तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण दिया गया। दिवंगत पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा, अभिनेता विक्टर बनर्जी और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव राजीव महर्षि को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आजाद, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्य, अमेरिका स्थित पाक कला विशेषज्ञ मधुर जाफरी, पैरालंपिक भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया, गुजरात के धार्मिक शिक्षक स्वामी सच्चिदानंद 17 पद्म भूषण पुरस्कार विजेताओं में शामिल हैं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और गायक सोनू निगम को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। गृह मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति ने इस वर्ष दो दोहरे मामलों सहित 128 पद्म पुरस्कारों को प्रदान करने की मंजूरी दी। दोहरे मामले में, पुरस्कार की गणना एक के रूप में की जाती है।इस सूची में चार पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 107 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में 34 महिलाएं हैं। पुरस्कार पाने वालों में कई गुमनाम नायक शामिल हैं जो विभिन्न तरीकों से समाज में योगदान दे रहे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार 2014 से ऐसे कई गुमनाम नायकों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित कर रही है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार विभिन्न विषयों या गतिविधियों के क्षेत्रों, जैसे- कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा, आदि- में योगदान के लिए दिए जाते हैं।

एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग

नई दिल्ली(भाषा)। एल्युमीनियम उद्योग ने सरकार से एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की है। भारतीय एल्युमीनियम संघ (एएआई) ने मंगलवार को कहा कि पर्याप्त घरेलू एल्युमीनियम कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद भारत में कबाड़ की खपत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है। प्राथमिक एल्युमीनियम पर वर्तमान में 7.5 फीसदी, डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पर 7.5 से 10 प्रतिशत और एल्युमीनियम स्क्रैप या कबाड़ पर सिर्फ 2.5 प्रतिशत सीमा शुल्क है। संगठन ने एक बयान में कहा, यही कारण है कि प्राथमिक एल्युमीनियम क्षमता की महत्वपूर्ण उपस्थिति और पर्याप्त घरेलू कबाड़ उत्पन्न करने की क्षमता होने के बावजूद देश में एल्युमीनियम कबाड़ की खपत 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। इसलिए एल्युमीनियम कबाड़ पर सीमा शुल्क को 2.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर देना चाहिए। एल्युमीनियम और एल्युमीनियम कबाड़ पर मूल सीमा शुल्क अन्य अलौह धातुओं जैसे जस्ता, सीसा, निकेल और टिन के अनुरूप नहीं है। यह घरेलू एल्युमीनियम उत्पादकों के लिए एक बड़ा नुकसान है। उद्योग को इसके अलावा मूल सीमा शुल्क की दर या अधिकतम सीमा शुल्क दर मौजूदा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की उम्मीद है।

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 26 जनवरी 2022

यूएई व अमेरिका ने किया विद्रोहियों का हमला नाकाम

● हूती के लोगों ने अबू धाबी पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

भाषा। दुबई

यमन के हूती बागियों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी पर मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी लेते हुए विदेशी कंपनियों और निवेशकों से यूएई छोड़ने को कहा है। हूती विद्रोही समूह द्वारा दागी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों को यूएई और अमेरिकी सेना ने सोमवार सुबह बीच में ही रोक कर नष्ट कर दिया। यह अबू धाबी को निशाना बनाकर किया गया इस तरह का एक हफ्ते में दूसरा हमला था। सोमवार के हमले के बाद यूएई के लड़ाकू विमानों ने उस लॉन्चर को भी नष्ट कर दिया जहां से ए मिसाइलें दागी गई थीं। इस हमले ने फारस की खाड़ी में तनाव बढ़ा दिया है। इस तरह के हमले यूएई के आसपास तो होते थे लेकिन मुल्क में कभी नहीं हुए। यमन में सालों से चल रही जंग और वैश्विक शक्तियों के साथ ईरान का परमाणु समझौता नाकाम होने के बाद यह हमला हुआ है। राजधानी अबू धाबी के अल-ज़फरा वायु सेना केंद्र पर मौजूद दो हजार अमेरिकी सैनिकों को हमले के दौरान बंकरों में पनाह लेनी पड़ी और पैट्रियट मिसाइलें दागनी पड़ीं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दिख रहा है कि सोमवार तड़के अबू धाबी के आसमान में बिजली चमकती है और धमाके की आवाज़ आती है। दरअसल, यह इंटरसेप्टर मिसाइलों द्वारा बीच में ही बैलिस्टिक मिसाइलों को रोककर नष्ट करने की आवाज़ थी।

भीषण ठंड में भारतीयों की मौत का मामला: बिना बांड जेल से रिहा हुआ मानव तस्करी का आरोपी

न्यूयॉर्क। मानव तस्करी के आरोप का सामना कर रहे फ्लोरिडा के एक व्यक्ति को अमेरिका की एक अदालत ने बिना बांड के जेल से रिहा कर दिया। यह व्यक्ति दो भारतीयों को अमेरिका में अवैध रूप से लाने और चार भारतीयों की कनाडा सीमा के पास भीषण ठंड से मौत होने के मामले का आरोपी है।

विस्फोटक भरी जैकेट में धमाके से ऑस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति की मौत

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में विस्फोटक भरी जैकेट में विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मारा गया व्यक्ति विस्फोटक भरी जैकेट पहनकर कार चला रहा था। सेवन न्यूज ने कहा कि ऐसा बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह उपनगर हाल्लम में एक स्पीड ब्रेकर से कार के टकराने के कारण विस्फोटक जैकेट का बटन दब गया। इससे संबंधित एक वीडियो फुटेज में कार में विस्फोट होता दिखाई देता है, जिसके बाद कार कुछ मीटर आगे तक गई और फिर सड़क पर खड़े एक वाहन से टकरा गई।

दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर रहा अमेरिका का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

बैंकॉक। दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर रहा अमेरिकी नौसेना का एफ35सी लाइटनिंग द्वद्व लड़ाकू विमान एक अमेरिकी विमानवाहक पोत के डेक पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे सात नाविक घायल हो गए। सेना ने यह जानकारी दी। यूएसएस कार्ल विंसन के डेक पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले पायलट विमान से बाहर कूद गया था। सेना के एक हेलीकॉप्टर के जरिए पायलट का पता लगाया गया, उसकी हालत स्थिर है।

उत्तर कोरिया ने दो क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया: दक्षिण कोरियाई अधिकारी

सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता लंबे समय से ठप होने और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी संबंधी मुश्किलों के बीच अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के लिए दो संदिग्ध क्रूज मिसाइल का मंगलवार को परीक्षण किया, जो इस महीने में उत्तर कोरिया का पांचवां हथियार परीक्षण है। दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

लंदन पुलिस लॉकडाउन के दौरान डॉउनिंग स्ट्रीट पर हुई पार्टियों की कर रही जांच

लंदन। लंदन पुलिस ने मंगलवार को कहा कि वह लॉकडाउन के दौरान डॉउनिंग स्ट्रीट पर आयोजित पार्टियों की जांच कर रही है। महानगर पुलिस की आयुक्त क्रेसिडा डिक ने लंदन विधायिका के सामने दिए बयान में खुलासा किया कि मामले की जांच चल रही है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
एस.आर.एस. पब्लिक स्कूल
कोरिहरा, लालगंज, रायबरेली

सुरेन्द्र बहादुर सिंह
प्रबंध निदेशक
धर्मेन्द्र सिंह
प्रबंधक

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दीप प्रकाश शुक्ला
समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता
182 सरेनी विधानसभा

बलिदानों का सपना जब सच हुआ देश तभी आजाद हुआ आज सलाम करें उन वीरों को जिनकी शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।।
आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

श्रीमती मीरा यादव
(जिला सचिव)
समाजवादी शिक्षक सभा व समाजसेवी डलमऊ

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राहुल चौधरी
प्रोपराइटर
पता- हरिया चौराहा, बस्ती
मो०- 9839378615

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ओम पैथालोजी
मालवीय रोड तिराहा, रोडवेज-बस्ती
(घोड़े पर सवार पं० नेहरू की मूर्ति के पास)
FULLY COMPUTERISED LAB
Equiped with:
- Mini VIDAS Fully Automatic Hormons Analyser
- Automated Haematology Analyser-SYSMEX KX-21
- Hi Tech[Autoanalyer TRANSASIA E.C.-5 Plus
- ELISA, Reader ERBA. LISA-5
- Digital Computrised Microscope-MOTIC
- ELECTROLYTE ANALYSER EASYLYTE Na^+/K^+

- सामान्य पैथालोजी
- कम्पलीट ब्लड काउन्ट
- थायरायड हारमोन T3, T4, & TSH
- टी०बी० एलाइजा- IgG, igm & IgA
- फीमेल हारमोन- LH, FSh & Prolactin
- विडास ट्रोपोनिन आइ कार्डियक मार्कर
- विडास बी०पी०एस०ए० कैंसर मार्कर
- ग्लाइको+सिलेटेड हीमोग्लोबिन (HbA1c)
- टार्च टेस्ट • सीरम एमाइलेज • सीरम लाइपेज
- सीरम इलेक्ट्रोलाइट इत्यादि-

Timing : 8 A.M. to 8 P.M. Sunday - Open
Phone no: 283054, Mo.: 9453083067

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर

पत्रांक : कोविड/वि0/2021-22/13001 दिनांक : 25.01.2022

अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, कोविड-19 महामारी वर्तमान में प्रसारित है। उक्त के दृष्टिगत कोविड महामारी से बचाव हेतु निम्नानुसार कार्य किया जाना आवश्यक है।

1. दो गज दूरी मास्क है जरूरी।
2. बार-बार साबुन से हाथ धोयें।
3. छींकते व खांसते समय मुंह ढकें।
4. कोविड-19 टीकाकरण अवश्य करायें।
5. आगामी सामान्य विधान सभा निर्वाचन में कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

(डा0 हर गोविन्द सिंह)
मुख्य चिकित्साधिकारी
गाजीपुर।

(मंगला प्रसाद सिंह) आई0ए0एस0
जिलाधिकारी
गाजीपुर।

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद हनिफ
उर्फ पप्पू
सामाजिक कार्यकर्ता
गांधीनगर-बस्ती
983847856

संदेश

आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर गणतंत्र दिवस के पुनीत पर्व की समस्त जनपद वासियों, अधिकारियों शुभचिन्तकों का हार्दिक अभिनन्दन

हरीकृष्ण पोद्दार

जिला संवाददाता, महोबा (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

बृजेश बाबू

गोदाम प्रभारी
विपणन विभाग–करबई

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

डा0 कौशल सोनी

सह संयोजक
भारतीय जनता पार्टी (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) जैतपुर (महोबा)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

पंचम सिंह कुशवाहा

ग्राम प्रधान
करहरा कला–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सभाजीत यादव

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–कुँआ (चरखारी)
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

रमेश यादव

सहसंयोजक
भारतीय जनता पार्टी (पंचायत प्रकोष्ठ)
बुन्देलखण्ड क्षेत्र, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

अनन्त राम शुक्ल (लाला महराज)

संयोजक– लघु उद्योग प्रकोष्ठ
भारतीय जनता पार्टी महोबा
सौजन्य से– राघव ग्रेनाइट–नई मण्डी अलीपुरा–कबरई

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

प्रभात पाठक

वरिष्ठ भाजपा नेता
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मे0 श्रद्धा कन्स्ट्रक्सन–कबरई

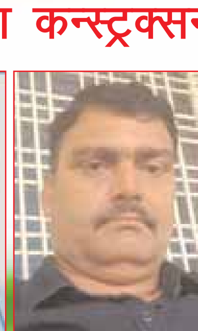

धीरेन्द्र राजपूत देवेन्द्र रावत कमलेश सोनी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजेन्द्र कुमार शिवहरे

समाजसेवी
वरिष्ठ भाजपा नेता, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मो0 शाकिर खान — महासचिव
प्राण सिंह यादव — जिलाध्यक्ष
समाजवादी पार्टी (महोबा)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

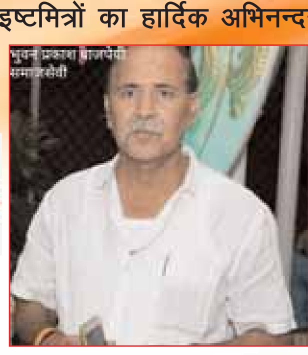

भुवन प्रकाश बाजपेयी

समाजसेवी

गौरव (शंकु) बाजपेयी

काण्ट्रेक्टर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

धर्मेन्द्र शुक्ला

अध्यक्ष क्रय विक्रय कबरई
प्रधान प्रतिनिधि सरौन
पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य व पूर्व प्रधान सरौन

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

एस0के0 वर्मा

सहा0 सम्भागीय परिवहन अधिकारी, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

आलोक कुमार पटैरिया

क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी
जनपद– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

इ0 एस0एस0 तोमर

अधिशासी अभियन्ता
जल निगम (निर्माण शाखा) महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

डा0 अरुण कुमार यादव

अधिशासी अभियन्ता
लघु सिंचाई– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

महेन्द्र कुमार जैन

वन क्षेत्राधिकारी, चरखारी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजीव कुमार तिवारी

जिला पूर्ति अधिकारी,
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सी0बी0 सिंह

वन क्षेत्राधिकारी, अजनर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मनीष कुमार JE — डी0सी0 लाल

अवर अभियन्ता — सहा0 परियोजना प्रबन्धक
यूपी प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजू श्रीवास

वन क्षेत्राधिकारी, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सुनील अग्रवाल

जय दुर्गे मोटर्स (अधि हीरो मोटर्स) (कुलपहाड़)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

अमित कुमार श्रीवास्तव

वन क्षेत्राधिकारी, पनवाड़ी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

संजय कुमार मल्ल

प्रभागीय वन अधिकारी
महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

कपूरचन्द्र नायक

उपनिबन्धक
निबन्धन कार्यालय– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

श्रवण कुमार साहू (लल्लू साहू)

प्रभारी चित्रकूट जनपद
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा

गोदाम प्रभारी
विपणन विभाग–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

इ0 ए0के0 शर्मा

प्रोजेक्ट मैनेजर
जल निगम (सी & डीएस) महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

संदीप कुमार राजपूत

ब्लाक प्रमुख
वरिष्ठ भाजपा नेता, विकास खण्ड–जैतपुर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

आवेश त्रिपाठी

काण्ट्रेक्टर
महोबा (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आशीष प्रताप सिंह
शिक्षक नेता

विश्वास बहादुर सिंह
शिक्षक नेता

प्राथमिक शिक्षक संघ लालगंज, रायबरेली

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश सिंह फौजी
प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ
लालगंज रायबरेली

प्रिय भारतीयों आइए निर्णय ले हमारे राष्ट्र का मूल्य निर्धारण करने के लिए उनके बलिदानों को नहीं भूलेंगे जिनके बलिदानों से हमें गणतंत्रता प्राप्त हुई सभी नगर वासियों को गणतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
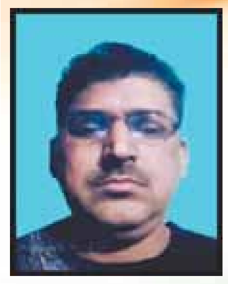
विनय शुक्ला
शुक्ला मेडिकल एण्ड ट्रेडर्स
मुराई का बाग, डलमऊ

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम बाबू गुप्ता
नगर पंचायत अध्यक्ष
लालगंज रायबरेली

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दुखी लाल
ग्राम प्रधान
बहरामपुर

राजू प्रजापति
समाजसेवी
बहरामपुर

वंदे मातरम्
सुजलाम सुफलाम
मलयजशीतलाम् शस्य श्यामला मातरम्
आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभम गौड़
अध्यक्ष प्रतिनिधि
नगर पंचायत डलमऊ

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा हम बुलबुले हैं इसके यह गुलसिता हमारा सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की दिल से शुभकामनाएं

जयनीश यादव
(अंकुर)
घुरवारा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

देवेन्द्र बहादुर सिंह
प्रबंधक बैसवारा डिग्री कालेज
लालगंज-रायबरेली

प्रो0 उदयभान सिंह
प्राचार्य-बैसवारा डिग्री कालेज
लालगंज-रायबरेली

आन देश की शान देश की देश की हम संतान हैं।
तीन रंगों से रंगा तिरंगा अपनी यह पहचान है।
आप सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनीष यादव
व्यवसाई जेसीबी
पूरे दुआ साहब डलमऊ

प्रिंसू प्लाई हार्डवेयर एवं गद्दा हाउस की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रामेन्द्र मोदनवाल
(पुत्तू)
मुराई का बाग डलमऊ

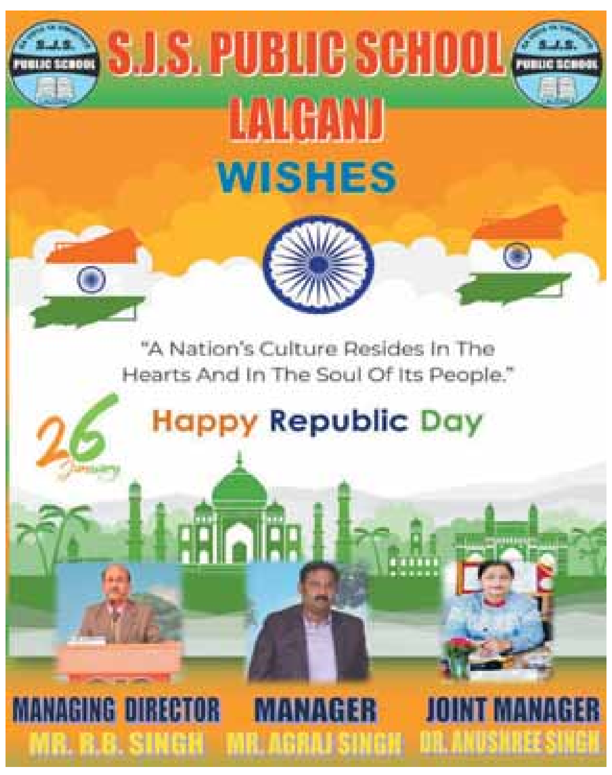

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 98
लखनऊ, बुधवार, 26 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लुभावने वादों को अपनी बैसाखी बना रही सपा
चौपाल-7

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन भाजपा में शामिल

- चुनावी बेला में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जितिन प्रसाद के बाद एक और बड़ा झटका लगा
- पडरौना में सपा को घेरने के लिए दिग्गज ओबीसी नेता को इस्तेमाल कर सकती है भगवा पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होते आरपीएन सिंह

गांधी परिवार के वफादार रहे आरपीएन सिंह चुनावी बेला में कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश में एक के बाद एक झटके झेल रही भगवा पार्टी को सिंह के आने से मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी, जबकि कांग्रेस ने इशारों-इशारों में उन्हें कायर कहकर निशाना साधा है। आरपीएन सिंह (57) एक प्रमुख नेता और पूर्वी उत्तर प्रदेश के राजघराने के सदस्य हैं। वह पडरौना से तीन बार कांग्रेस विधायक और कुशीनगर से सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफे का एक संक्षिप्त पत्र लिखने के तुरंत बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान सिंह का जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। उनके इस कदम से कांग्रेस नेतृत्व जाहिर तौर पर आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि सिंह को कुछ दिन पहले ही पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया था। पार्टी नेताओं के एक वर्ग को लगता है कि आरपीएन सिंह का इस तरह जाना अच्छा रहा, क्योंकि वह पिछले एक साल से झारखंड में कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार को गिराने के लिए भाजपा के साथ मिलकर कोशिश कर रहे थे। आरपीएन बीते तीन वर्षों से झारखंड के प्रभारी महासचिव के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख कुर्मी ओबीसी नेता आरपीएन सिंह, जितिन प्रसाद के बाद राज्य में कांग्रेस के लिए दूसरा बड़ा झटका हैं। जितिन अब योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्री हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में उत्तर प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ दिनेश शर्मा तथा ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति में मीडिया को संबोधित करते हुए सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय सभ्यता और संस्कृति को 21वीं सदी से जोड़ने के लिए उनकी सराहना की जा रही है।

कांग्रेस के पडरौना से प्रत्याशी सहित दो नेताओं ने भी पार्टी छोड़ी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के कुछ हीघंटों के भीतर पडरौना से कांग्रेस के उम्मीदवार मनीष जायसवाल और पार्टी की कुशीनगर जिला इकाई के प्रमुख राजकुमार सिंह ने भी पुरानी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पीटीआई/भाषा से बातचीत में राजकुमार सिंह ने कहा, मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि पार्टी में आरपीएन सिंह के लिए कोई सम्मान नहीं था। सिंह ने कहा कि वह भी भाजपा में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व जिला इकाई प्रमुख ने यह भी बताया कि पडरौना से पार्टी प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत आज बेहतर स्थिति में: राष्ट्रपति

- कहा, देश ने कोरोना के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य क्षमता का प्रदर्शन किया

भाषा। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने मंगलवार को इस गणतंत्र दिवस पर भारतीयता मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मानवता का कोरोना वायरस के विरुद्ध संघर्ष अब भी जारी है और भारत के लिए गर्व की बात है कि हमने इस महामारी के खिलाफ असाधारण दृढ़-संकल्प और कार्य-क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत आज बेहतर स्थिति में है। राष्ट्रपति ने 73वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भारत के आधार हैं।

इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों का पालन मौलिक अधिकारों के लिए उचित वातावरण बनाता है। उन्होंने कहा, हम सबको एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का यह उत्सव है। सन 1950 में आज ही के दिन हम सब की इस गौरवशाली पहचान को औपचारिक स्वरूप प्राप्त हुआ था। उस दिन, भारत विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र के रूप में स्थापित हुआ और हम, भारत के लोगों ने एक ऐसा संविधान लागू किया जो हमारी सामूहिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। हमारे विविधतापूर्ण और सफल लोकतंत्र की सराहना पूरी दुनिया में की जाती है। हर साल गणतंत्र दिवस के दिन हम अपने गतिशील लोकतन्त्र तथा राष्ट्रीय एकता की भावना का उत्सव मनाते हैं। महामारी के कारण इस वर्ष के उत्सव में धूम-धाम भले ही कुछ कम हो परंतु हमारी भावना हमेशा की तरह सशक्त है। उन्होंने कहा, हमारे संविधान का कलेवर विस्तृत है क्योंकि उसमें, राज्य के काम-काज की व्यवस्था का भी विवरण है। लेकिन संविधान की संक्षिप्त प्रस्तावना में लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मार्गदर्शक सिद्धांत, सार-गर्भित रूप से उल्लिखित हैं।

इन आदर्शों से उस ठोस आधारशिला का निर्माण हुआ है जिस पर हमारा भव्य गणतंत्र मजबूती से खड़ा है। इन्हीं जीवन-मूल्यों में हमारी सामूहिक विरासत भी परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा, इन जीवन-मूल्यों को, मूल अधिकारों तथा नागरिकों के मूल कर्तव्यों के रूप में हमारे संविधान द्वारा बुनियादी महत्व प्रदान किया गया है। अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों का नागरिकों द्वारा पालन करने से मूल अधिकारों के लिए समुचित वातावरण बनता है। आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करने के मूल कर्तव्य को निभाते हुए हमारे करोड़ों देशवासियों ने स्वच्छता अभियान से लेकर कोविड टीकाकरण अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। ऐसे अभियानों की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय हमारे कर्तव्यपरायण नागरिकों को जाता है। मुझे विश्वास है कि हमारे देशवासी इसी कर्तव्य-निष्ठा के साथ राष्ट्र हित के अभियानों को अपनी सक्रिय भागीदारी से मजबूत बनाते रहेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा, मानव-समुदाय को एक-दूसरे की सहायता की इतनी जरूरत कभी नहीं पड़ी थी जितनी आज है। अब दो साल से भी अधिक समय बीत गया है लेकिन मानवता का कोरोना वायरस के विरुद्ध संघर्ष अब भी जारी है। इस महामारी में हजारों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर आघात हुआ है। विश्व समुदाय को अभूतपूर्व विपदा का सामना करना पड़ा है। नित नए रूपों में यह वायरस नए संकट प्रस्तुत करता रहा है। यह स्थिति, मानव जाति के लिए एक असाधारण चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा, महामारी का सामना करना भारत में अपेक्षाकृत अधिक कठिन होना ही था।

अवकाश सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में आज दिनांक 26 जनवरी 2022 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी 2022 को प्रकाशित होगा।

बाजार

सेंसेक्स	57,858	↑	366	
निफ्टी	17,277	↑	128	
सोना	48,555	↑	86	/10g
चांदी	63,907	↓	522	/kg

क्विक न्यूज

श्रीनगर में सुरक्षाकर्मियों पर ग्रेनेड हमला, चार घायल

श्रीनगर। गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले, मंगलवार को यहां हरि सिंह हाई स्ट्रीट क्षेत्र में आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों पर एक ग्रेनेड फेंका जिससे चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमले में घायल होने वालों में एक पुलिसकर्मी और दो महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपराह्न साढ़े तीन बजे आतंकियों ने सुरक्षाकर्मियों के एक दल पर ग्रेनेड फेंका, जो सड़क किनारे फटा। घायलों की पहचान मोहम्मद शफी, उसकी पत्नी तनवीरा, एक अन्य महिला अस्मत और पुलिस निरीक्षक तनवीर हुसैन के रूप में की गई है। पुलिस निरीक्षक हुसैन भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में तैनात है।

एसआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारकर जान दी

मुंबई। दक्षिण मुंबई के डोंगरी इलाके में मंगलवार को राज्य रिज़र्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के 36 वर्षीय जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटना एक सरकारी स्कूल में सुबह नौ बजकर 50 मिनट के करीब हुई, जहां जवान पुष्कर शिंदे संतरी के रूप में तैनात था। उन्होंने बताया कि शिंदे को इलाज के दौरान सरकारी जे. जे. अस्पताल में मौत हो गई। पुणे में एसआरपीएफ ग्रुप नंबर-2 से जुड़े शिंदे छह जनवरी से यहां मंत्रालय के मुख्य द्वार पर सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात है। ड्यूटी खत्म करने के बाद वह बृहन्मुंबई महानगर पालिका के एक स्कूल गए थे।

कल्याण, रावत, आजाद, चोपड़ा को पद्म पुरस्कार

- इस बार भारत रत्न के लिए किसी के नाम की घोषणा नहीं

भाषा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल्याण सिंह और हाल ही में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुए भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत को मंगलवार को मरणोपरांत पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और माकपा नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

सिंह और जनरल रावत को देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण दिया गया और उनके साथ ही किराना घराने की भारतीय शास्त्रीय गायिका 88 वर्षीय प्रभा अत्रे और हिंदू धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन करने वाले गीता प्रेस के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम खेमका को भी इस पुरस्कार से नवाजा गया। इस बार देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न के लिए किसी के नाम की घोषणा नहीं की गई। इससे पहले 2019 में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, समाज सुधारक नानाजी देशमुख और प्रख्यात गायक भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया गया था।

कोविड-19 रोधी टीका कोविशील्ड विकसित करने वाले सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के साइरस पूनावाला और स्वदेशी कोरोना वायरस टीके कोवैक्सिन का उत्पादन करने वाली कंपनी भारत बायोटेक के कृष्णा इल्ला और सुचित्रा इल्ला को भी पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, टाटा ग्रुप के अध्यक्ष नटराजन चंद्रशेखरन को देश का तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण दिया गया। दिवंगत पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा, अभिनेता विक्टर बनर्जी और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव राजीव महर्षि को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आजाद, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्य, अमेरिका स्थित पाक कला विशेषज्ञ मधुर जाफरी, पैरालंपिक भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया, गुजरात के धार्मिक शिक्षक स्वामी सच्चिदानंद 17 पद्म भूषण पुरस्कार विजेताओं में शामिल हैं। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और गायक सोनू निगम को पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

गृह मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति ने इस वर्ष दो दोहरे मामलों सहित 128 पद्म पुरस्कारों को प्रदान करने की मंजूरी दी। दोहरे मामले में, पुरस्कार की गणना एक के रूप में की जाती है इस सूची में चार पद्म विभूषण, 17 पद्म भूषण और 107 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में 34 महिलाएं हैं। पुरस्कार पाने वालों में कई गुमनाम नायक शामिल हैं जो विभिन्न तरीकों से समाज में योगदान दे रहे हैं।

सपा ने 39 प्रत्याशी और घोषित किए

- कुंडा से गुलशन यादव, अयोध्या से पवन पांडेय, कर्नलगंज से योगेश प्रताप सिंह को उतारा मैदान में
- कुल 198 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को 39 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। अब कुल मिलाकर 198 सपा के उम्मीदवार चुनावी मैदान में आ चुके हैं महज एक दिन पहले सोमवार को सपा ने 159 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी जिसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत कई महत्वपूर्ण नेताओं के नाम शामिल थे।

दूसरी सूची में अवध क्षेत्र के प्रत्याशियों की घोषणा हुई है जिसमें प्रतिष्ठित अयोध्या सीट से पूर्व विधायक पवन पांडेय और मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद व कर्नलगंज से योगेश प्रताप सिंह को चुनाव मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा मरहरा से अमित गौरव टीटू, बीसलपुर से दिव्या गंगवार, लहरपुर से अनिल वर्मा, मिश्रिख से मनोज राजवंशी, कस्ता से सुनील कुमार, लाला सांडी से उषा वर्मा, सलोन से पदम जगदीश प्रसाद को समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। जगदीशपुर से रचना कोरी, गौरीगंज से राकेश प्रताप सिंह, अमेठी से महाराजी प्रजापति, सुल्तानपुर से अनूप सांडा, सदर से अरुण वर्मा, लंभुआ से संतोष पांडेय, कादीपुर से भगेलू राम को पार्टी ने मैदान उतारा है। इसके साथ ही इटावा से सर्वेश शाक्य, बिल्हौर से रचना सिंह, गोविंद नगर से सम्राट विकास, किदवई नगर से ममता तिवारी, हमीरपुर से राम प्रकाश प्रजापति, खागा से राम तीरथ परमहंस, कुंडा से गुलशन यादव, पट्टी से राम सिंह पटेल, रानीगंज से विनोद दुबे, मंझनपुर से इंद्रजीत सरोज, सोरावा से गीता पासी, हंडिया से हाकिम चंद्र बिंद, मेजा से संदीप पटेल, करछना से उज्जवल रमण सिंह, इलाहाबाद उत्तरी से संदीप यादव, बारा से अजय मुन्ना, कोराव से रामदेव निडर, मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद, अयोध्या से पवन पांडेय, नानपारा से माधुरी वर्मा, बहराइच से यासिर शाह, पयागपुर से मुकेश श्रीवास्तव, गोंडा से सूरत सिंह, कटरा बाजार से बैजनाथ दुबे, कर्नलगंज से योगेश प्रताप सिंह को सपा ने प्रत्याशी घोषित किया है।

इस प्रकार सपा लगभग आधी सीटों सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर चुकी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अखिलेश यादव शेष बची सीटों पर भी पार्टी प्रत्याशियों के नामों को अंतिम रूप शीघ्र ही दे सकते हैं।

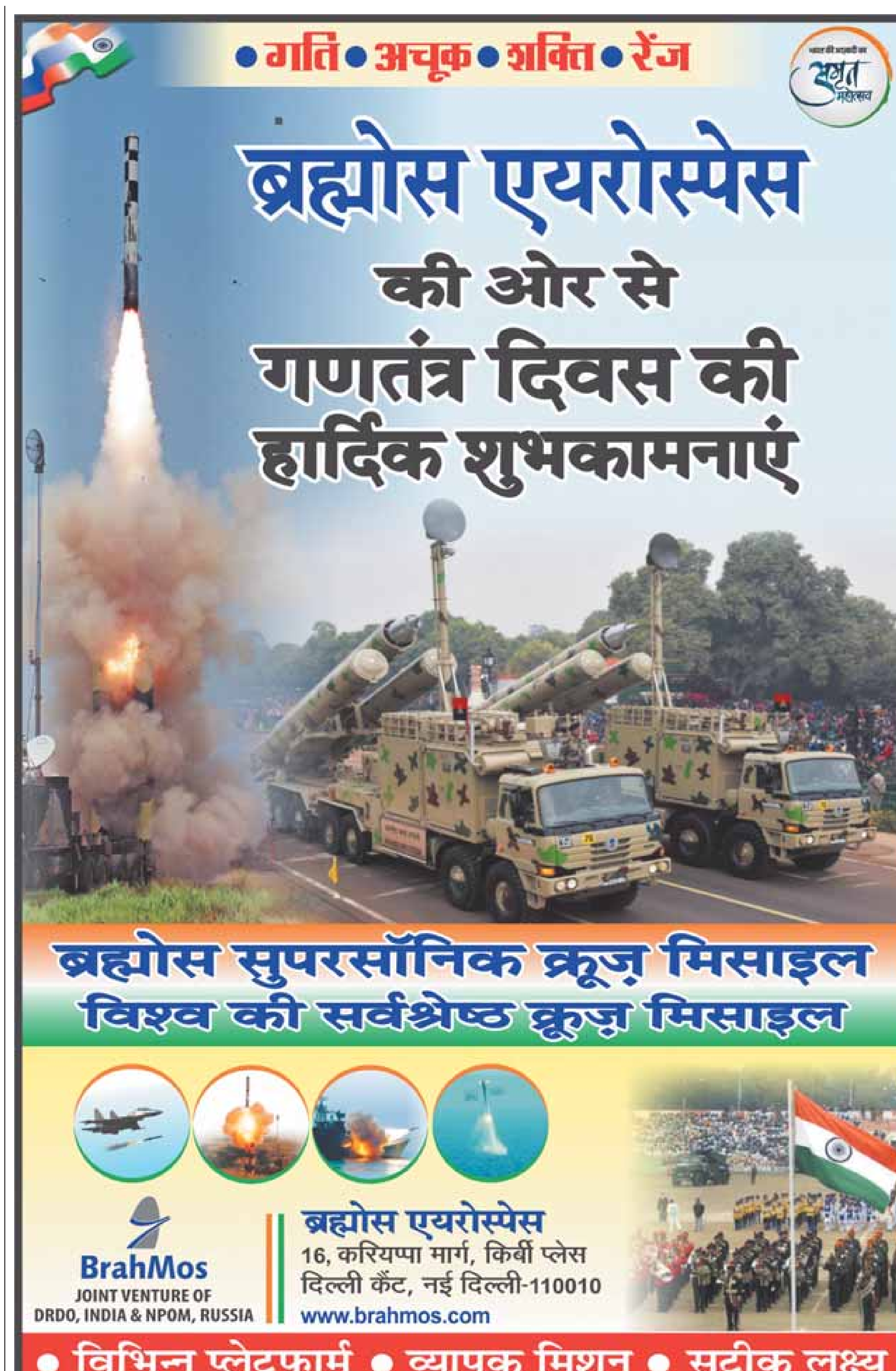

अखिलेश अपराधियों दंगाइयों व भ्रष्टाचारियों के गैंग के सरगनाः केशव

● जनता 10 मार्च को समाजवादी पार्टी को बना देगी समाप्तवादी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के खुद को विकास पुरुष बताने वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि वह विकास पुरूष नहीं बल्कि विनाश पुरुष हैं। जनता इसकी गवाह है और वह अखिलेश के झांसे में नहीं आने वाली। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव अपराधियों, दंगाइयों और भ्रष्टाचारियों के गैंग के सरगना हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कहा कि समाजवादी पार्टी की उम्मीदवारों की सूची में गुंडों, अपराधियों, माफियाओं, दंगाइयों, भ्रष्टाचारियों का बोलबाला है लेकिन भाजपा के उ मीदवार सबका साथ-सबका विकास का शानदार गुलदस्ता हैं। मौर्य ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव कहते हैं कि यह नई सपा है लेकिन यह वही सपा है जिससे जनता खफा है।

उत्तर प्रदेश की जनता ने विदाई कर दी और 10 मार्च को समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी। सपा मुखिया के पाकिस्तान और जिन्ना के बयानों पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि मुझे लगता है कि अखिलेश यादव इस समय बौखलाहट में हैं। इसलिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। उनको पहले किसी ने सपना दिखाया था कि उत्तर प्रदेश में वो सरकार बना रहे हैंए मु यमंत्री बनने जा रहे हैंए लेकिन जैसे.जैसे हकीकत उनके सामने आ रही है तो उनकी घबराहट भी जनता के सामने आने लगी है। उत्तर प्रदेश में 2017 में जितनी सीटें सपा को मिली थी अबकी बार अखिलेश यादव उसे भी नहीं बचा पाएंगे। भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सवाल पर उप मु यमंत्री ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य विकास और केवल विकास है। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिले विकास योजनाओं के केन्द्र में हैं। सपा-बसपा के शासनकाल में केवल पांच जिले ही विकास के केंद्र में होते थे। इसलिए भाजपा की सपा, कांग्रेस और बसपा से तुलना नहीं हो सकती। भाजपा सुशासन, विकास, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने वाली, सबको सुरक्षा प्रदान करने वाली, सबका साथ-सबका विकास करने वाली पार्टी है। वहीं सपा, कांग्रेस, बसपा का येनकेन प्रकारेण सत्ता हासिल करने का चरित्र रहा है। पंजाब में चल रही राजनीति पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पाकिस्तान से कांग्रेस की रिश्तेदारी काफी पुरानी है। उन्होंने कहा कि सत्ता अर्जित करना जब किसी का लक्ष्य हो जाता है तो उसके कारण इस तरह की परिस्थितियां पैदा होती हैं।

भाजपा जनता के बीच साख खो चुकी हैः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जनता के बीच साख खो चुकी है। उसके साथ कोई नहीं है वह अलग थलग पड़ गई है। इस लिए भाजपा निम्नस्तर पर उतर आई है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने की बात हर गली में चर्चा में है। लोगों का मानना है कि भाजपा ने थोथे वादे किए है जबकि समाजवादी सरकार के काम की सच्चाई सब जानते हैं। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भाजपा राज के पांच वर्षों में सबसे बुरे दिन देखने पड़े हैं। महंगाई और भ्रष्टाचार ने समाज में खाई पैदा कर दी है। डीजल.पेट्रोल के दाम बढ़ने से खाद्य पदार्थों के भाव बढ़ गए हैं। परिवहन महंगा हो गया है। महंगी बिजली ने लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। केन्द्र राज्य में भाजपा की सरकारों के बावजूद उत्तर प्रदेश का बिजली का कोटा नहीं बढ़ा। भाजपा राज में एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। समाजवादी सरकार ने जनता के हित में 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की।

73वें गणतंत्र दिवस की जनपदवासियों को हार्दिक बधाई

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

भारतीय संविधान के मुताबिक, जनता ही इस अनूठे लोकतंत्र की बुनियाद है, चुनती है सरकार : कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जनपद में चुनावी माहौल बना हुआ है, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव का औपचारिक ऐलान के पश्चात 10 फरवरी से मतदान शुरू होंगे और 10 मार्च को नतीजे घोषित होंगे। वही मंगलवार 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस जनपद में पूरे जोश से मनाया गया। कमिश्नरी ऑडिटोरियम में कमिश्नर दीपक अग्रवाल व जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा ने अधिकारी/कर्मचारियों सहित लोगों को आगामी विधानसभा के मतदान के दौरान भारी संख्या में मतदान करने हेतु जागरूक मतदाता बनने की शपथ दिलाई। भारतीय संविधान के मुताबिक, जनता ही इस अनूठे लोकतंत्र की बुनियाद है, जहां जनता सरकार को चुनती है। भारत निर्वाचन आयोग पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस सेलीब्रेट कर रहा है। इस अवसर पर कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर लोगों को शुभकामना देते हुए कहा कि आज का दिन विशेष हैं, क्योंकि बुधवार को गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा और एक दिन पूर्व आज हम सभी प्राष्ट्रीय मतदाता दिवसष् मना रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हो रहा है।

जीआरपी के हत्थे चढ़ीं बिहार की दो महिला चोर

मऊ । थानाध्यक्ष जीआरपी दीपक कुमार चौधरी के नेतृत्व में मंगलवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चेकिंग अभियान के दौरान मुखबिर की सूचना पर रेलवे पुलिस ने मऊ जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 2 से बिहार की निवासी दो शातिर महिला चोरों को गिरफ्तार कर लिया। रेलवे पुलिस टीम ने गिरफ्तार शातिर महिला चोरों के पास से चोरी का एक मंगल सूत्रए सोने का एक जोड़ी झुमकाए चांदी की एक जोड़ी पायल बरामद किया।

सकलडीहा सीओ अनिरूद्ध को सिल्वर सम्मान

सकलडीहा,चंदौली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक की ओर से सकलडीहा सीओ अनिरूद्ध सिंह की शौर्य को लेकर सिल्वर सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। सकलडीहा सीओ अनिरूद्ध सिंह डिप्टी एसपी के पद रहते हुए कई सराहनी योगदान किया है। जिसके लिये पूर्व में कई बार अधिकारियों द्वारा सम्मानित किये जा चुके है। पुलिस पद पर रहते हुए आम जनता और समाज के लिये किये गये सराहनी योगदान के लिये उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक की ओर से पुलिस के अधिकारी से लेकर सिपाही को विभिन्न मेडल से सम्मानित करने का निर्देश जारी हुआ है।

शराब के साथ कच्ची शराब की खेप बरामद

गाजीपुर। जनपद में मंगलवार को अवैध मदिरा के समूल नाश के क्रम मे आबकारी आयुक्त द्वारा दिए गए आदेश के अनुपालन में अनवरत जारी प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत उप आबकारी आयुक्त वाराणसी प्रभार एवम ज़िला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक छेत्र नीरज पाठक आबकारी निरीक्षक क्षेत्र आबकारी निरीक्षक क्षेत्र राज किशोर आबकारी निरीक्षक क्षेत्र जमशेद आलम आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 6 सुरेश चंद्र द्वारा मय स्टाफ़ सदर कोतवाली अंतर्गत ग्राम ढीलिया में दबिश कार्यवाही की गई।

कैदियों को दी गयी खेल सामग्री

गाजीपुर। गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या पर चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा और प्रांतीय सचिव जीके पाठक के दिशा निर्देशन में जिला कारागार में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के जोन सचिव व जेल पर्यवेक्षक वाराणसी मयंक कुमार सिंह के नेतृत्व में जोन एवं जिला अपराध निरोधक समिति के पदाधिकारीयों के साथ जिला कारागार में कैदियों के मानसिक तनाव को कम करने के लिए कैरम बोर्ड, चेस बोर्ड, रैकेट बैडमिंटन, लूडो इत्यादि वस्तुएं उपलब्ध कराया गया है।

सीएमओ ने दिलवायी मतदाता जागरूकता शपथ

गाजीपुर। 25 जनवरी को मतदाता जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसको लेकर जनपद के समस्त विभागों में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाने का निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरगोविंद सिंह ने विभाग में कार्यरत समस्त कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाया। शपथ ग्रहण के दौरान एसीएमओ डॉ केके वर्मा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ उमेश कुमार कर्मचारी गण मौजूद रहे।

निर्भिक होकर प्रलोभन से प्रभावित हुये बिना अपने मताधिकार का करें प्रयोग : जिलाधिकारी

सोनभद्र। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी टीके शिबु ने अधिकारियों कर्मचारियों स्कूल के छात्र छात्राओं को शपथ दिलायी। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में शपथ दिलाते हुए कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगें तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भिक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें। इस दौरान लखनऊ में आयोजित राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनन्दी बेन पटेल, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम राष्ट्रीय मतदाता दिवस का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट के सभागार में उपस्थित जिला निर्वाचन अधिकारी टी के शिबु, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश सिंह, अधिकारीगण, कर्मचारी व स्कूल के छात्र-छात्रओं द्वारा देखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत में जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में दीप प्रज्जवलन कर, मॉ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

एक करोड़ पचीस लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा

सोनभद्र। एक मुट्ठी आसमाँ थीम, गरीबों तथा समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए भरोसा, दृढ़ निश्चय तथा आशा का प्रतीक है। विधिक सेवा प्राधिकरणों का गठन समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त एवं सक्षम विधिक सेवाओं को प्रदान करने के लिए, ताकि आर्थिक या किसी भी अन्य कारणों से कोई भी नागरिक न्याय पाने से वंचित न रहें तथा लोक अदालत का आयोजन करने के लिए किया गया है, जिससे कि न्यायिक प्रणाली समान अवसर के आधार पर सबके लिये न्याय सुगम बना सके।

ग्रामीणों को मतदान करने के लिए दिलायी गयी शपथ

बीजपुर/सोनभद्र। मतदान दिवस के अवसर पर मंगलवार को बीजपुर थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा डोडहर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में ग्राम प्रधान के पी पाल की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साथ उन्हें मतदान के उद्देश्य से भी अवगत कराया गया। इस दौरान ग्रामीणों को मतदान करने के लिए शपथ भी दिलाया गया।

प्रचार-प्रसार में प्रयुक्त होने वाले वीडियो, डिजिटल वैन के लिये लेनी होगी अनुमति

मीरजापुर। जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिला मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार लक्षकार ने अपने एक ओदश के तहत अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के दिशा निर्देश के क्रम में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दौरान राजनैतिक दलोंध्प्रत्याशियों को कोविड प्रोटोकाल दृष्टिगत वीडियोध्डिजिटल वैन के माध्यम से प्रचार प्रसार किये जाने से सम्बन्धित निर्देशो को परिचालित किया गया हैं। प्रचार प्रसार में वीडियोध्डिजिटल वैन की अनुमति प्राप्त करने के लिये दिये गये निर्देशो का अनुपालन करते हुये अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

टिकट न मिलने पर सपा में फूट

●पूर्व विधायक ताहिर सिद्दीकी ने सपा को उखाड़ फेंकने की भरी हुंकार

संवाददाता। कन्नौज

राजनीति की भी अजीब दास्तां है, कल तक जो जिन्दाबाद के नारे लगाते थे टिकट कटते ही मुर्दाबाद करने लगे। पार्टी मुखिया को मुख्यमंत्री बनाने के दावे करने बाले नेताजी अब उसी पार्टी को उखाड़ फेंकने की बात कह रहे हैं।

कन्नौज जनपद के छिबरामऊ विधानसभा सीट से अरविन्द यादव का टिकट फाइनल होने के बाद से समाजवादी पार्टी में फूट पड़ गई। सैंकड़ों समर्थकों समेत बागी हुए पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी को कन्नौज समेत फर्रुखाबाद जिले में उखाड़ फेंकने की घोषणा कर दी। पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि छिबरामऊ विधानसभा सीट से उन्हे टिकट देने का भरोसा दिलाया गया था, लेकिन अंत समय पर टिकट न देकर सपा मुखिया ने उनका भरोसा तोड़ा है। ताहिर हुसैन ने समर्थकों के मध्य दावा किया कि वह छिबरामऊ विधानसभा से चुनाव अवश्य लड़ेगें। पूर्व विधायक के समर्थन में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन हुसैन, पूर्व चेयरमैन दिनेश यादव समेत सपा के कई कद्दावर नेताओं ने जनसभा को सम्बोधित किया और अपनी ही पार्टी के फैसले का पुरजोर विरोध किया। उम्मीद जताई जा रही है कि पूर्व विधायक अपनी पुरानी पार्टी बसपा में बापस जा सकते हैं और बसपा की टिकट पर छिबरामऊ से चुनाव लड़ सकते हैं।

अल्पसंख्यकों ने सपा के सदर प्रत्याशी सुमन मौर्य का किया विरोध

संवाददाता। फर्रुखाबाद

ना जान ना पहचान मै तेरा मेहमान वाली कहावत सपा की सदर सीट को लेकर हो रही है। सपा ने सदर सीट से बाहरी प्रत्याशी सुमन मौर्य को मैदान में उतार दिया। जिसका मंगलवार को अल्पसंख्यकों नें विरोध कर सपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। पूर्व सभासद असलम शेर खान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के सपा कार्यकर्ता व सभासद सपा के आवास विकास पार्टी कार्यालय पर पंहुचे और सपा और महान दल गठबंधन प्रत्याशी सुमन मौर्य का विरोध किया। उन्होंने जिलाध्यक्ष नदीम अहदम फारुखी और जिला महासचिव मंदीप यादव को पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव को संबोधित पत्र सौंपा। जिसमे कहा है कि सपा नें सदर सीट पर जो फैसला किया है जिसकी शायद आपको पूरी जानकारी नही दी गयी। उन्हें जो टिकट दी गयी है वह बाहरी प्रत्याशी है। पहले भी सदर से जिन बाहरी प्रत्याशियों को चुनाव जिताया गया उनका अनुभव पूरी तरह खराब है।

फिलहाल अल्पसख्यकों नें सदर की टिकट पर पुनः विचार करनें की मांग की है। यह ध्यान नही दिया तो वर्तमान सपासपा के सदर प्रत्याशी को जितवाना सम्भव नही होगा। इस दौरान जावेद अंसारी, रफी अंसारी, मो0जुबैर खान, रईस खान, निसार अंसारी आदि रहे।

116 नये संक्रमित

फर्रुखाबाद। मंगलवार को जिले में आयी कोरोना रिपोर्ट में महिला चिकित्सक सहित कुल 116 मरीज नये संक्रमित निकले है। विकास खंड शमशाबाद में 22 नये कोरोना संक्रमित, राजेपुर ने 9 कोरोना पॉजिटिव मिले है। नवाबगंज में 7, कायमगंज में एक दर्जन, बढ़पुर विकास खंड क्षेत्र में 32, दो मोहम्मदाबाद में संक्रमित मिले है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं आर्मी नं0 4190209–X हवलदार महेश चन्द्र, यूनिट–9, कुमांउ मार्फत 56 ए पी ओ, मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश BHAWANA दर्ज हो गया है जो कि गलत है उसका वास्तविक नाम BHAWANA KAPRI है जिसे मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाना नितान्त आवश्यक है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमती नगर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड टाईप–4/95 इन्द्रलोक विद्युत कालोनी, मानस नगर, कृष्णानगर, लखनऊ अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–08/वि0जा0खं0(वि0)गो0न0/ल0/ई–टेन्डर/2021–22 अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक–पृथक ई–निविदायें अनुभवी ठेकेदारों से ई–टेण्डरिंग पोर्टल http:// etender. up.nic.inके माध्यम से ऑन लाईन आमंत्रित की जाती हैं :– **क्र0सं0** 1 **निविदा विशिष्ट संख्या** 34/ वि0जा0 ख0(वि0)गो0न0/ई–टेण्डर/2021–22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), टाईप–4/89 इन्द्रलोक हाइडिल कालोनी, कृष्णानगर, लखनऊ में वर्क स्टेशन के निर्माण कार्य **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक **क्र0सं0** 2 **निविदा विशिष्ट संख्या** 35/ वि0जा0 ख0(वि0)गो0न0/ ई–टेण्डर/2021–22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), कृष्णानगर, लखनऊ एवं कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमतीनगर लखनऊ में अलमारियों की मरम्मत एवं स्प्रे पेन्टिंग के कार्य **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक **क्र0सं0** 3 **निविदा विशिष्ट संख्या** 36/ वि0जा0 ख0(वि0)गो0न0/ ई–टेण्डर/2021–22 **कार्य का नाम** कार्यालय मुख्य अभियन्ता (लखनऊ क्षेत्र), कृष्णानगर, लखनऊ के कार्यालय भवन में विविध जानपदीय अनुरक्षण कार्य। **कार्यावधि** 01 माह **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) (जी0एस0टी0 सहित)** 590.00 **धरोहर धनराशि (रु0)** 4,000.00 **निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय** 07.02.2022 सायं 5:00 बजे तक **निविदा खोले जाने का तिथि** 08.02.2022 सुबह 11:30 बजे तक निविदा प्रपत्र क्रय करने का मूल्य एवं धरोहर धनराशि जो "Executive Engineer, Electricity Civil Division (Distribution) Gomti Nagar" **के सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, आलमबाग, लखनऊ** के A/c No. 1277785019 एवं IFSC Code - CBIN0280140 में RTGS/NEFT के माध्यम से सीधे खाते में जमा की जायेगी एवं निविदा का विवरण एवं Pre-Qualification Condition ई–टेण्डरिंग पोर्टल http://etender. up.nic.in साइट पर देखा जा सकता है। **अधीक्षण अभियन्ता विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) गोमतीनगर टाईप–4/95 इन्द्रलोक विद्युत कालोनी, मानस नगर, कृष्णानगर, लखनऊ** पत्रांक : 867 दिनांक 24/1/2022 हेल्पलाईन नम्बर–18001800440 "राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें, बल्ब की जगह एल0ई0डी0 लगायें।

मेरी मंशा है कि मतदान 100 प्रतिशत हो: जिलाधिकारी

संवाददाता। कानपुर देहात

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बारहवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का कलेक्टेऊट सभाकक्ष में आयोजन किया गया, राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में कलेक्टेऊट के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा ऑनलाइन विभिन्न विद्यालयों के बच्चों व शिक्षक जुड़े। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को मतदाता दिवस पर शपथ दिलायी। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि 25 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाता है, यह इस समय और खास हो जाता है क्योकि विधान सभा चुनाव संन्निकट है, मतदान का अधिकार पाने के लिए नागरिकों ने एक लम्बा संघर्ष किया है, भारत इस मामले में विशेष हो जाता है क्योकि भारत उन गिने चुने देशों में से एक है जहां पर सर्वप्रथम महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला, व्यक्ति के जीवन को गरिमामयी बनाने में मतदान का अधिकार भी शामिल है, भारतीय निर्वाचन आयोग ने मतदान को सुगम और सरल बनाने के लिए अनेको प्रयास किये है, उनके इस प्रयास का परिणाम रहा है कि लगातार मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई है, हमारे जनपद में मतदान के सम्बन्ध में जेण्डर रेसियों बढ़ा है, जिलाधिकारी ने आगे कहा कि आप अपने मताधिकार का प्रयोग करके, सर्वश्रेष्ठ प्रत्याशी को मतदान कर सकते है, प्रत्याशी ऐसा हो जो अपनी सोच से न केवल जिला, प्रदेश बल्कि देश को भी आगे ले जा सके, यह अधिकार बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण है, आपको अपने जीवन काल में 15 से 16 बार मतदान के अवसर मिलते है उसमें से एक अवसर 20 फरवरी को होने वाले मतदान के लिए मिला है, इस लिए आप अपने इस अधिकार का प्रयोग करे और अपने मत का प्रयोग अवश्य करें।

ईको वैन में टक्कर लगने से गुस्साए लोगों ने ट्रक चालक को पीटा

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

भोगनीपुर थाना क्षेत्र के चौरा गांव के पास एक चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए आगे चल रही ईको स्पोर्ट गाड़ी में टक्कर मार दी। जिससे उसमें सवार कई लोग चुटहिल हो गए। गुस्साई लोगों ने ट्रक चालक की धुनाई कर दी। दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी है।

भोगनीपुर निवासी रामकिशोर ने बताया कि वह ईको स्पोर्ट गाड़ी में सवारी लेकर कालपी से भोगनीपुर जा रहा था। चौरा गांव के निकट एक ढाबा के पास एक चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए उसकी कार में टक्कर मार दी। जिससे उसमें सवार कई सवारियां चुटहित हो गई हैं। गुस्साई सवारियों ने चालक की पिटाई कर दी है। वहीं ईको स्पोर्ट गाडी भी क्षतिग्रस्त हो गई है। गोरखपुर निवासी ट्रक चालक रविंदर यादव ने बताया कि ईको गाड़ी में सवार लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी है। उससे एक मोबाइल फोन एवं पांच हजार रूपए भी छुड़ा लिया है। कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पति ने पत्नी को पीटा, पुलिस ने भेजा जेल

पुखरायां। कानपुर देहात भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकोढी गांव में पति ने शराब पीकर अपनी पत्नी की पिटाई कर दी। पत्नी की शिकायत पुलिस ने पति को शांतिभंग के आरोप में जेल भेज दिया है। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के अकोढ़ी निवासी रामदीन की पत्नी रेखा देवी ने बताया कि उसका पति आएदिन शराब पीकर गालीगलौज और मारपीट करता है। मना करने पर तोड़फोड़ करता है। गृहस्थी का सामान तोड़ने लगता है। सोमवार को भी शराब पीकर गाली गलौज कर रहा था। मना करने पर लाठी–डंडों से पिटाई कर दी। पत्नी की शिकायत पर भोगनीपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर पति को गिरफ्तार कर शांति भंग के आरोप में जेल भेजा है।

पहले दिन नामांकन का नहीं खुला सका खाता, लिये गए 33 पर्चे

संवाददाता। फर्रुखाबाद

मंगलवार को नामांकन का प्रथम दिन था। लेकिन उनका खाता नही खुल सका। केबल उम्मीदवारों नें कुल 33 पर्चे लिये। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक चौबंद रखी गयी। सीआईएसएफ व पुलिस के जबान चप्पे–चप्पे पर मुस्तैद रहे।

नामांकन के प्रथम दिन विधान सभा कायमगंज के लिए सपा के तीन पर्चे, बसपा के दो पर्चे और कांग्रेस की तरफसे एक पर्चा लिया गया। निर्दलीय दो नें पर्चा लिया। वहीं अमृतपुर से भाजपा का एक, आम आदमी पार्टी का एक व निर्दलीय 06 पर्चे लिये गये। सदर विधान सभा से बीजेपी की तरफसे 1 व निर्दलीय 11 लोगों नें पर्चे लिये, भोजपुर विधान सभा का भाजपा के 1 व समाजवादी पार्टी की तरफसे 1 व निर्दलीय की तरफसे 3 पर्चे लिये गये। इस हिसाब से कायमगंज 8, अमृतपुर में 8, सदर विधान सभा में 12, भोजपुर में 5 पर्चे लिए गये। इस तरह सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली प्रक्रिया में कुल 33 पर्चे लिये गये।

अधिवक्ताओं ने जताया विरोध

बुधवार को एनआईसी कार्यालय की तरफ बाहर सड़क पर भारी संख्या में फोर्स लगा दी गयी थी। जिससे भीतर किसी को भी जानें की इजाजत नही दी गयी। यहाँ तक की मीडिया को भी सड़क पर ही रोंक दिया गया। अधिवक्ताओं को रोंके जानें पर वह खफा हो गये। जिसके बाद अधिवक्ताओं ने डीएम से भेट कर उन्हें बैठनें से रोंके जानें का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

डीएम-एसपी पल-पल की लेते रहे खबर

जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, एसपी अशोक कुमार मीणा ने पैदल गस्त कर पुलिस व्यवस्था व नामांकन प्रक्रिया को निरीक्षण किया और अवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्ट्रेट के आस–पास की दुकानें बंद करा दी गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह नें बताया कि कुल 33 फार्म लिए गये है। अभी किसी नें भी नामांकन नही कराया है।

टिकट कटने के बाद अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र में विरोध के स्वर मुखर

संवाददाता। फतेहपुर

शहर के प्रयागराज बाईपास स्थित प्रजापति भवन में प्रदेशीय प्रजापति महासभा की अयाह शाह विधानसभा सीट को लेकर संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता राम विशाल प्रजापति ने, संचालन शिवशरन प्रजापति ने किया। बैठक में रीता प्रजापति को समाजवादी पार्टी के द्वारा टिकट ना मिलने के चलते गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रजापति समाज के लोगों का कहना है की पिछली बार भी विधानसभा चुनाव में रीता प्रजापति का टिकट फाइनल करने के बाद दूसरी पार्टी से आए हुए व्यक्ति को टिकट दे दिया गया। इसे समाज के लोगों ने पिछली बार भी बर्दाश्त नहीं किया था किंतु इस बार भी अयाह शाह विधानसभा से दावेदार रीता प्रजापति का टिकट ना देकर विशंभर प्रसाद निषाद को टिकट दिया गया। जिसका प्रजापति समाज विरोध करता है। इस बार समाज के लोग विरोध करते हुए विधानसभा सीटों में सपा का भरपूर विरोध करके प्रत्याशियों को हराने का काम करेंगे। इन लोगों ने कहा अयाह शाह विधानसभा में समाज के लगभग 10 प्रधान हैं व दो जिला पंचायत सदस्य हैं। जब कि लगभग 20 से 25 हजार प्रजापति समाज का मतदाता है। किस आधार पर टिकट काटकर समाज को हक से वंचित किया गया है। पार्टी हाईकमान से मांग किया कि प्रजापति समाज के लिए पुनः अयाह शाह विधानसभा के टिकट पर विचार करे। इस अवसर पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश प्रजापति, रामादेवी, राकेश कुमार प्रजापति, मन्नीलाल, दयाशंकर, मनोज प्रजापति, गोरेलाल, दिनेश कुमार, रविंद्र कुमार, डॉ0 सीताराम आदि मौजूद रहे।

मतदान से संवरेगा राष्ट्र का भविष्य: डीएम

संवाददाता। कन्नौज

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने आमजन से आगामी विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान की अपील की। उन्होने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि मतदाता बन लोकतंत्र को और मजबूत बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। देश का भविष्य आपके शत प्रतिशत मतदान पर निर्भर है एक–एक वोट बहुमूल्य है एवं निर्णायक भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार ने मौजूद अधिकारियों व आमजन को मतदान की शपथ दिखाई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा द्वारा भी 11 मतदान का महत्व समझाते हुए कई उदाहरण दिए एवं बताया कि भारत उन प्रथम देशों में आता है जिन्होंने मतदान का सार्वभौमिक अधिकार प्रत्येक भारतीय को दीया है। उन्होंने उपस्थित जनता को निर्भीक होकर मतदान करने हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने संदेश देते हुए बताया कि कोई भी मतदान करने से डरा रहा हूं या किसी अमुक व्यक्ति को वोट देने हेतु धमका रहा हो, ऐसे व्यक्ति की शिकायत आप 112 पर करें, जिसपर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि आप सभी घर से कदम निकाले और घर से लेकर बूथ तक हम आपकी सुरक्षा के लिए तत्पर हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी गजेंद्र कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन जनता को मतदाता बनने और जो मतदाता है उनको मतदान दिवस पर मतदान करने हेतु प्रेरित करने हेतु किया जाता है। उन्होंने कहा की एक–एक मतदान निर्णायक होता है और अपनी महती भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर विकल्प श्री द्वारा भी 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस एवं भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना दिवस को मनाने की जरूरत के बारे में विस्तार से बताया एवं इससे पूर्व छात्र विकास यादव द्वारा आल्हा गायन के माध्यम से मतदान करो का संदेश दिया। शिक्षा विभाग द्वारा मतदाताओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक कठपुतली कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित रंगोली, संगीत, गीत, भाषण, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी समानित कर उत्साहवर्धन किया गया।

उन्होंने गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गोमतीदेवी गर्ल्स इ0का0 कन्नौज के 03 बच्चों को द्वितीय स्थान पर रा0 अभिनव विद्यालय, गंगधरापुर के 03 बच्चों को एवं 07 अन्य छात्र छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार दिए एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशी यादव पुत्री शिवनाथ यादव, अभिनव विद्यालय, गंगधरापुर को, द्वितीय स्थान पर बॉबी पुत्र श्री राम कुमार लाला श्याम लाल इंटर कॉलेज कन्नौज को, तृतीय स्थान पर अनन्या मौर्य पुत्री श्री संतराम कुशवाहा सुशीला देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज कन्नौज को एवं अन्य 07 अन्य छात्र छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

राष्ट्रपति देंगे एएसपी को सराहनीय सेवा मेडल

फतेहपुर। वर्ष 1992 बैच के पीपीएस अधिकारी राजेश कुमार इस समय जनपद में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व क्षेत्राधिकारी के रूप में जनपद कौशांबी, कानपुर नगर, महाराजगंज, वाराणसी, गोरखपुर, फैजाबाद, लखनऊ, जौनपुर आदि जनपदों में कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2008 में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत के पश्चात एसपी सुरक्षा कुंभ मेला, अपर पुलिस अधीक्षक रायबरेली, अपर पुलिस अधीक्षक महाराजगंज, एसपी सिटी शाहजहांपुर, एसपीआरए कानपुर नगर, इटावा, डायल 112 लखनऊ में कार्य कर चुके हैं। गृह मंत्रालय द्वारा इन्हें सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक प्रदान किया गया है। 26 जनवरी के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सराहनीय सेवा मेडल (पुलिस पदक) एवं पुलिस महानिदेशक द्वारा सिल्वर कमेंडेशन डिस्क प्रदान किया जायेगा।

क्विक न्यूज

महिला चौकी इंचार्ज के पति पर चौकी इंचार्ज बन कर उगाही करने का आरोप

फतेहपुर। जनपद के थाना कोतवाली बिंदकी की महिला चौकी में तैनात महिला दरोगा के पति पर लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए वसूली किए जाने की बात कही गई है। लोगों को कहना है कि महिला चौकी इंचार्ज का पति चौकी में बैठकर स्वयं को चौकी इंचार्ज बताता है और लोगों से धमका कर वसूली करता है। यही नहीं वह स्टाफ के लोगों से भी वसूली करता है। जानकारी के अनुसार महिला चौकी इंचार्ज के पति ने सरहन निवासी अनीता पाल से 05 हजार रूपये व उसके पति संजय पाल से 08 हजार रूपये इसी तरह कोतवाली क्षेत्र के एक फौजी से 10 हजार रूपये और उसकी पत्नी से 02 हजार रूपये, शाहबाजपुर के एक व्यक्ति से 03 हजार रूपये लिए जाने की बात कही गई है। मालूम हो कि जिनसे वसूली की गई है उनमें पति पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। जिसे सुलझाने के नाम पर उक्त महिला चौकी इंचार्ज के पति ने उगाही की है। चौकी में तैनात स्टाफ ने दबे स्वर में बताया कि उनको भी धमका कर वसूली की जाती है और कहा जाता है कि यदि उन्होंने नहीं दिया तो उनके खिलाफ गोपनीय रिपोर्ट भेज दी जाएगी। लोगों ने पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी से उक्त चौकी इंचार्ज के पति द्वारा की जा रही उगाही की जांच करा कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

सर्राफा के घर के ताले तोड़कर नकदी-जेवरात चोरी

फर्रुखाबाद। बीती रात सूने पड़े सर्राफा के घर के ताले तोड़कर नकदी जेबरात साफ कर दिया गया। सुबह जानकारी होनें पर सूचना पुलिस को दी। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। शहर कोतवाली के मोहल्ला कछियाना निवासी विमलेश मिश्रा पुत्र शिव नन्दन मिश्रा मूल रूप से पड़ोसी जनपद हरदोई के बड़ा गाँव के निवासी है। उनकी सेठ गली में सर्राफा की दुकान है। उनके छोटे भायी अजय की 9 फरवरी को शादी है। लिहाजा विमलेश की पत्नी मोनी दो दिन पूर्व ही गाँव चली गयी थी। विमलेश बीते दिन शादी के कार्ड बांटने के लिये निकले थे। देर होनें पर वह भी अपने गाँव में ही रुक गये। सुबह उनके पड़ोसी ज्ञान प्रकाश नें उनके घर के मुख्य द्वार का ताला टूटे होनें की सूचना दी। जिसके बाद विमलेश घर पंहुचे। चोरों नें उनके मुख्य द्वारा का ताला तोड़कर कमरें का ताला तोड़ा, इसके साथ ही अलमारी को तबे से तोड़कर उनके भाई अजय के विवाह के लिए रखे ढाई लाख नकद और सोने–चांदी के जेबरात साफ कर दिये। सूचना मिलने पर कादरी गेट चौकी पुलिस नें मौके पर जाकर पड़ताल की। कादरी गेट चौकी प्रभारी राजेश राय नें बताया कि सूचना मिली है। छानबीन की जा रही है।

आलू के भाव में 20 रुपये तक की गिरावट

फर्रुखाबाद। सातनपुर मण्डी में मंगलवार को आलू के भाव में नमी आई लेकिन आमद में बढ़ोत्तरी हुई। सुबह कड़ाके की ठण्ड में आलू के भाव में सर्द रहे। भाव में 20 रुपये तक का गिरावट आई। आलू की आमद मंगलवार को 125 से 130 मोटर तक रही। आलू 581 रुपये कुंतल से 671 रुपये कुंतल तक बिका। काली मिट्टी का आलू 625 रुपये में बिका। पीली मिट्टी का छट्टा आलू 701 रुपये तक बिका।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने एलईडी वैन को दिखाई हरी झंडी

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में पांच एलईडी वैन को भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एलईडी वैन अलग–अलग विधानसभा में जाकर पार्टी के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को बतायेंगी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनपद में 06 विधानसभा है। 05 विधानसभा में एलईडी वैन आ चुकी है। एक देर शाम तक पहुंच जाएगी। इस तरीके से सभी विधानसभा में घूम–घूम कर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा जो भी आम जनमानस के लिए योजनाएं समर्पित की गई है। उनको बताने का काम करेंगे। इस अवसर पर जिला प्रवासी सदानंद गौतम, विधानसभा प्रवासी विनय पटेरिया, जिला उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह गौतम, जिला मंत्री कुलदीप सिंह भदौरिया, राम प्रताप सिंह गौतम, नगर अध्यक्ष संजय मोदनवाल, पंकज त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव, उमेश अग्रहरी आदि मौजूद रहे।

कब्रगाह की जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के सनगांव में दबंगों द्वारा आठ दशक पुरानी कब्रगाह की जमीन पर अवैध कब्जा का विरोध करने पर गाली गलौच, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह को शिकायती पत्र देकर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही कर जमीन कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की है। शिकायती पत्र में सनगांव निवासी हफीज की पत्नी मरजीना ने बताया कि उसके व परिजनों के नाम गांव में जमीन है। जिस पर इनके पूर्वजों की कब्रिस्तान हैं। इस पर परिवार के लोगों को दफनाया जाता रहा है। आरोप है कि कब्रिस्तान की जमीन पर गांव के ही मासूक, खालिक व नफीस जो अपराधी क़िस्म के लोग हैं। यह लोग अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। जानकारी मिलने पर जब वह मौके पर पहुंची तथा जमीन पर कब्जा करने का विरोध किया तो सभी ने एकराय होकर गाली देते हुये मारपीट पर उतारू हो गये व अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। पीड़िता ने एसपी को शिकायती पत्र देकर दबंगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर जमीन को मुक्त कराये जाने की मांग की है।

एन्टी रोमियो टीमों ने चलाया चेकिंग अभियान

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में महिलाओं सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु जनपद मे चलाए जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियो टीमों द्वारा अपने–अपने थाना क्षेत्र में बाजारध्रेलवे स्टेशन/बस स्टैण्ड/सार्वजनिक स्थानों में एण्टी रोमियो चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान बिना वजह घूम रहे लड़को को ब्रीफ किया गया। साथ ही महिलाओं वार्ता कर से उनकी सुरक्षा के सम्बन्ध में सुझाव दिये गये व यू0पी0 पुलिस द्वारा चलायी जा रही सुरक्षा सम्बन्धी एप्लीकेशन यूपी0 112/वूमेन पावर लाइन 1090/यूपी0 कॉप एप एवं पुलिस मीडिया सेल के बारे मे जानकारी देकर जागरूक करते हुए सुरक्षा भावना का अहसास कराया गया। कोविड–19 के गाइड लाइन का पालन करने तथा अनावश्यक रूप से घूमने पर मना किया गया, सभी लोगो से मास्क लगाने की अपील की गयी। इस मौके पर महिला एंटी रोमियो टीम व कोतवाली टीम द्वारा आईटीआई आदि जगहों पर लोगो को जागरूक किया गया।

जिला प्रशासन एकादश ने पत्रकार एकादश को हराया

फतेहपुर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला प्रसाशन एकादश बनाम पत्रकार एकादश के मध्य 10–10 ओवर का क्रिकेट मैच हुआ। क्रिकेट मैच का शुभारंभ जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्रीमती अपूर्वा दुबे द्वारा बैटिंग एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बॉलिंग करके किया। जिसमें प्रशासन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 08 विकेट खोकर 116 रन बनाये जवाब में पत्रकार एकादश की टीम ने 09 विकेट खोकर 71 रन बनाए। जिला प्रशासन एकादश ने पत्रकार एकादश को 45 रन से हरा दिया। जिलाधिकारी ने विजेता व उपविजेता टीम के कप्तान को ट्राफी दी और जिला प्रशासन की तरफसे मैन ऑफद मैच राहुल को दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मैच खेलकर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए मतदाताओ से अपील की। इस अवसर पर काफी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

सेव द गर्ल चाइल्ड विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन

फतेहपुर। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनुराधा शुक्ला ने बताया कि प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद के दिशा–निर्देशन में नेशनल गर्ल चाइल्ड डे के अवसर पर बालिकाओं को विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य कार्यक्रम आयोजित किए गए कोरोना महामारी के दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन वर्चुअल/ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

नाराज संतों की मांगें पूरी, कमिश्नर का जताया आभार

● स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज ने खुशी जाहिर करते हुए मौनी अमावस्या स्नान करने का लिया निर्णय

मठ मछली बंदर शिविर पहुंचे कमिश्नर और आईजी साथ में दंडी स्वामी स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज।

प्रयागराज। माघमेला क्षेत्र के सेक्टर चार दंडी स्वामी नगर स्थित मठ मछली बंदर के शिविर में मंगलवार को अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति की आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता मठ मछली बंदर के पीठाधीश्वर दंडी स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने की। बैठक के जरिए माघमेला क्षेत्र में तमाम शिविरों में साधु संतों की छुटी हुई सुविधाएं मुहैया कराने और मेला क्षेत्र में अनुमन्य संतों को कथा प्रवचन के लिए मंच और पंडाल जारी किए जाने के कमिश्नर प्रयागराज संजय कुमार गोयल के आदेश का तमाम संतों ने करतल ध्वनि और हर हर महादेव के नारे से स्वागत किया।

कमिश्नर संजय कुमार गोयल द्वारा लिए गए निर्णय को लेकर तमाम साधु संतों ने बैठक कर खुशी जाहिर की। इसके मद्देनजर दंडी स्वामी विमलदेव आश्रम जी महाराज ने कहा कि मौनी अमावस्या के मुख्य पर्व पर मेला प्रशासन के प्रति अपनी भिन्नता को दूर करते हुए सभी संतों ने गंगा स्नान करने का भी निर्णय लिया है। गौरतलब है कि मेला प्रशासन ने गत दिनों कथित साधु संतों को कथा और प्रवचन के लिए पंडाल जारी कर दिया था। जिसका कुछ बड़े संत महात्माओं ने खुला विरोध किया था। जिसका प्रकाशन भी तमाम समाचार पत्रों में हुआ था। दो दिन पहले मठ मछली बंदर के शिविर में हुई साधु संतों की बैठक में मेला प्रशासन कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी गयी थी। साथ साथ ही यह भी चेताया गया था कि अगर तीन दिन में सुविधाएं नहीं मिलीं तो संत आंदोलन और घेराव करने को बाध्य होंगे। संतों की नाराजगी को देखते हुए मेला प्रशासन ने संतों की तमाम मांगों को मानते हुए सुविधाएं जारी कर दीं। वहीं मठ मछली बंदर के शिविर में मंगलवार को पहुंचे कमिश्नर संजय कुमार गोयल और आईजी रेंज डा राकेश सिंह का स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज ने आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दंडी स्वामी विमल देव आश्रम जी महाराज चौसठी मठ के महंत स्वामी प्रकाश आश्रम समिति के महामंत्री विश्व स्वरूप ब्रम्हचारी स्वामी गोविंद आश्रम भार्गव आश्रम सुदर्शन आश्रम अरविंद आश्रम स्वामी प्रणव आश्रम वासुदेव आश्रम विजेंद्र आश्रम महेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी राजेश स्वरूप शांता आश्रम योगेंद्र स्वरूप ब्रम्हचारी सुभाष स्वरूप समेत सैकड़ों संत महात्मा उपस्थित रहे। यह जानकारी अखिल भारतीय दंडी संन्यासी प्रबंधन समिति के कार्यालय मंत्री महेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी ने दी।

जगतगुरु परमहंस आचार्य ने किया अयोध्या सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की मांग लेकर को आमरण.अनशन करने वाले तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने बड़ी घोषणा किया है। वह अयोध्या विधानसभा से विधायकी का चुनाव लड़ेंगे। मोदी.योगी के नाम पर वोंट मांगकर रिकार्ड मतों से जीत भी दर्ज करेंगे। मंगलवार को अपने आश्रम पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा ने राष्ट्रवाद की स्थापना किया है। पीएम मोदी से पूरा देश प्रभावित है। वह पूरे 24 घंटे राष्ट्र के लिए काम कर रहे हैं। जिस तरीके से मोदी.योगी के कार्यकाल में अयोध्या का विकास हुआ है। ठीक वैसा ही जन प्रतिनिधि अयोध्या को चाहिए। योगी के बारे में जब हम साधु.संतों को पता चला कि वह अयोध्या विधानसभा से विधायकी का चुनाव लड़ेंगे। संतों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस खुशी में हम संतों ने मिठाई बांटा था। लेकिन जब संतों को पता चला कि सीएम योगी अयोध्या से चुनाव न लड़कर गोरखपुर से लड़ेंगे। तो इससे हम साधु.संत बहुत ही निराश और खफा हैं। परमहंस आचार्य ने कहा अयोध्या से उचित जनप्रतिनिधि न मिलने के कारण हमने निर्णय लिया है कि यहां से अगर भाजपा हमको टिकट देती है। तो मैं अयोध्या विधानसभा से भाजपा के टिकट पर विधायकी का चुनाव लड़ूंगा। यदि टिकट नही मिला तो निर्दल चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं। साधु.संत व धर्माचार्य है। उनके मठों का बिजली.पानी बिल माफहोना चाहिए। संतों को उचित सम्मान मिले। मौलवियों को अगर वेतन मिल सकता है। तो हमारे संतों को वेतन क्यों नही मिलता है। संतों ने देश को आगे बढ़ाने में अपने पूरे जीवन का त्याग किया है। आज भारतीय संस्कृति भी इन्हीं के कारण बची हुई है। इसलिए अयोध्या के हमारे जो साधु.संतए धर्माचार्य हैं। वह तभी संभव जब उस विचारधारा का कोई जनप्रतिनिधि होगा। इसलिए मैं एलान करता हूं कि अयोध्या से चुनाव लड़ूंगा। जगद्गुरु ने कहा कि भाजपा टिकट देती है तो ठीक है। टिकट मांगने नही जाऊंगा। मैं धर्माचार्य हूं। निर्दलीय चुनाव लड़ लूंगा मंजूर है। मैंने राममंदिर के लिए आमरण.अनशन किया।

इफको फूलपुर कृषि में बढ़ा रहा नवाचार की ओर कदम

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड, न केवल भारत में बल्कि दुनिया में उर्वरक उद्योग में अग्रणी है। इसकी स्थापना 3 नवंबर, 1967 को हुई थी। इफको पूरे देश में पांच मेगा उर्वरक परिसरों का संचालन कर रहा है। इफको भारत में लगभग 32 प्रतिशत फॉस्फेटिक और 21 प्रतिशत नाइट्रोजन उर्वरकों की मांग में योगदान देता है। आज इफ्को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है जिसकी वैश्विक उपस्थिति सेनेगल, ओमान, दुबई और जॉर्डन में है।

इफ्को वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर रिपोर्ट द्वारा प्रति व्यक्ति टर्नओवर जीडीपी के आधार पर दुनिया की शीर्ष 300 सहकारी समितियों में प्रथम स्थान पर है। यह समाज और भारत की संपूर्ण सहकारी बिरादरी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि और गौरव का क्षण है। इफ्को में हम सहकारी समितियों और किसानों की सेवा करने की दिशा में काम करते हैं और किसान की आय के लिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करते हैं। इफ्को प्रधानमंत्री के ष्सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण के लिए भी प्रतिबद्ध है और देश भर में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए समर्पित है। डॉ यू एस अवस्थी के दूरदर्शी और सक्षम नेतृत्व में इफ्को ने सफ्लतापूर्वक दुनिया का पहला नैनो यूरिया पेश किया है, जो मानव जाति के लिए सदी का नवाचार है।

नैनो उर्वरक उच्च पोषक तत्व दक्षता के साथ पर्यावरण के अनुकूल हैं और उनका उपयोग भूमिगत जल की गुणवत्ता पर एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव देगा और ग्लोबल वाममिंग में महत्वपूर्ण कमी को बढ़ावा देगा।

कलोल इकाई में नैनो यूरिया का वाणिज्यिक उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है, अब तक 1.97 करोड़ 500 मिली बोतल (8.85 लाख मीट्रिक टन यूरिया के बराबर) का उत्पादन किया गया है और इसी तरह के संयंत्रों को प्रयागराज में फूलपुर सहित पूरे भारत में विभिन्न्ह स्थानों पर स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है। चूंकि (0512-19 पूरी दुनिया में खाद्य सुरक्षा को चुनौती दे रहा है, इफ्को ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए इस अवधि के दौरान इसके संयंत्र पूरी तरह से चालू रहें। इफ्को फूलपुर ने स्थानीय प्रशासन की मदद से टाउनशिप में अपने कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों के लिए टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस में अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली शपथ

अम्बेडकरनगर। डीएम जिला निर्वाचन अधिकारी से सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का कार्यक्रम कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के शुभ अवसर पर मतदाताओं द्वारा लिया जाने वाला शपथ डीएम/ जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अपर जिलाधिकारी/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार कनौजिया तथा कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारी /कर्मचारी की उपस्थिति में दिलाया गया - 'हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India BOI
FINANCIAL INCLUSION DEPARTMENT, ZONAL OFFICE: STAR HOUSE, 2nd FLOOR, VIBHUTI KHAND, GOMTI NAGAR, LUCKNOW-226010, PH. 0522-2721547

BUSINESS CORRESPONDENTS REQUIRED

Applications are invited from suitable firms/companies for engagement as Corporate Business Correspondents with Branches of Bank of India, Lucknow Zone, purely on contract basis for implementation of its Financial Inclusion Plan. The prescribed form, eligibility norms and terms of engagement will be available with our Zonal Office Lucknow zone. Duly filled in applications supported by necessary copies of certificates must be submitted to the Zonal Office by **01.02.2022** for any query contact on 0522-2721547.

Dy. Zonal Manager, Lucknow Zone

लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश

कुप्रशासन **प्रदेश को भ्रष्टाचार/कुप्रशासन मुक्त बनाने हेतु जनता से अपील** भ्रष्टाचार

उत्तर प्रदेश शासन के समस्त विभाग, सरकारी कम्पनियॉ, सहायक सरकारी कम्पनियॉ, निगम, सोसाइटियॉ व परिषदों (जो अधिसूचित की गई) से संबंधित शिकायतों के मामले उदाहरणार्थ – लोक सेवकों के कुप्रशासन, भ्रष्टाचार एवं पद के दुरूपयोग आदि से संबंधित मामले तथा सेवानिवृत्त देयकों के भुगतान, मृतक आश्रित सेवायोजन, विकास प्राधिकरण एवं आवास विकास परिषद, निराश्रित एवं वृद्ध महिलाओं के पेंशन, अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के आरक्षण (सेवा) संबंधी मामले।

उत्तर प्रदेश राज्य के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारियों के साथ–साथ मंत्रीगण, विधायक, विधान परिषद सदस्य, महापौर, महापालिका, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतें तथा अध्यक्ष, जिला पंचायत भी सम्मिलित हैं। शासकीय लोक सेवकों के सेवानिवृत्त/सेवाकाल में मृत्यु से संबंधित देयकों के प्रकरण शिकायत की श्रेणी में आते हैं।

अभिकथन/शिकायत की प्रक्रिया

प्रदेश के लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त को अभिकथन तथा शिकायत सम्बन्धी परिवाद निर्धारित प्रपत्र पर तीन प्रतियों में (यथासंभव राजभाषा हिन्दी में) टंकित कराकर धारा–9(2) के अनुसार नोटरी शपथ पत्र एवं धारा–9(3) के अनुसार परिवाद, शपथ पत्र, संलग्नक/अनुलग्नक का सत्यापन परिवादी स्वयं के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करके एवं अभिकथन रूपी परिवादों में रू0 2000/– प्रतिभूति निर्धारित लेखा शीर्षक "8443 सिविल निक्षेप–00–103 प्रतिभूति निक्षेप–00–00" के अन्तर्गत भारतीय स्टेट बैंक अथवा कोषागार में चालान के माध्यम से जमा करके मूलप्रति सहित प्रस्तुत किया जा सकता है। साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि प्राप्त परिवाद मिथ्या/फर्जी पाया जाता है तो ऐसे परिवादियो पर लोक आयुक्त प्रशासन द्वारा 50,000/– तक की धनराशि का हर्जाना लगाया जा सकता है एवं प्रतिभूति की धनराशि जब्त की जा सकती है।

नोट– राज्य सरकार द्वारा ई–पेमेन्ट से भुगतान किये जाने के कारण, परिवादी अपना राष्ट्रीकृत बैंक का बचत खाता संख्या, बैंक व शाखा का नाम, जिला एवं आई0एफ0एस0सी0 कोड के साथ–साथ पासबुक की स्वप्रमाणित छायाप्रति, परिवाद दाखिल करते समय प्रतिभूति की धनराशि के मूल चालान के साथ उपलब्ध करायेंगे तभी उनको प्रतिभूति की धनराशि वापस किया जाना सम्भव होगा। परिवादी को अपना पूरा नाम, पता, मोबाइल नम्बर, ई–मेल के साथ अंकित करना चाहिए।

वर्तमान पता–टी0सी0–46/वी–1 विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 अथवा
पोस्ट बाक्स नम्बर–172, जी0पी0ओ0, लखनऊ, **फैक्स नं0** – (0522) 2306647
फोन नं0: (0522), 2728660, 2306088, 2728086, 2306412, 2306717, 2728865, 2306160 (पी0बी0 एक्स),
Web site - www.lokayukta.up.nic.in, E-mail :- lokayukta@hotmail.com

अनिल कुमार सिंह, सचिव, लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, श्रावस्ती

गणतंत्र दिवस 2022 की पूर्व संध्या पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ जननी शिशु सुरक्षा योजना एवं अन्य कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली निःशुल्क सुविधाएं

प्रेस विज्ञप्ति

- सभी गर्भवती मातायें, आशा बहू के माध्यम से अथवा सीधे महिला स्वास्थ्य कार्यकत्री से अपना पंजीकरण अवश्य करायें।
- टी0टी0 के टीके लगवायें तथा खाने के लिये आयरन फोलिक एसिड की गोलियां अवश्य ही प्राप्त करें।
- हीमोग्लोबीन तथा ब्लड प्रेशर अवश्य जांच करायें।
- समय–2 पर प्रसव पूर्व जांच कराकर उचित सलाह चिकित्सक/स्वास्थ्य कार्यकत्री से ही प्राप्त करें।
- प्रसव, निकटतम सरकारी अस्पताल/स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर ही करायें इसके लिये प्रत्येक गांव में कार्यरत आशा बहू से सहयोग प्राप्त करें।
- प्रसव के तुरन्त बाद नवजात शिशु को स्तनपान जरूर करायें।
- प्रसव उपरान्त पोस्ट नेटल जांच स्वास्थ्य कार्यकत्री से अवश्य ही करायें।
- सभी गर्भवती महिलाओं को चिन्हित स्वास्थ्य केन्द्रों/उपकेन्द्रों पर 102 एम्बुलेंस वाहन से निशुल्क आवागमन की सुविधा, भोजन, दवा तथा अन्य जांच की सुविधा उपलब्ध है एवं उनके खातें में बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा करने पर रू0 1400/– स्थानान्तरण की सुविधा उपलब्ध है।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रथम बार गर्भधारण करने वाली माताओं को तीन किश्तो में रू0 5000 की धनराशि निशुल्क प्रदान की जाती है।
- कोविड–19 का टीका पूर्णतया निशुल्क है। अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर अवश्य लगवायें।
- परिवार नियोजन कार्यक्रम के अन्तर्गत छाया गोली (साप्ताहिक), माला–एन, काण्डोम, ई0सी0 पिल्स, कापर टी0 तथा पुरूष एवं महिला नसबन्दी।

(डा0 ए0पी0 भार्गव)
मुख्य चिकित्साधिकारी, श्रावस्ती।

(नेहा प्रकाश) IAS
जिलाधिकारी, श्रावस्ती।

पत्रांक : मु0चि0अ0/विज्ञापन/21–22/2398 दिनांक : 25/01/2022

मेला प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी संत कुमार श्रीवास्तव हटाए गए

बैठक करते कमिश्नर संजय कुमार गोयल।

● 2019-20 में दी गई सुविधाओं को मानक मानते हुए 145 संस्थाओं की बढ़ाई गयीं सुविधाएं: कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

मेला प्रशासन कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी संत कुमार श्रीवास्तव से सुविधा आवंटन का प्रभार तत्काल प्रभाव से छीन लिया गया। उक्त कार्यवाही प्रयागराज के कमिश्नर संजय कुमार गोयल ने संस्थाओं द्वारा की गई शिकायतों के दृष्टिगत की है। बता दें सुविधा आवंटन का कार्य देख रहे प्रयागराज मेला प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी पद पर नियुक्त संत कुमार श्रीवास्तव से तत्काल प्रभाव से कमिश्नर ने प्रभार ले लिया है। संत कुमार श्रीवास्तव द्वारा किए जा रहे सभी कार्य अब मेलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान स्वयं देखेंगे। मेला अधिकारी की अनुपस्थिति में मेला संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु एसएलओ योगेंद्र सिंह देखेंगे।

मेला कार्यालय में बैठने एवं जन समस्याओं का निस्तारण करने के भी निर्देश दिए गए हैं। माघमेले में आए श्रद्धालुओं एवं साधु संतों द्वारा मेला क्षेत्र में बसी संस्थाओं को दी गई सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत पूर्व में दिए गए आदेशों के क्रम में मंडलायुक्त संजय गोयल ने मेला प्राधिकरण कार्यालय स्थित आई ट्रिपल सी सभागार में मेला से जुड़े सभी अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान कमिश्नर ने संस्थाओं को 2019 20 में दी गई सुविधाओं को मानक मानते हुए उनकी अनुमन्य सुविधाएं 24 घंटे के अंदर मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। पिछले कुछ दिनों में कई संस्थाओं द्वारा प्रवचन पंडाल एवं कुछ अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतें मंडलायुक्त को भेजी गईं थीं। जिसका संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने यह निर्देश दिए हैं। निर्देश के क्रम में लगभग 145 संस्थाओं की सुविधाएं बढ़ा दी गई हैं। जिसे 24 घंटे के अंदर संस्थाओं तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मेला प्रशासन द्वारा वेंडरों को तत्काल प्रभाव से दे दी गई है। वहीं जन समस्याओं के निराकरण हेतु माघ मेले में दो टोल फ्री नंबर 18001805350 18001805340 भी चलाए जा रहे हैं।

असलहे की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़, तमंचे बरामद

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। थाना अलीगंज पुलिस ने असलहा बनाने की अवैध फैक्ट्री पकड़ते हुए भारी मात्रा में निर्मित व अर्ध निर्मित तमंचा व असलहा बनाने के उपकरण बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का दावा किया है। थानाध्यक्ष अलीगंज नागेंद्र सरोज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम हुसैनपुर सुधाना की सीमा में सम्हरिया ओवर ब्रिज के पास एक व्यक्ति असलहा बना रहा है जिस पर उप निरीक्षक औसाफ़अली व फोर्स के साथ छापा मारने पर ओवर ब्रिज के बगल स्थिति छप्पर में भारी मात्रा में अवैध तमंचा तथा उसे बनाने के उपकरण बरामद हुए पकड़े गए अभियुक्त की शिनाख्त शाहिद उर्फनेउरा पुत्र कैसर अली निवासी ग्राम सेमरी थाना जयसिंहपुर जनपद सुल्तानपुर हाल पता मोहल्ला तलवा पार थाना अलीगंज के रूप में हुई जिसके पास से 3 अदद कट्टा चार कारतूस व 12 अर्ध निर्मित व एक अदद रिवाल्वर बरामद हुई साथ ही भारी मात्रा में असलहा बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं।

Bandhan Bank | रीजनल ऑफिस: नेताजी मार्ग, मीठाखली छ: रास्ते के पास, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-06. फोन : +91-79-26421671-75

सांकेतिक आधिपत्य (कब्जा) सूचना

एतदर्थ सूचना दी जाती है कि वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पूर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित प्रर्वतन अधिनियम, 2002 कि धारा 13(12) एवं प्रतिभूतिहित प्रर्वतन नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढते हुए अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत प्राधिकृत अधिकारी ने खाते(अकाउंट) के सामने उल्लेखित तिथि को डिमांड नोटिस (मांग पत्र) भेजा था व नोटिस प्राप्ति के 60 दिवस के अन्दर राशि की मांग की गई थी। ऋणी द्वारा भुगतान करने में असफल रहने पर कर्जदार और आम जनता को नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्त अधिनियम कि धारा 13 की उपधारा(4) सपठित नियम 8 के तहत नीचे लिखे लोन खातों में वर्णित बंधक सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा ले लिया है। अतः आप कर्जदार और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित संपत्तियों के बारे में कोई व्यवहार न करें और इन संपत्तियों के साथ किसी व्यवहार पर वह राशि, ब्याज, खर्च एवं शुल्क के साथ बैंक को चुकाना होगा। सुरक्षित सम्पत्ति को रिडीम/वापस लेने के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) में उपलब्ध प्रावधानों के तहत ऋणियों का ध्यान आमंत्रित किया जाता है।

ऋणियों के नाम और ऋण खाता सं.	बंधक संपत्ति का विवरण (प्रतिभूती आस्तियां)	मांगपत्र की तिथि	सांकेतिक कब्जे की तिथि	कुल बकाया राशि, मांगपत्र की तारीख तक
श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा (मृत कर्जदार) श्री राकेश कुमार सिन्हा (मृत कर्जदार) मृत कर्जदार की सभी कानूनी वारिस श्री नरेश बाबू, भाई राकेश कुमार श्री कमलेश बाबू, भाई राकेश कुमार 755/215	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो 127/1, डोमरी, परगणा राल्हूपुर, तहसील और जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित है: उत्तर: अराज़ी का बाकी हिस्सा, पूर्व: अराज़ी का बाकी हिस्सा, पश्चिम: राकेश का घर, दक्षिण: कच्चा रास्ता 16 फीट चौड़ी सड़क	08.11.2021	19.01.2022	Rs.9,38,587.54
श्री राकेश कुमार सिन्हा (मृत कर्जदार) श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा (मृत कर्जदार) मृत कर्जदार की सभी कानूनी वारिस श्री नरेश बाबू, भाई राकेश कुमार श्री कमलेश बाबू, भाई राकेश कुमार 755/208	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो 127/1, डोमरी, परगणा राल्हूपुर, तहसील और जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित है: उत्तर: अराज़ी का हिस्सा, पूर्व: श्रीमती आशा कुमारी सिन्हा का घर, पश्चिम: बचमुना देवी की भूमि, दक्षिण: कच्चा रास्ता 16 फीट चौड़ी सड़क	08.11.2021	19.01.2022	Rs.9,71,688.90
श्री संतोष कुमार श्रीमती सुनीता पति शिवपूजन गौर श्री सुशील कुमार 755/180	सभी चल और अचल स्थावर संपत्ति, जो अराज़ी नंबर 288/1, न्यूनतम क्षेत्र 1/6 हेक्टेयर और अराज़ी नंबर 289/2, न्यूनतम क्षेत्र 0.0-3/4 हेक्टेयर, कुल गाटा, कुल क्षेत्रफल 1-11/12 डिस्मिल यानी 800 वर्ग फुट, मौजा–मुगलचक, परगना–धूस, जिला वाराणसी, यूपी स्थित है और जो आवरित हैः उत्तर: जी.टी. सड़क, पूर्व: प्रथम पक्ष की भूमि, पश्चिम: मालती देवी की भूमि, दक्षिण: बदन की भूमि	08.11.2021	19.01.2022	Rs.8,53,711.60

स्थानः वाराणसी
तारीख: 26/01/2022

प्राधिकृत अधिकारी
बंधन बैंक लिमिटेड

कर्नाटक में विवाद

लड़कियों को हिजाब

कर्नाटक के कुछ हिस्सों में नए वर्ष में हिजाब और भगवा स्कार्फ पर बहस तेज होगी। 1 जनवरी को उडुपी के एक पूर्व-विश्वविद्यालय कालेज ने कुछ लड़कियों को स्कार्फ पहन कर कक्षाओं में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि यह कालेज नियमों के खिलाफ था। प्रबंधन ने कहा था कि लड़कियां परिसर में स्कार्फ पहन सकती हैं, पर कक्षाओं में नहीं। इसके पीछे तर्क दिया गया था कि शिक्षक को पढ़ाने के दौरान छात्रों पर पूरी तरह नजर रखनी चाहिए। लेकिन इस प्रतिबंध से नाराज लड़कियों ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पुरुषों के सामने अपने बाल ढकने के लिए हिजाब पहनना जरूरी है। एक तर्क यह था कि यदि यह केवल स्कार्फ की तरह बाल ढकता है तो हिजाब पर आपत्ति क्यों की जा रही है। लेकिन दूसरा तर्क यह था कि यदि ऐसा है तो चेहरा भी ढकने के लिए एक पिन क्यों लगाई जा रही है। चीजों ने उस समय राजनीतिक रूप ले लिया जब चरमपंथी इस्लामी समूह पापुलर फ्रंट आफइंडिया की छात्र शाखा कैंपस फ्रंट आफइंडिया-सीएफआई ने यह मामला उठाया। उसने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस प्रतिबंध से धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप किया जा रहा है। अभी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कर्नाटक के एक अन्य गांव, कोप्पा जिले के बालागाडी में कुद कालेज छात्रों ने प्रबंधन द्वारा मुस्लिम लड़कियों को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने पर विरोध में भगवा स्कार्फ पहनने शुरू कर दिए। तीसरी घटना में कोलार जिले में एक हिंदू समूह ने सरकारी स्कूल के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि प्रधानाचार्य ने मुस्लिम लड़कियों को शुक्रवार को कक्षा में प्रार्थना करने की

अनुमति दे दी है। जिला कलेक्टर इस मामले की जांच कर रहे हैं। धीमे-धीमे पर निश्चित रूप से ऐसी घटनायें न केवल तेजी से विवादास्पद होती जा रही हैं, बल्कि इनसे यह बहस भी शुरू हुई है कि क्या हिजाब यूनीफार्म का हिस्सा है।

भारत में जहां सार्वजनिक स्थानों पर धर्म का प्रदर्शन काफी सामान्य बात है, ऐसी घटनाओं को प्रचार नहीं मिलना चाहिए। लेकिन चिन्ताजनक बात है कि जब कर्नाटक में दो महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं तब भावनाओं को भड़काया जा रहा है। वृहत बैंगलुरू महानगर पालिके में चुनाव जिला पंचायत व तालुक पंचायत चुनावों के साथ या इनके फौरन बाद होंगे। इनमें कुल लगभग 4 करोड़ मतदाता भाग लेंगे। इसके साथ ही अगले साल की शुरुआत में राज्य विधानसभा चुनाव भी होने हैं। ऐसे मुद्दे धार्मिक समूहों के लिए चारे की तरह हैं जो पहले से ही ध्रुवीकरण का बोझ ढो रहे सेक्युलर परिवेश को खराब करना चाहते हैं। उच्च न्यायपालिका को हस्तक्षेप कर ऐसे मामलों का हमेशा के लिए समाधान कर देना चाहिए। भारत फ्रांस नहीं है जहां सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध है। भारत में सभी लोग धर्म का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं, फिर चाहे वह बिंदी हो या चूड़ियां या हिजाब अथवा पवित्र क्रास या सिख पटका। ऐसे में भेदभाव का सवाल नहीं पैदा होना चाहिए। संविधान हमें धर्म का व्यवहार करने की स्वतंत्रता देता है, पर कानून संरक्षण को उन व्यवहारों तक सीमित करता है जो धर्म के लिए अनिवार्य व अभिन्न हों। 2016 के एक फैसले में केरल उच्च न्यायालय ने कहा था कि हिजाब और लंबी आस्तीनों वाली ड्रेस 'इस्लाम धर्म का अनिवार्य हिस्सा' हैं। ऐसे में न्यायपालिका को केवल यह विचार करना है कि क्या हिजाब पहनने का 'अनिवार्य व्यवहार' कक्षा में सामाजिक व्यवस्था में बाधा डालता है और इससे शिक्षकों का कर्तव्य बाधित होता है।

उर्वरक डीबीटी में अनुचित गतिरोध

जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

बजट पेश किए जाने का समय आ गया है। दो साल तक धड़ल्ले से खर्च के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब संभवत: राजकोषीय मजबूती की ओर लौटना चाहती हैं। ऐसे में उर्वरक सब्सिडी के क्षेत्र पर प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है जो 2019-20 में 80,000 करोड़ से बढ़ कर 2020-21 में 1,34,000 करोड़ हो गई तथा इसके 2021-22 में 1,40,000 करोड़ होने की आशा है। उर्वरक सब्सिडी इसलिए बढ़ी है क्योंकि केन्द्र सरकार चाहती है कि निर्माता-आयातक किसानों को कम अधिकतम खुदरा मूल्य पर इनको बेचें, जिसका कोई संबंध उत्पादन व आयात तथा वितरण की लागत से नहीं है। यह खर्च अक्सर बहुत ज्यादा होता है। यूरिया के मामले में एमआरपी पर अनिवार्य नियंत्रण है और सरकार निर्माताओं को अतिरिक्त लागत की भरपाई नई मूल्य योजना के अंतर्गत 'यूनिट-आधारित' सब्सिडी के रूप में करती है।

फास्फेट व पोटाश उर्वरकों-पीएंडके के मामले में उसने पोषक आधार योजना के अनुसार सभी निर्माताओं व आयातकों के लिए प्रति पोषक आधार पर समान सब्सिडी तय की है। सब्सिडी का अर्थ प्रति टन लागत और एमआरपी के बीच अंतर है। यदि लागत बढ़ती है तो एमआरपी को प्रति टन उर्वरक बिक्री में अपरिवर्तित रखने के लिए सब्सिडी बढ़ जाती है। दूसरी ओर यदि एमआरपी घटता है तथा लागत में परिवर्तन नहीं आता है तो भी सब्सिडी बढ़ती है। तीसरे, यदि प्रति टन सब्सिडी के किसी स्तर पर उर्वरक की मात्रा बढ़ती है तो भी कुल सब्सिडी भुगतान बढ़ जाता है। यूरिया का मूल्य प्रभावित करने वाले कारकों में प्राकृतिक गैस की कीमत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका यूरिया उत्पादन या आयात में प्रमुख स्थान है।

उपभोग में इसका एक तिहाई हिस्सा है। पीएंडके उर्वरकों के मामले में लागत कच्चे माल से तय होती है जिसमें फास्फोरिक एसिड, अमोनिया तथा आयातित या तैयार पदार्थ जैसे डाईअमोनियम फास्फेट शामिल हैं। यह लगभग डीएपी उत्पादन में 50 प्रतिशत के जिम्मेदार हैं। इसके साथ ही म्यूरेट आफ पोटाश की कीमतों का महत्व है जिसका पूरी तरह आयात होता है।

आयात पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यूरिया व गैर-यूरिया उर्वरकों की कीमत बढ़ रही है। देश में यूरिया उत्पादन के लिए भी आवश्यक तिहाई गैस का आयात होता है। ऐसे में सरकार इनकी कीमतों पर लगाम लगाने के लिए कुछ खास नहीं कर सकती है। लेकिन विशेष प्लांटों के अनुसार कीमत में परिवर्तन होते हैं क्योंकि गैस पर वैट में अंतर-राज्य अंतर हैं। लगभग 35 मिलियन टन यूरिया की वार्षिक सप्लाई 20,000, 25,000 व 30,000 रुपये प्रति टन पर होती है। आयात का खर्च इससे भी अधिक है। वर्तमान वर्ष में कुछ सप्लाई 900 डालर प्रति टन पर भी हुई है जो खेत तक पहुंचने पर लगभग 70,000 रुपये प्रति टन होती है। हास्यास्पद रूप से यूरिया का वर्तमान एमआरपी 5,360 रुपये प्रति टन है जो लगभग दो दशक से स्थिर है। बढ़ती लागत के कारण प्रति टन सब्सिडी बढ़ी है।

इसके साथ ही अत्यधिक प्रयोग के कारण मात्रा बढ़ी है क्योंकि सस्ती होने के कारण किसान इसका प्रयोग मिट्टी की आवश्यकता से अधिक करते हैं। बड़े तथा अमीर किसानों को भी सस्ती यूरिया मिलती है तथा बड़े पैमाने पर इसकी पड़ोसी देशों को स्मगलिंग होती है और अनुचित औद्योगिक उपयोग होता है। यह अपरिहार्य है क्योंकि बाजार में इसकी कीमत 4-5 गुना अधिक होती है। इसका नतीजा सब्सिडी खर्च में भारी वृद्धि है। यूरिया का अत्यधिक प्रयोग उर्वरक प्रयोग में असंतुलन पैदा करता है, मृदा स्वास्थ्य बिगड़ता है तथा दीर्घकालीन रूप से मझोले किसानों के लिए खेती में बने रहना कठिन हो जाता है। इसका मानव स्वास्थ्य के साथ ही पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अमीर किसानों को सस्ती यूरिया देना बिल्कुल अनुचित है जो इसका ज्यादा भुगतान कर सकते हैं। सब्सिडाइज यूरिया का भयानक दुरुपयोग किसी भी विचारशील व्यक्ति को परेशान कर सकता है। इसके बावजूद यह दशकों से जारी है तथा यह दुरुपयोग लगभग 30 प्रतिशत है।

1977 में सब्सिडी शुरू होने के बाद शुरुआत में सब्सिडी निर्माताओं को फैक्ट्री से सामान भेजने पर मिलती थी। हालांकि, उनको यह सुनिश्चित करना होता था कि उर्वरक की बिक्री वास्तव में किसानों को हुई है, पर इसकी कोई सटीक व्यवस्था नहीं थी। सप्लाई श्रृंखला के विभिन्न स्तरों पर उत्पाद गायब हो जाता था तथा इसकी व्यापक रूप से चोरी होती थी। 2000 के दशकारंभ में व्यवस्था बदली गई तथा जिलों में सामग्री प्राप्त होने पर 95 प्रतिशत यूरिया सब्सिडी मिलने लगी। गैर-यूरिया उर्वरकों के लिए यह सीमा 85 प्रतिशत थी। बाकी 5 प्रतिशत तथा पीएंडके के मामले में 15 प्रतिशत का भुगतान राज्य सरकार से पुष्टि के बाद होता था। लेकिन इस व्यवस्था में भी फर्जी लोगों द्वारा सब्सिडी यूरिया की चोरी तथा जिलों में अवैध भंडारण की समस्या बनी रही। अप्रैल, 2018 से मोदी सरकार ने निर्माताओं को सब्सिडी भुगतान खुदरा व्यापारियों द्वारा किसानों को उर्वरकों की बिक्री पर करना शुरू किया है।

नई योजना के अंतर्गत निर्माता को किसान को उर्वरक मिलने पर 100 प्रतिशत सब्सिडी का भुगतान होता है और उसके आधार कार्ड को डीलर की दूकान में लगे पीओएस पर दर्ज किया जाता है। हालांकि, इससे व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, पर खुदरा बिक्री के स्तर पर हेराफेरी संभव है। इसका कारण यह है कि आधार कार्ड रखने वाला कोई गैर-किसान भी सब्सिडाइज उत्पाद खरीद सकता है। सरकार ने कुछ अन्य उपाय करने का प्रयास किया है। इनमें सभी निर्माताओं व आयातकों द्वारा यूरिया की नीम कोटिंग शामिल है। इसके साथ ही प्रति खरीद 100 बोरे तक सीमित की गई है, जबकि पहले यह 999 बोरे थी तथा मासिक खरीद की सीमा भी तय की गई है। इसके अलावा हर जिले में सबसे ज्यादा 20 यूरिया खरीद की ट्रैकिंग कर खरीद मानकों का उल्लंघन करने वालों को दंड दिया गया है। लेकिन इन उपायों के भी समुचित नतीजे नहीं निकले हैं। अब सरकार किसी व्यक्तिगत किसान द्वारा किसी फसल सीजन में खरीदे जाने वाले सब्सिडाइज उर्वरक बोरों की संख्या सीमित करने की योजना बना रही है। लेकिन इससे भी लाभ नहीं होगा। वास्तव में जब तक योजना में 'निर्माताओं के माध्यम से सब्सिडी देने' की व्यवस्था बनी रहेगी तब तक इसके दुरुपयोग पर लगाम लगाना संभव नहीं होगा।

आगे बढ़ने का रास्ता सब्सिडी का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी है। सरकार को सब्सिडी सीधे किसानों को देनी चाहिए तथा निर्माताओं को इसे बाजार मूल्य पर बिक्री करने देना चाहिए। इससे दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक लग जाएगी। जब बाजार में सब्सिडाइज उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं तो इससे संदिग्ध चरित्र वाले लोगों को लाभ उठाने का मौका मिल जाता है। इससे अत्यधिक प्रयोग पर भी रोक लगेगी। जब उत्पाद सही कीमत में मिलेगा तो किसान इसका उचित प्रयोग करेंगे। इससे गरीब किसानों को सीधे सब्सिडी देना भी संभव होगा। सभी तीन स्रोतों से मांग में कमी के कारण सब्सिडी में भारी बचत होगी। इसके परोक्ष लाभ भी होंगे। भारत उर्वरकों का प्रमुख आयातक है, अत: उसके आयात में कमी से अंतरराष्ट्रीय कीमतें गिरेंगी तथा आयात का खर्च घटेगा।

इसके परिणामस्वरूप प्रति टन सब्सिडी में भी कमी आएगी। डीबीटी से राजकोषीय दृढ़ता आएगी, व्यापार घाटा कम होगा, उर्वरक प्रयोग में असंतुलन दूर होगा, मृदा स्वास्थ्य सुधरेगा तथा टिकाऊ व पर्यावरण हितैषी कृषि को लाभ होगा। इससे अक्षम निर्माताओं को अपनी दूकानें बंद करनी पड़ेंगी, बेईमान व्यापारी तथा भ्रष्ट राजनेता व नौकरशाह प्रभावित होंगे जो उर्वरकों की चोरी से भारी कमाई करते हैं। इससे अमीर किसान भी प्रभावित होंगे जो वर्तमान योजना का सर्वाधिक लाभ उठाते हैं। उर्वरक सप्लाई पर डीबीटी 2012-13 से ही सरकार के राडार पर है। लेकिन आज तक कुछ लाबियां इसमें गतिरोध पैदा करती रही हैं। क्या प्रधानमंत्री इन लाबियों का विरोध तोड़ने में सफल होंगे?

जनजातीय समुदाय व उनके धर्म

> "यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है।"

वीके बहुगुणा
(लेखक संसाधन प्रबंध एवं पर्यावरण केंद्र के अध्यक्ष हैं)

आइए हम समाजशास्त्रियों और अन्य लोगों द्वारा कुछ लोगों को आदिवासी के रूप में नामित करने के सिद्धांत की जांच करें। ईसाई धर्म के प्रभाव में पश्चिमी मीडिया दशकों से आदिवासियों को स्वदेशी घोषित करने की कोशिश कर रहा है। महान भारतीय सभ्यता के संदर्भ में 'स्वदेशी' का अर्थ, जो घने जंगलों में सिलवन परिवेश में रहने वाले महान संतों के साथ विकसित हुआ, सत्य का उपहास है। आदिवासियों को स्वदेशी कहना या यूं कहें कि उन्हें आदिवासी कहना प्राचीन भारतीय संस्कृति का अपमान है। क्योंकि, आदिवासी परंपराओं का भाषा, संगीत, कला, पेंटिंग, चिकित्सा और निश्चित रूप से प्रकृति की अपने विभिन्न रूपों की पूजा का महान इतिहास है, जिसने सनातन धर्म और परंपराओं को समृद्ध किया। वास्तव में, सभी भारतीय कभी न कभी किसी न किसी जनजाति का हिस्सा रहे होंगे और यह एकतरफा आधुनिक विकास है जो अब आदिवासी और गैर-आदिवासी लोगों के बीच अंतर करता है। दुर्भाग्य से हमारा संविधान भी आदिवासी और गैर-आदिवासी शब्दाडंबर में फंसा हुआ है। यह उग्र बहस कि आदिवासियों के पास धर्म का कोई निर्धारित पैटर्न नहीं है, मूल रूप से एक राजनीतिक रूप से प्रेरित और विदेशी समर्थित प्रचार है जो भारत में विभिन्न चर्चों द्वारा शुरू किया जा रहा है जो धर्मांतरण में विश्वास करते हैं।

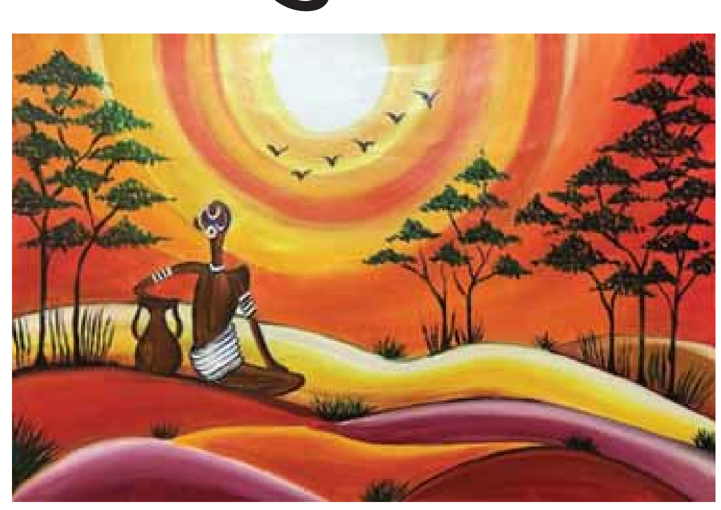

सनातन धर्म जिसे अब हिंदू धर्म के रूप में जाना जाता है, में आदिवासी पूजा के सभी तत्व हैं। आदिवासी क्षेत्रों में अधिकांश देवत्व पर प्रकृति पूजा का प्रभुत्व है और हिंदू धर्म के कई सिद्धांत और उत्सव उनसे लिए गए हैं। कुछ राजनेताओं द्वारा यह तर्क कि आदिवासी लोगों का कभी संगठित धर्म नहीं था, अगर हम देश के इतिहास को देखें तो इसमें कोई दम नहीं है। पहली संगठित जनगणना 1871 में हुई थी - पहली समकालिक जनगणना 1881 में हुई थी - जिसमें 95 प्रतिशत आदिवासी लोगों ने हिंदू धर्म के रूप में अपने धर्म में प्रवेश किया है। उत्तर-पूर्व के केवल दो प्रतिशत लोगों ने जनगणना के दौरान व्याख्यात्मक पूर्वाग्रह के कारण आदिवासी धर्म घोषित किया। 1891 में केवल तीन प्रतिशत को आदिवासी धर्म और बाकी को हिंदू के रूप में दिखाया गया था।

1891 की जनगणना में ईसाई धर्म के संप्रदायों की जानकारी भी एकत्र की गई थी। 1951 में आजादी के बाद पहली जनगणना में 97-98 प्रतिशत आदिवासियों ने हिंदू धर्म को अपना धर्म दिखाया था। कई दशकों बाद जब ईसाई मिशनरियों ने मध्य और पूर्वी भारत में आदिवासियों को धर्मांतरित करना शुरू किया तो प्रकृति पूजा को व्यवस्थित रूप से हिंदू धर्म से अलग करने की मांग की गई। त्रिपुरा में त्रिपुरी, जमातिया और अन्य जनजातियाँ शिव की पूजा करती रही हैं जैसा कि रॉक नक्काशियों में दर्शाया गया है। इसी तरह, देवत्व की सरना पद्धति प्रकृति और आत्माओं की पूजा पर केंद्रित है और सभी प्राकृतिक वस्तुओं को पवित्र मानती है।

इस विश्वास प्रणाली का पालन झारखंड और पड़ोसी राज्यों में कई आदिवासी समूहों द्वारा किया जाता है, और यह पूरी तरह से उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में परिलक्षित होता है। स्वतंत्रता के बाद की जनगणना में धर्म के लिए 'अन्य' वर्ग ने यह भ्रम पैदा किया था क्योंकि जनगणना कर्मचारी इस तरह के आदिवासी विश्वासों को 'अन्य' के रूप में आरोपित कर रहे थे।

आदिवासी बेल्ट में वर्चस्व के लिए कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा ईसाई मिशनरियों और नक्सलियों द्वारा सनातन धर्म के बड़े हिस्से से आदिवासी आबादी को अलग करने के लिए एक सुनियोजित प्रचार शुरू किया गया है। इस लेखक ने फरवरी 2021 के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के एक आदिवासी क्षेत्र का दौरा किया है। मेले के एक कोने में, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाला एक व्यक्ति हिंदू धर्म का उपहास करने वाली किताबें बेच रहा था और एक किताब की सिफारिश कर रहा था, 'आदिवासी हिंदू नहीं हैं।' आदिवासी बेल्ट में ऐसी स्थिति पैदा करने के लिए मुझे आयोजक, एक विदेशी वित्त पोषित एनजीओ को चेतावनी देनी पड़ी।

आज का मुद्दा आदिवासी लोगों की धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक जीवन में दखल देने का नहीं है। उन्हें सर्वोत्तम स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका प्रदान करके उन्हें मुख्यधारा में लाने और उनकी कला, भाषा, संस्कृति और संगीत को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

आप की बात

सारे जहां से अच्छा

गणतंत्र दिवस हममें राष्ट्र के प्रति प्रेम और स्वाभिमान की भावना जगाता है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि गणतांत्रिक व्यवस्था में बेहतर गण से ही बेहतर तंत्र का निर्माण होता है। आज यह बहुत जरूरी है कि भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र के विभिन्न घटकों के बीच परस्पर एकता, प्रेम और भाईचारे की भावना दृढ़ हो। भारत का लोकतंत्र चुस्त दुरुस्त है किंतु आज आवश्यकता है कि राष्ट्रीय एकीकरण के साथ हम आगे बढ़ें। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ आगे बढ़ी यह विकास यात्रा आज सबका प्रयास के पड़ाव तक पहुंची है, तो इसके पीछे जनता का अपने नेतृत्व पर कायम अपार भरोसा ही कारण है। जनमानस का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है। सीमा पर देश की रक्षा के लिए गोली खाना ही देशभक्ति नहीं हैं, बल्कि अपने दिन प्रतिदिन के काम को ईमानदारी से करना और सामाजिक मर्यादाओं व वैधानिक निर्देशों का पालन करना भी समान रूप से देशभक्ति का परिचायक है। यह सत्य है कि विगत वर्षों में हमने बहुत कुछ कर दिखाया, पर हमें सोने की तरह तपकर आगे बढ़ना होगा, तभी हम कह सकेंगे, 'सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा।'

– **नितेश मंडवारिया**, वाराणसी

सफलता का कोई शार्टकट नहीं

कहा जाता है सफलता के लिए कभी शॉर्टकट का रास्ता नहीं चुनना चाहिए। खासकर के राजनीति में भाड़े के लोगों के सहारे आप चार मंजिला ईमारत खड़ा करोगे तो उसकी नींव हमेशा कमजोर रहेगी। जैसे इस समय बंगाल में बीजेपी का हो रहा है। जिस पार्टी को 2016 के विधान सभा में महज 10 फीसदी मत मिले थे, वो 2019 के आते आते 40 फीसद को पार कर जाती है। मगर इनका गुरु इससे इतना बढ़ गया की ये पार्टी खुदको को खुदा समाज बैठी। दावा करने लगी के 2021 का विधान सभा में 2 सौ से ऊपर सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाएगी। मगर आज का हालत है की, प्रदेश में, पार्टी अपना अस्तित्व को बचाने को जूझ रही है। इसी रविवार को जमीन से जुड़े दो नेताओं रितेश तिवारी एवं जयप्रकाश मजूमदार को कारण बताओं नोटिस दिया जाता है। बिना किसी उत्तर मिले ही चौबीस घंटों के अंदर दोनों को पार्टी से निलंबित कर दिया जाता है। कमाल तो देखिये पार्टी इसी तरह के मुखर रुख अख्तियार करने के बावजूद तथागत रॉय एवं रूपा गांगुली जैसों पर कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही तक नहीं करती। इस स्थिति के बाद दो बंगाली कलाकारों बोनी सेनगुप्ता एवं शोहेल दत्ता ने बीजेपी को अलविदा कह दिया।

– **जंग बहादुर सिंह**, जमशेदपुर

सम्मान ही सच्ची श्रद्धांजलि

वाकई यह दुख का ही विषय है कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले सेनानियों पिछले सात दशकों से भुला दिया गया था। मान सम्मान और सुख सुविधाएं मिलना तो दूर की बात उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल पाइ और नतीजन वे दर दर की ठोकरें खाते रहे। इंडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा लगाने की घोषणा किए जाने के बाद ऐसे ही सेनानियों की खोज अवश्य ही करना चाहिए जिन्होंने गुमनामी में रहकर अंग्रेजों से लोहा लिया और स्वतंत्रता आंदोलन में जान फूंकी। आजादी हमें यूं ही नहीं मिल गई थी। कई मां के सपूत और उनके शौहर शहीद हुए हैं तब जाकर हम आज आजादी की सांस ले पा रहे हैं। जब तक राष्ट्र पर मर मिटने वाले ऐसे वीर बलिदानियों की शहादत को नई पीढ़ी के सामने नहीं लाया जाएगा तब तक स्वतंत्रता का स्वाद फीका ही रहेगा। स्वतंत्रता सेनानियों की सार्वजनिक स्थलों पर मूर्तियां लगाने से लोगों विशेषकर युवाओं में राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा जगेगी और यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

"**संशोधन** प्रस्ताव हमारी संघीय राजनीति और राज्य की स्वायत्तता की जड़ पर प्रहार करता है।

– **एम के स्टालिन**
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

कोविड से सबसे ज्यादा नुकसान दिल्ली वालों को हुआ है। हम नहीं चाहते कि आपकी रोजी-रोटी प्रभावित हो लेकिन आपका स्वास्थ्य जरूरी है।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

एक बात मुझे परेशान करती है धार्मिक और सांस्कृतिक विभाजन ने मजबूत स्थान बना लिया है।

– **डॉ अनिता बोस**
नेताजी बोस की पुत्री"

कई दिग्गजों की कमी खलेगी चुनावी रण में

कल्याण सिंह

अजित सिंह

अमर सिंह

लालजी टंडन

बेनी प्रसाद वर्मा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कल्याण सिंह, अजीत सिंह और अमर सिंह, बेनी प्रसाद वर्मा, लालजी टंडन ऐसे नाम हैं जो कभी भूलाए नहीं जा सकेंगे। ये नेता राजनीति में बड़ा परिवतर्न लाए और माहौल को अपने पक्ष में बदलने के लिए ये नेता हमेशा याद किए जाएंगे। मौजूदा चुनावी रण में इन नेताओं की कमी खलेगी तो जरूर लेकिन आज भी जनता ऐसे नेताओं को राजनीति में किसी नए चेहरे में तलाश करती है।

कल्याण सिंह को पिछड़ों और भगवा राजानीति के लिए तो अजीत सिंह को किसानों की राजनीति के लिए जाना जाता है जबकि अमर सिंह राजनीति में डेमेज कंट्रोल के मास्टर माने जाते थे। उनकी पकड़ हर दल में थी। इन नेताओं के सार्वजनिक बयानों का काफी गहरा असर प्रदेश की राजनीति में दिखाई पड़ता रहा है। यह सभी दिग्गज चुनावी लड़ाई में अपनी पार्टी और उम्मीदवारों के पक्ष में मतदाताओं के बीच लहर पैदा करने के लिए जाने जाते थे। इनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी इनकी हर गतिविधि पर बारीक नजर रखते थे। इस बार के चुनावों में इनके न होने की कमी यूपी के मतदाताओं को जरूर खलेगी हालांकि इन नेताओं की अगली पीढ़ी उनकी अनुपस्थिति में खुद को साबित करने के लिए सक्रिय दिख रही है।

हिन्दुत्व व पिछड़ों की राजनीति के धुरी माने जाते थे कल्याण

बात सबसे पहले यूपी के पूर्व सीएम स्वर्गीय कल्याण सिंह की करें तो इनकी गिनती कट्टर हिन्दुत्व के साथ-साथ कुशल शासक के रूप में होती है। यूपी की राजनीति में पिछड़ों को आगे लाने का काम कल्याण सिंह उर्फ बाबू जी ने किया। इनके मुख्यमंत्रित्वकाल का जिक्र राजनीति के बड़े चेहरे आज भी संसद से लेकर विधान सभा में करते हैं। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार विधान सभा में कल्याण सिंह के शासनकाल का बड़ी गर्व के साथ जिक्र किया और प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मसला रहा हो या अपने किसी निर्णय पर टिके रहने की बात हो तो उसमें कल्याण सिंह जैसा उदाहरण बहुत कम ही मिलता है। बीजेपी के हिंदुत्व के चेहरे कल्याण सिंह ने उप्र अपनी पार्टी के लिए गैर यादव पिछड़ी जातियों को एकजुट किया। इनका निधन 21 अगस्त 2021 को हो गया था। पश्चिमी उप्र में उनकी मजबूत पकड़ और स्वीकारोक्ति रही और इसी का परिणाम रहा कि 2017 के विधान सभा चुनाव में अलीगढ़ जिले की उनकी परंपरागत अतरौली सीट से उनके पौत्र संदीप सिंह ने जीत दर्ज की और योगी कैबिनेट के सदस्य बनें। कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह एटा से भाजपा के सांसद हैं और विधान सभा चुनाव में पार्टी के स्टार प्रचारक के रूप में प्रचार कर रहे हैं।

अटल बिहारी के करीबी थे लालजी टंडन

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के करीबी और लखनऊ में भाजपा का एक प्रमुख चेहरा माने जाने वाले बिहार और मध्य प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और उप्र सरकार के पूर्व मंत्री लालजी टंडन की भी कमी इस चुनाव में महसूस की जायेगी। उनका निधन 21 जुलाई 2020 को हो गया। लालजी टंडन के जीवित रहते उनके पुत्र आशुतोष टंडन राजनीति में सक्रिय हुए और 2017 में योगी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में मंत्री भी बने लेकिन इस बार पिता की अनुपस्थित में वह संगठन के लिए मजबूती से काम कर रहे हैं। लालजी टंडन लखनऊ में कई सीटों पर अपनी पकड़ के लिए जाने जाते थे और अटल के उत्तराधिकारी के रूप में वह लखनऊ लोकसभा संसदीय क्षेत्र का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नगर विकास मंत्री रहते हुए उन्होंने लखनऊ का काफी विकास किया था जिसे आज भी याद किया जाता है।

पश्चिम यूपी में जाट व किसान राजनीति में याद किए जाते हैं छोटे चौधरी

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की राजनीति विरासत संभालने वाले चौधरी अजित सिंह का राजनीतिक समीकरण इस बार के विधान सभा में चुनाव में नही दिखाई पड़ेगा। अजित सिंह का निधन 6 मई 2021 में कोविड के कारण गुरूग्राम में हो गया था। अजित सिंह वीपी सिंह, अटल बिहारी बाजपेयी, मनमोहन सिंह की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे और बागपत से सांसद भी रहे। वह पहली बार 1986 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। 1987 में उन्हें लोकदल का अध्यक्ष बनाया गया था। 1989 के लोकसभा चुनाव में पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद अजित सिंह 1991, 1996, 1999, 2004 तथा 2009 में सांसद चुने गए थे। अजित सिंह ने भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा के साथ गठबंधन किया और यूपी में चुनाव लड़ा हालांकि उन्हें 2012 से लेकर 2017 के बीच लोकसभा और विधान सभा के चुनाव में कई प्रयोग किए लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। अब चरण सिंह के पौत्र और अजित सिंह के पुत्र जयंत चौधरी ने अपने बाबा और पिता की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए इस बार फिर सपा के साथ गठबंधन किया है। अजित सिंह को जाट वोट बैंक और पश्चिमी यूपी पर उनकी पकड़ को यूपी की राजनीति में याद किया जाता है।

मुलायम-बेनी बाबू का साथ याद करता है उत्तर प्रदेश

यूपी में बेनी प्रसााद वर्मा को कुर्मी बिरादरी के नेता के रूप में जाना जाता है। केंद्रीय मंत्री भी रहे। सपा से दूरियां होने पर वह कभी कांग्रेस के साथ भी रहे। बेनी प्रसाद वर्मा सबसे पहले वर्ष 1974 में दरियाबाद क्षेत्र से विधानसभा सदस्य चुने गए थे। पहली बार 1996 में उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से लोकसभा का चुनाव जीतकर बेनी प्रसाद वर्मा केंद्रीय मंत्री बने। कई साल तक यूपी की सपा सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे। देवेगौड़ा सरकार के दौरान उन्होंने वर्ष 1996 से 1998 तक केंद्र में संचार मंत्री का पद संभाला। 1998, 1999, 2004 में कैसरगंज और 2009 में गोंडा से सांसद चुने गए जबकि यूपीए सरकार के दौरान 12 जुलाई 2011 को इस्पात मंत्री भी बनाए गए। 2014 मे लोकसभा चुनाव में हारने के बाद बेनी वर्मा कांग्रेस में हाशिए पर आ गए थे। बेनी बाबू और मुलायम सिंह का साथ हमेशा याद किया जाएगा। मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाने वाले बेनी प्रसाद वर्मा उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा चेहरा थे। उनकी गिनती सपा के उन नेताओं में होती है जिन्होंने पार्टी की बुनियाद रखी थी। समाजपार्टी पार्टी में रहते हुए एक बार ऐसे हालात भी बन गए थे जब बेनी प्रसाद वर्मा को समाजपार्टी पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बेनी बाबू का 27 मार्च 2020 में उनका निधन हो गया। कुर्मी बिरादरी के सबसे मजबूत नेता माने जाने वाले बेनी वर्मा इस बार चुनावी परिदृश्य में नहीं दिखेंगे।

राजनीति से लेकर बालीवुड तक में पकड़ रखने वाले अमर सिंह याद आएंगे

एक समय पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह यादव के दाहिने हाथ माने जाने वाले, यूपी के कद्दावर नेता अमर सिंह की कमी इस चुनाव में काफी खलेगी। सांसद अमर सिंह का एक अगस्त 2020 को सिंगापुर के एक अस्पताल में निधन हो गया था। लंबे समय से बीमार रहने के कारण अमर सिंह पिछले लोकसभा के चुनाव सक्रिय भूमिका नहीं निभा पाए थे।

अमर सिंह अगर स्वस्थ्य होकर आज राजनीति में होते तो यह चुनाव काफी रोचक होता। उप्र की राजनीति में अमर सिंह अपने अपने शायराना अंदाज से एक अलग ही पहचान रखते थे। उद्योगपति से राजनेता बने, अमर सिंह समाजवादी पार्टी के महासचिव भी रहे। नवंबर 1996 में वे सपा के समर्थन से पहली बार राज्य सभा के सदस्य चुने गए। 2002 और 2008 में भी राज्य सभा के लिए चुने गए।

छह जनवरी 2010 को उन्होंने सपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। 2016 में उनकी सपा में वापसी हुई और एक बार फिर राज्य सभा सदस्य के रूप में संसद पहुंचे। राजनीति से लेकर बॉलीवुड के गलियारों में अमर सिंह का दबदबा था। संजय दत्त और जया प्रदा को सपा में लाने का श्रेय अमर सिंह को ही जाता है।

लुभावने वादों को अपनी बैसाखी बना रही समाजवादी पार्टी

शिव विजय सिंह। लखनऊ

दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में काफी बुरी तरह शिकस्त खाने के बाद समाजवादी पार्टी विधानसभा चुनाव 2022 में धमाकेदार तरीके से प्रवेश कर चकी है। विधानसभा चुनाव की रणभूमि में उतरते ही समाजवादी पार्टी ने सत्तारूढ़ भाजपा खेमे में सेंधमारी करते हुए उसे जबरदस्त झटका दिया तो वहीं भाजपा ने भी इनसे दो हाथ आगे बढ़ कर सीधा समाजवादी कुनबे में ही हमला बोलकर उनकी बहू को ही ले उड़े। इसके बाद समाजवादी पार्टी थोड़ा बैकफुट पर जरूर आई लेकिन सपा की मुफ्त बिजली, पुरानी पेंशन लागू करने एवं आईटी सेक्टर में 22 लाख युवाओं को रोजगार देने की घोषणा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भारी पड़ने लगी है। सपा की इन घोषणाओं को सत्तारूढ़ भाजपा ने हवा-हवाई बता कर बचने की कोशिश जरूर की है लेकिन मुफ्त बिजली व पुरानी पेंशन को लागू करने कि सपा की घोषणा भाजपा के लिए परेशानी खड़ा कर सकती है। प्रदेश में लगातार तीन चुनाव 2014 का लोकसभा,2017 का विधानसभा व 2019 का लोकसभा हार चुकी समाजवादी पार्टी के अस्तित्व के लिए यह विधानसभा चुनाव काफी मायने रखता है। ऐसे में समाजवादी पार्टी इस बार नई रणनीति और जबरदस्त तैयारी के साथ चुनावी मैदान में उतरी है। नई हवा है,नई सपा है के नारे के साथ समाजवादी पार्टी ने अपना मूल चरित्र बदलने की कोशिश भी की है लेकिन सही मायने में अभी भी समाजवादी पार्टी को अपनी शक्ति पर पूर्ण विश्वास नहीं है। इसी के चलते समाजवादी पार्टी ने पूर्व चुनावों की भांति इस बार भी बड़े दलों को न सही छोटे दलों को ही साथ में रखा है। इस विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने मूल मतदाताओं मुस्लिम व यादवों के साथ ही अन्य मतदाताओं को भी जोड़ने का प्रयास किया है । चुनाव में ब्राह्मणों को साधने की कोशिश में प्रमुख ब्राह्मण नेताओं की एक टीम बनाकर उतारा है। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन कर महत्वपूर्ण जातीय समीकरणों को साधा था। उसी तर्ज पर समाजवादी पार्टी ने 2022 के लिए छोटे दलों को साथ लिया है। सपा ने जहां पूर्वी प्रदेश को साधने के लिए सुहेलदेव समाज पार्टी से गठबंधन किया है वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति बेहतर करने के लिए राष्ट्रीय लोकदल का सहारा लिया है। वोटों का बिखराव न हो इसलिए अखिलेश ने अपने चाचा शिवपाल यादव की पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी से भी गठबंधन कर लिया है। महान दल,जनवादी पार्टी और अपना दल कमेरावादी जैसी छोटी पार्टियों को भी इस चुनाव में सपा ने साथ लिया है। कुल मिलाकर विधानसभा 2022 का चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए अपने अस्तित्व को सुरक्षित करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। समाजवादी पार्टी को पता है कि यदि 2022 का चुनाव उसके हाथ से गया तो उसे काफी बड़ा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई वह शायद न कर पाए। शायद इसी बात को गंभीरता से लेते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इस चुनाव में जनता के सामने लुभावने वादों की झड़ी लगाई जा रहे हैं जो किसी भी सरकार के लिए लोहे के चने चबाने के समान है।

सपा के गढ़ में क्या कमल खिला पाएंगे असीम?

● पूर्व आईपीएस अधिकारी ने अभी हाल ही में उठाया है भगवा झंडा

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी की राजनीति में कन्नौज सुरक्षित विधान सभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। इस सीट पर एक बार कांग्रेस और तीन चुनाव में भाजपा विजयी रही है लेकिन लंबे समय तक सपा का ही कब्जा रहा है। 2002 से पहले के तीन चुनाव में यहां की सीट पर लगातार कमल खिला जबकि 2002 से 2017 तक यह सीट सपा के कब्जे में है। इस बार भी सपा के मौजूदा विधायक अनिल कुमार दोहरे फिर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। अब इस विधान सभा चुनाव में बीजेपी ने आईपीएस सेवा वीआरएस लेकर आए असीम अरुण को अपना उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने आठ जनवरी को ही यूपी पुलिस में कानपुर के पुलिस कमिश्नर रहते हुए वीआरएस लेने की सोशल मीडिया पर

घोषणा की थी। इससे पहले उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। साथ ही उन्होंने डीजीपी मुकुल गोयल को वीआरएस के लिए अर्जी दे दी थी। असीम अरुणा का शुरू से ही कन्नौज सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था। असीम के पिता श्रीराम अरूण भी आईपीएस अधिकारी थे। कन्नौज सुरक्षित विधानसभा सीट यूपी के कन्नौज जिले में आती है। 2017 में कन्नौज सुरक्षित में कुल 40.17 प्रतिशत वोट पड़े। 2017 में सपा से अनिल कुमार दोहरे ने बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे को 2454 वोटों के अंतर से हराया था। बसपा के अनुराग सिंह तीसरे स्थान पर थे। अब अगर कन्नौज विधान सीट के इतिहास पर गौर करें तो 1985 में इस सीट पर पहली बार कांग्रेस से बिहारी लाल दोहरे चुनाव जीते थे जबकि भाजपा के झाम लाल अहिरवार दूसरे स्थान पर थे। बिहारी ने झाम लाल को 8998 मतों के अंतर से हराया था। 1989 में इस सीट पर जनता दल से कल्याण सिंह दोहरे चुनाव जीते जबकि कांग्रेस के बनवारी लाल दोहरे दूसरे स्थान पर रहे। 1991 में पहली बार इस सीट पर कमल खिला और बीजेपी के उम्मीदवार बनवारी लाल दोहरे ने जेडी से कल्याण सिंह को मात्र 47 वोटों से हराया था। 1993 के चुनाव में बीजेपी ने फिर जीत हासिल की और बीजेपी के बनवारी लाल दोहरे ने सपा के अनिल कुमार दोहरे को हराया। बनवारी लाल को मिले 50130 वोट मिले जबकि अनिल दोहरे को 38769 मत मिले थे। अनिल दोहरे का यह पहला चुनाव था। 1996 के चुनाव में बीजेपी ने फिर इस सीट से चुनाव जीता और बीजेपी के बनवारी लाल ने सपा के कल्याण सिंह दोहरे को हरा दिया। 2002 के विधान सभा चुनाव में सपा को पहली बार इस सीट पर विजय हासिल हुई।

धुकधुकी तेज करेंगी 47 सीटें

कमल दुबे। लखनऊ

● राज्य की ऐसी 47 सीटें हैं जिन पर पिछले चुनाव में उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी

विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक दलों की धुकधुकी को तेज करेंगीं राज्य की ऐसी 47 सीटें, जिन पर उम्मीदवारों को पांच हजार से भी कम वोटों से जीत हासिल हुई थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थी जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। करीब 10 फीसदी सीटें ऐसी हैं जहां हार जीत का अंतर 5000 से भी कम वोटों से रहा था। इस बार के चुनाव में माना जा रहा है कि इन सीटों पर हार-जीत की चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी।

चुनाव में कई सीटें तो ऐसी होती है जिन पर विभिन्न राजरनीतिक दलों का अपना वचर्श्व रहा है और पार्टियों के नेता लम्बे अन्तर से जीतते रहे है लेकिन कम अन्तर से हारजीत वाली सीटों पर चुनाव का कोई फैसला काफी कठिन होता है। ऐसी सीटों के बारे में कभी भी कुछ दावे के साथ अनुमान नहीं लगाया जा सकता। वोटरों के थोड़ा इधर-उधर होने पर भी इन सीटों के परिणाम बदल सकते हैं। यूपी में 2017 के विधानसभा चुनाव में 47 सीटें ऐसी थीं जिसमें उम्मीदवारों को 5000 से भी कम वोटों से जीत मिली थी। इनमें से भी 8 सीटें तक ऐसी थीं जिस पर 1000 से भी कम वोटों के अंतर से फैसला हुआ था। ये सारी सीटें ऐसी हैं जिसकी चाबी इस बार फ्लोटिंग वोटर के हाथों में होगी। मतलब थोड़ा सा भी स्विंग किसी पार्टी का खेल बना और बिगाड़ सकता है। भाजपा ने पिछली बार 403 सीटों में से 312 पर फतह हासिल की थी तो कम अन्तर से जीत वाली सीटों में भी उसका हिस्सा बड़ा रहा है। लेकिन सिर्फ 47 सीटें जीतने वाली समाजवादी पार्टी भी अपनी सीटों के मुकाबले कम अंतर से जीतने वाली सीटों में ज्यादा पीछे नहीं है।

अगर आंकड़ों की बात करे तो पिछले चुनाव में यूपी में लगभग हर 10 वीं विधानसभा सीट पर हार और जीत का अंतर बहुत ही कम वोटों से हुआ था। राज्य में इन 47 सीटों में से भाजपा को 23 सीटें मिली थीं लेकिन वह इनमें से 15 सीटों पर दूसरे नंबर पर भी रही थी। समाजवादी पार्टी के खाते में इनमें से 13 सीटें गई थीं जबकि महज 19 सीटें जीतने वाली बहुजन समाज पार्टी के खाते में 8 सीट इन्हीं कम मार्जिन वाले क्षेत्रों में थी। बाकी कांग्रेस, आरएलडी और अपना दल सोनेलाल भी एक-एक सीट 5000 से भी कम अंतर से जीत पाई थी। डुमरियागंज सीट सिर्फ171 वोटों से जीती थी भाजपा। वर्ष 2017 में मतदाताओं ने जिन 8 सीटों पर 1000 से भी कम वोटों से हार-जीत का फैसला किया था, उनमें से 5 पर भाजपा विजयी रही थी। ये सीटें हैं- डुमरियागंज, मीरापुर, श्रावस्ती, मोहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित और रामपुर मनिहारान। बसपा मांट और मुबारकपुर में एक हजार से भी कम वोटों से जीती थी जबकि समाजवादी पार्टी को मोहनलालगंज में एक हजार से भी कम वोटों से जीत मिली थी।

डुमरियागंज के वोटरों ने प्रदेश में सबसे कम मतों के अंतर से फैसला किया था और भाजपा के राघवेंद्र प्रताप सिंह ने यहां बसपा की सईदा खातून को महज 171 वोटों से हराया था। मीरापुर सीट पर भाजपा के उम्मीदवार अवतार सिंह भड़ाना ने सपा के लियाकत अली को सिर्फ 193 वोटों के अंतर से हराया था। भड़ाना भाजपा छोड़कर जयंत चौधरी के आरएलडी में जा चुके हैं। जिन 9 सीटों पर 1000 से 2000 वोटों के

अंतर से फैसला हुआ था, वे हैं दुद्धी, भदोही, पट्टी, मटेरा, बांसडीह, टांडा, मोहम्मदाबाद, ऊंचाहार और भरथना जबकि 10 सीटों पर हार और जीत का फैसला 2000 से 3000 वोटों का रहा था। ये सीटें हैं. नजीबाबाद, लालगंज, गैंसड़ी, कांठ, फरेंदा, बादलपुर, कन्नौज, अतरौलिया, सिधौली और प्रतापपुर। वहीं मुरादाबाद नगर, जंगीपुर, धौरहरा, चिल्लूपार, आंवला, धौलाना, दीदारगंज, हरचंदपुर, माहोली, पटियाली, छपरौली और बिधूना में 3000 से 4000 वोटों के अंतर से परिणाम आया था। इसके अलावा 8 सीटों पर वोटरों ने 4000 से 5000 मतों के अंतर से अपना फैसला सुनाया था। ये विधानसभा क्षेत्र हैं नकुड़, मंझनपुर, मछलीशहर, इसौली, सहसवान, गोरखपुर ग्रामीण और सहारनपुर नगर।

बैलगाड़ी से शुरू हुआ सफर डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म तक पहुंचा

सतीश सिंह। लखनऊ

देश में कोरे कागज से शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया डिजिटल दौर में कोरोना के चलते वर्चुअल प्लेटफार्म पर आ गई है। समय के हिसाब से प्रचार के तौर तरीके तकनीक के हिसाब से काफी बदल गए हैं। आज के दौर में सबसे अधिक प्रभावी माने जाने वाली सोशल मीडिया ने देश में चुनाव प्रचार को एक नया रंग दे दिया है। चाहे बात चुनाव प्रचार की हो या विरोधियों पर निशाना साधना हो, इस माध्यम के जरिए चुनावी माहौल में नेता हर तरह का हथियार मजबूती से चला रहे हैं। एक दौर था जब देश मे प्रचार के अलग मायने हुआ करते थे। नई पीढ़ी भले ही इससे महरूम हो पर पुरानी पीढ़ी आज भी उसे याद करती है। जीवन के सात दशक पर कर चुके रामहरि सिंह बताते हैं कि पहले प्रत्याशी बैलगाड़ी से चुनाव प्रचार को निकलते थे। चुनाव प्रचार के दौरान जहां रात हो जाती थी। उसी गांव में रुक जाते थे। झंडे.बैनर देख अंदाजा लगा लेते थे कौन जितेगा। चुनावों में पार्टी और प्रत्याशी के हैंडबिल जनसंपर्क से पहले घर-घर पहुंचाए जाते थे। इसके बाद जीप के जरिये लाउडस्पीकर लगाकर प्रचार होने लगा। गांव में गाड़ियों के घुसते ही बच्चे बिल्ला, स्टीकर, झंडे के लिए पीछे-पीछे दौड़ते थे। किसी बड़े नेता की जब रैली होती थी तो 15 दिन पहले से गांव-गांव प्रचार होने लगता था ताकि लोग सुनने आ सकें। अब तो पता ही नहीं चलता कि एक दिन में कितनी रैली हो गई। पहले स्टेंसिल व वाल पेंटिंग हुआ करती थी। जिससे लोगों को पता चलता था कि कौन लड़ रहा है। इसके बाद स्क्रीन प्रिंटिंग से तैयार होने वाले बैनरों की जगह फ्लैक्स ने ले ली। ये फ्लैक्स ज्यादा मजबूत चमकीले और आकर्षित करते थे। कई दिन मतगणना होती थी। अब तो दोघण्टे के अंदर ही रिजल्ट आ रहा है।

सोशल साइट्स से लेकर वॉयस मैसेज पर जोरः-

कोरोना के चलते इस बार चुनाव प्रचार के तरीके काफी बदल गए हैं। वैसे सोशल साइट्स का इस्तेमाल भाजपा ने वर्ष 2014 के चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा किया था। चुनाव प्रचार के लिए थ्रीडी तकनीक का प्रयोग भी पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी के लिए किया गया था। पर इस बार कोरोना के कारण निर्वाचन आयोग की ताकीद के चलते हर

पार्टियों ने अपने अपने हाईटेक वार रूम बना लिए हैं। फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम, कू जैसी सोशल साइट्स पर अपने इरादे जाहिर किए जा रहे हैं व विपक्षी दलों के सवालों की काट की जा रही है। इनमें भी ग्राफिक्स वार तेजी से चल रही है। हर एक पोस्ट पर नजर रखी जा रही है। कितने लाइक्स आये, कितने व्यूज आये, कितने शेयर हुए। पार्टियों की तरफ से नेताओं और पार्टी समर्थक कार्यकर्ताओं को लगातार पोस्ट शेयर करने के निर्देश दिए गए हैं। किसने क्या बोला। उसकी काट क्या है। कैसे मोर्चेबन्दी हो। इसके लिए वार रूम में क्रिएटिव कंटेंट टीम, रिसर्च टीम, कैम्पेन टीम, सर्वे, डाटा एनालिसिस टीम, मीडिया व सोशल मीडिया वॉच जैसी टीमें लगाई गई हैं। यह टीमें ऑनलाइन रैलियां कराने, शॉर्ट डाक्यूमेंट्री बनाने, गाने आदि भेजने का काम कर रही हैं। एसएमएस या रिकार्ड वायस मैसेज ज्यादा से ज्यादा लोगों तक भेज कर अपनी बात पहुंचाने के तरीके प्रयोग किये जा रहे हैं।

वार रूम से बसपा दे रही चुनाव को धारः-

एक समय में सोशल मीडिया से दूर रही बसपा अब इसके रंग में पूरी तरह डूब गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा व अन्य नेताओं के एकाउंट अलग अलग सोशल प्लेटफार्म पर मौजूद हैं। पार्टी के पास 24 घण्टे लगातार काम करने वाली टीम है। टीम के प्रयासों का ही नतीजा है कि पिछले दिनों सोशल साइट्स पर बसपा ट्रेंड नजर आई। इसके अलावा प्रत्येक जिले में प्रत्येक प्रत्याशी ने अपने डिजिटल वार रूम बनवाए हैं। इनमें चार से पांच लोगों की टीम कार्य कर रही है। यह टीम व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लगातार लोगों को जोड़ रही हैं। इसके अलावा कौन कोआर्डिनेटर कहां पर है इस पर भी डिजिटल वार रूम से नजर रखी जा रही है। टीमों को ग्राउंड रिपोर्ट इसी के जरिए भेजी जाती है। बसपा के डिजिटल वार रूम में सबसे ज्यादा प्रयोग ग्राफिक्स का किया जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि बसपा सुप्रीमो खुद इस पर नजर बनाए हुए हैं।

रालोद भी डिजिटल टीम के साथ मैदान में:-

गठबंधन में लड़ रही राष्ट्रीय लोकदल का आईटी सेल प्रदेश कार्यालय में बना हुआ है। यहां से लगातार प्रत्याशियों पर नजर रखने के साथ ही पार्टी के संकल्प पत्र के छोटे छोटे कंटेंट शेयर किए जा रहे हैं। वही प्रत्याशियों ने भी अपने अपने हिसाब से सोशल एक्सपर्ट की टीम को रखा हुआ है। जो स्थानीय मुद्दों के साथ ही अपने इरादे जनता के बीच सोशल साइट्स और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से साझा कर रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी खुद इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हर आदमी हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर: आंकड़ों के मुताबिक भारत में औसतन हर नागरिक हफ्ते में 17 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है। भारत में कुल 56 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर हैं। इनमें युवाओं की तादाद सबसे ज्यादा है। सोशल मीडिया से इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या रोज बढ़ती ही जा रही है।

यह भी जानिए- देश में पहला चुनाव कोरे कागज से

आजादी के बाद 1952 में पहला चुनाव कोरे कागज से हुआ था। 1952 में हुए चुनाव के दौरान एक-एक या दो प्रत्याशी होते थे। प्रत्याशियों के समर्थकों को प्रत्याशियों के रंग का डिब्बा बता दिया जाता था। इन डिब्बों में प्रत्याशी के समर्थक कोरे कागज डालते थे। दूसरा विधानसभा चुनाव 1957 में हुआ था।

इस चुनाव में लकड़ी के डिब्बों पर प्रत्याशियों का नाम और चुनाव चिन्ह लिखा जाने लगा। मतदाता प्रत्याशियों के नाम और चिन्ह अंकित वाले डिब्बों में कोरे कागज डालकर ही प्रत्याशियों की तकदीर का फैसला करते थे। 1962 में निर्वाचन आयोग पूरी तरह से अस्तित्व में आ चुका था। इस चुनाव में प्रत्याशियों के नाम और चुनाव चिन्ह वाले बैलेट पेपर दिए जाने लगे। इन पर मोहर लगाने की शुरुआत हुई। इसके बाद तकनीक में सुधार के साथ छोटे-छोटे प्रदेशों में 2002 के चुनाव में ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया शुरू कराई गई थी।

2004 के लोकसभा चुनाव में पूरे देश में हाईटेक वोटिंग प्रक्रिया को अपनाते हुए इलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन ईवीएम का सहारा लिया गया। ईवीएम से वर्ष 2007 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव कराया गया था। इससे अभी भी चुनाव हो रहा है। अब ऑनलाइन वोटिंग की तैयारी है। फिलहाल चुनाव में इस बार बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठकर बैलेट पेपर से मतदान करने के लिए छूट दी गई है।

मतदाता दिवस मनाए जाने से मजबूत हो रहा लोकतंत्रः डीएम

जागरूकता कार्यक्रम में अव्वल रहे छात्रों को डीएम शुभ्रांत शुक्ल ने किया सम्मानित

सम्मानित करते डीएम।

चित्रकूट। 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत डीएम शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता एवं शपथ ग्रहण समारोह कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ। डीएम ने समावेशी, सुगम एवं सहभागी की नीतियों का पालन करते हुए अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाए जाने की परंपरा से लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती है।

लोकतंत्र हमें सिखाता है कि हम मतदान करें और दूसरे को भी कराएं। पूरे देश में 12 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा सी विजिल एप्स के माध्यम से पारदर्शिता लाई जा रही है। जहां पर मतदान कम है वहां पर भी जाकर हम प्रेरित करें, निर्भीक एवं स्वतंत्र पूर्ण मतदान करें। उन्होंने बताया कि सेंटर पैरामिलिट्री आ गई है, जिससे निर्भिक होकर आप मतदान कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों को अधिकाधिक मतदान करने और नए मतदाता बनाने की शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए संकल्प लेते हैं कि जो भी मतदान होगा उसमें भाग लेकर उपयुक्त लोगों का चयन करेंगे और अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले मतदान में अपने मताधिकार का प्रयोग करें पहले मतदान, फिर जलपान,की नीत को अपनाकर शत प्रतिशत मतदान करें। अपर जिलाधिकारी कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस दिवस पर जो लोग शपथ लिए हैं उसे अक्षरशः पालन किया जाए। आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। ताकि आप सभी स्वयं एक जागरूक मतदाता बने और दूसरों को भी जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित करें।

हमारे देश का लोकतंत्र सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी मजबूती के लिए हमें शत-प्रतिशत मतदाता बनकर शत-प्रतिशत मतदान भी करना है। इसीलिए हर साल और पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मैयादीन पटेल स्वीप आइकन, शंकर लाल गुप्ता दृष्टि संस्थान से, अतुल कुमार श्रीवास्तव स्वीट आईकन के लोगों ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सभी को इस लोकतंत्र के पर्व में मतदान करने के लिए प्रेरित किए। अनुरंजना सिंह, लालमन, लक्ष्मी के द्वारा कठपुतली नाच के माध्यम से मतदाता जागरूकता किया गया। मतदाता गीत गाकर प्रेरित किए। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा 8 नवोदित मतदाताओ को वोटर कार्ड वितरण किया गया। 6 बीएलओ, स्वीप टीम के 6 सदस्य एवं पोस्टर प्रतियोगिता, गीत प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता के 16 छात्र /छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर बहादुर सिंह, अपर जिला अधिकारी(न्यायिक) वंदिता श्रीवास्तव, एसडीएम कर्वी पूजा यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराज राम, सुरेश प्रसाद आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस ने 70 लाख गबन के ईनामी अपराधी दबोचे

संवादाता। चित्रकूट

ईनामी अपराधी के बारे में पत्रकारों को बताते एसपी।

पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देश पर पुलिस ने 25 हजार रुपये के ईनामी अपराधी को साथी समेत गिरफ्तार कर 70 लाख 30 हजार रुपया के गबन की घटना का खुलासा किया है। ज्ञात है कि 23 नवम्बर 2020 को सीएमएस इन्फो सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड विष्णुपुरी नवाबगंज कानपुर के ब्रांच मैनेजर मनीष दीक्षित ने कोतवाली कर्वी में रिपोर्ट लिखाई कि एटीएम के 70 लाख 30 हजार रुपये प्रदीप पाण्डेय समेत आठ लोगों ने गबन कर लिए हैं। पुलिस ने आठ दिसम्बर को विकास पुत्र चन्द्रभान सिंह निवासी बर्रा कानपुर मूल निवासी मांझा चांदपुर फतेहपुर को बीस लाख रुपये समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

बांकी आरोपियों की गिरफ्तारी को सर्विलांस टीम के प्रभारी एमपी त्रिपाठी व अतिरिक्त अपराध निरीक्षक भाष्कर मिश्रा की संयुक्त टीम ने प्रदीप पाण्डेय पुत्र रामसुमेर निवासी खरियौना भरुई गनेशपुर थाना कुमारगंज जिला अयोध्या जिस पर 25 हजार रुपये का ईनाम था। उसे व उसके साथी विकास मिश्रा पुत्र उदितनारायण निवासी कस्बा मऊ को दबोचा हैं। आरोपियों के कब्जे से गबन की धनराशि से खरीदी स्कार्पियों कीमत 18 लाख बरामद किया है। दोनों आरोपियों का खासा आपराधिक इतिहास है। टीम में सर्विलांस प्रभारी एमपी त्रिपाठी, अपराध निरीक्षक भाष्कर मिश्र, दरोगा अनिल साहू, दरोगा राधाकृष्ण तिवारी, दरोगा संदीप पटेल, सिपाही जितेन्द्र कुमार, रोहित सिंह, शरद सिंह व अनिल यादव शामिल रहे।

कोविड नियमों के तहत किया घर-घर जाकर जनसंपर्क

बांदा। उप्र के बांदा में तेजतर्रार युवा प्रत्याशी धीरज राजपूत ने आज युद्ध स्तर पर नगर की जनता डोर टू डोर जन संपर्क स्थापित किया कोबिट नियमों का पालन करते हुए विधान सभा 2022 के लिए जारी जन सम्पर्क अभियान के तहत बाँदा सदर विधान सभा क्षेत्र बाँदा शहर के अम्बेडकर नगर एवं शुतरखाना वासियों से बाँदा सदर के बसपा प्रत्याशी लोधी धीरज राजपूत ने मुलाकात कर बसपा के समर्थन में मतदान हेतु अनुरोध किया। इस दौरान मोहल्ले वासियों द्वारा मिले प्रेम एवं स्नेह हेतु समस्त मोहल्ले वासियों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन करता हूँ। मोहल्ले वासियों की अपार प्रेम मतदाताओं में तब्दील हो रहा है रहा है जन समर्थन इस बार का वर्तमान प्रत्याशी काफी कुछ मुसलमानों और ब्राह्मणों मतदाताओं को मैं तब्दील करने का प्रयास कर रहे हैं कल हुए ब्राम्हण मतदाता सर्वे में यह ज्ञात हुआ कि वर्तमान समय में बांदा विधानसभा में 65000 ब्राह्मण मैं 70 परसेंट ब्राह्मण भाजपा से भ्रमित हो रहा है अब वह यह सोच रहा है कि बीएसपी में जाऊं या सपा में थोड़ा मैदान में है अब देखना यह है कौन कितनी दौड़ लगाता है और अपने पक्ष में कितने मतदाताओं को करने में सफल होता है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने दिलायी शपथ

उरई (जालौन)। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने राष्ट्रीय मतदाता के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई सभागार विकास भवन में वर्चुअल छात्र- छात्राओं को अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र सबसे अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को मतदान करके अपने पसंद का जनप्रतिनिधि चुनने का मौका मिलता है।

अधिकारियों व कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म वर्ग जाति समुदाय भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यह हमारे छोटे नन्हे मुन्ने बूथ हैं जो घर-घर तक वोट के अधिकार के प्रयोग का संदेश लेकर जाते हैं और अपने माता-पिता भाई-बहन से अनुरोध करते हैं कि आप अपना वोट 20 फरवरी को डालने जरूर जाएंगे। जनपद में शत-प्रतिशत मतदान होगा। इस अधिकार को प्राप्त करने के लिए लोगों ने बहुत से आंदोलन किए हैं। बलिदान और संघर्ष किए हैं यह वो अधिकार है जो आपको सशक्त करता है एवं भावनाओं को जागृत करता है कि आप अपनी सरकार खुद चुन सकें। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित छात्र-छात्राओं को स्लोगन लेखन, पोस्टर चित्रकला, निबंध, रंगोली, मेहंदी, नुक्कड़ नाटक, गीत, वाद विवाद, तत्काल भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय एवं तृतीय को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

ट्यूबवेल से पाइप चोरी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

जालौन। ट्यूबवेल से चोरी हुए पाइपों के बारे में पूछने पर 3 लोगों ने युवक के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर दी और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी है। पीड़ित ने घटना की शिकायत सीओ से की है। थाना सिरसा कलार निवासी मान सिंह ने सीओ को बताया कि उनके खेत में लगे ट्यूबवेल से 21 जनवरी को पाइपों की चोरी हो गयी थी। ट्यूबवेल से हुई चोरी की जानकारी जब उसने गांव के रामकुमार, अन्नू व दीपू से चाही तो वह गाली-गलौज पर उतर आए। मना करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित का आरोप है कि उन्हें शक है कि उनके पाइपों की चोरी इन तीनों लोगों ने ही की है। इसकी चलते उन्होंने धमकी दी है कि अगर शिकायत की तो वह उसे झूठे मुकदमे में फंसा देगा। पीड़ित ने सीओ से निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

क्विक न्यूज

मऊ में बनेगा सबसे बड़ा सोलर प्लांट

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के बरगढ क्षेत्र में भारत सरकार व प्रदेश सरकार के प्रयास से सबसे बडे सोलर प्लांट का शुभारम्भ होगा। किसानों को इससे सुविधायें मिलेंगी। मंगलवार को मऊ तहसील के एसडीएम नवदीप शुक्ला, तहसीलदार शशिकान्त मणि व टीएचडीसी एवं यूपीनेडा के केबी सिंह, शिवशंकर तिवारी, वरिष्ठ अभियंता हर्षबंसल की ओर से नवल किशोर मिश्र, अवधेश शुक्ला, अनुज शुक्ला ने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित होने से क्षेत्र के किसानों की आय में वृद्धि के साथ रोजगार मिलेगा। किसानों के जीवन स्तर में सुधार होगा। परियोजना प्रभारी केबी सिंह ने बताया कि इससे पूर्व में टीएचडीसी ने विश्व के सबसे ऊंचे अर्थ एवं राकफिल डैम का निर्माण किया है। परियोजना प्रभावित परिवारों के स्तर में सुधार का विभिन्न कार्य कर रही है। ग्रामीणों से सहयोग की अपील किया। सौर ऊर्जा प्रबंधक शिवशंकर तिवारी ने बताया कि आठ सौ मेगावाट की सोलर पार्क परियोजना को चार हजार एकड भूमि की जरूरत होगी। 80 फीसदी से ज्यादा की सहमति मिल गई है। परियोजना सम्पन्न होने से बुन्देलखण्ड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। किसानों की ओर से पूर्व ब्लाक प्रमुख नवल किशोर मिश्र ने भारत सरकार व प्रदेश सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गीत गाकर मतदाताओं को वोट डालने के लिए किया जागरूक

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में जिला निर्वाचन अधिकारी जिला कलेक्टर अनुराग पटेल ने राष्ट्रीय मतदान दिवस का आयोजन किया और कुछ समय के लिए मोहम्मद रफी की तर्ज पर एक मंच से गीत गाया यह शहर जब छोड़ कर चला जाऊंगा तो तेरी याद बहुत आएगी गमों को भुला कर चला जाऊंगा तो तेरी याद बहुत आएगी इस तर्ज पर बांदा जनपद के मतदाताओं को वोट डालने के लिए उत्साहित करते हुए प्रयास प्रयास किया एक कार्यशाला का आयोजन किया और एक लंबा लोगों के साथ मार्च चें भी किया रास्ते में बच्चियों छोटे.छोटे बच्चों और महिलाओं को 23 फरवरी वोट डालने के लिए प्रोत्साहित किया है बांदा कलेक्टर अनुराग पटेल ने सर्व धर्म एक होने की बात कही और तीनों झंडो का फ्लैग मार्च निकालकर सभी धर्मों के लोगो को 23फरवरी2022 को वोट करने की बात कही स्वयं मुश्लिम झंडा लेकर चले और2 अधिकारी हिदू झंडा और सफेद झंडा लेकर वोट मतदान का जुलूस निकालकर जान जागरण किया

डम्पर ने बाइक में मारी ठोकर, एक की मौत

चित्रकूट। मऊ तहसील क्षेत्र के अहिरी गांव के पास बाइक सवार को डम्फर ने ठोकर मार दी। इससे बाइक सवार राममिलन उर्फमनीष (35) पुत्र बाबूलाल यादव निवासी बैरमपुर थाना रैपुरा की मौके पर मृत्यु हो गई। मृतक के एक पुत्री व दो पुत्र हैं। मृतक मजदूरी करता था। ये हादसा मंगलवार को सवेरे नौ बजे हुआ। बताया गया कि अहिरी गांव के पास बाइक सवार राममिलन घरेलू सामान लेने जा रहा था। कर्वी की ओर से आ रहे डम्फर ने ठोकर मार दी। इससे मनीष की मौके पर मृत्यु हो गई। बैरमपुर के वाशुदेव उर्फलाला पटेल (25) घायल हो गये। विमला देवी व उमा देवी भी घायल हो गई हैं। ग्रामीणों की मदद से घायलों को मऊ सीएचसी लाया गया। सीएचसी में अधीक्षक ने बताया कि राममिलन की मृत्यु हो चुकी है। वाशुदेव की हालत नाजुक होने पर इलाहाबाद रेफर किया है। मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है।

रास्ते के विवाद में युवक के साथ मारपीट

जालौन। रास्ते में निकलने को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने गांव में आकर युवक के साथ न केवल मारपीट की बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रूरा मल्लू निवासी अनिल सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि सोमवार को वह सातमील से बाइक लेकर अपने गांव जा रहा था। तभी रास्ते में वाहन निकालने को लेकर हरकौती निवासी राघवेंद्र उसके साथ अकारण ही गाली, गलौज करने लगा। जिसकी शिकायत करने वह अपने भाई सनी के साथ राघवेंद्र के घर चला गया। वहां से लौटकर जब वह अपने घर आया तो राघवेंद्र के साथी धर्मेंद्र, कुमकुम व आशीष लाठी, डंडे और सरिया लेकर उसके घर आ धमके। तीनों ने घर में घुसकर उसे व उसके भाई सनी के साथ गाली, गलौज करते हुए मारपीट की। जिसमें उसे चोटें आई हैं। शोरगुल सुनकर आसपास के लोगों को आता दख उक्त सभी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। उक्त संदर्भ में कोतवाल शैलेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला मोर्चा की महामंत्री ने गिनाई योगी सरकार की उपलब्धियां

चित्रकूट। भाजपा ने चुनाव आयोग के निर्देश पर महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने चुनाव प्रचार का शुभारम्भ एलआईसी तिराहे से किया। मंगलवार को बिहार से आई चुनाव प्रभारी संयोजिका श्रीमती विनीता मिश्रा की अगुवाई में महिला मोर्चा जिला महामंत्री विनीता द्विवेदी ने सरकार की उपलब्धियां बताते हुए एलआईसी तिराहे से लेकर महिला थाना चौराहा तक मार्च किया। उन्होंने सभी लोगों को भाजपा सरकार की उपलब्धि बताई।

विदेशी कम्पनियों को करें बैनः हरिशंकर

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिला मंत्री हरिशंकर गुप्ता ने अमेजॉन फ्लिपकार्ट ऑनलाइन कंपनियों का विरोध करते हुए भारत सरकार से गुजारिश की है कि इन कंपनियों को भारत में बैन किया जाए। मंगलवार को गुप्ता ने अमेजॉन पर ऑनलाइन के माध्यम से भारतीय तिरंगा डिजाइन वाले जूतों की बिक्री हो रही है। यह हमारे देश के स्वाभिमान राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर रहे हैं। ऐसी विदेशी कंपनियों पर कड़ी कार्यवाही करते हुए भारत में पूरी तरह से बैन किया जाए। जिला मंत्री हरिशंकर ने गुजारिश की है कि सभी देशवासी इस तरह की कंपनियों से खरीदारी न करें। जो हमारे देश का अपमान कर रहे हैं। जिला मंत्री ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अमेजॉन विदेशी कंपनियों को पूरी तरह से भारत में बैन करने की गुजारिश की है। इस मौके पर करामत अली, रवि गुप्ता, पप्पू जायसवाल, मंडल कार्यवाहक अध्यक्ष छुटकू, दीपक पटेल, शिवम आदि मौजूद रहे।

प्रभारी नंबर से नहीं खरीद रहे धान

दलालों के माध्यम से सीधे ट्रकों में लोड होता धान।

चित्रकूट। भाकियू तहसील अध्यक्ष तीरथ प्रसाद सिंह ने बताया कि क्रय केंद्र रामनगर में दलालों के माध्यम से धान खरीदी हो रही हैं। दर्जनों किसानों ने भाकियू पदाधिकारियों को बताया कि मौके पर पहुंचकर पदाधिकारियों ने देखा कि केन्द्र प्रभारी लालबहादुर सिंह दलालों से पैसा लेकर धान खरीद रहे हैं। मंगलवार को भाकियू तहसील अध्यक्ष तीरथ प्रसाद सिंह ने कहा कि हफ्तों से पड़े किसानों का नम्बर नही लग रहा। लाये धान की तौल भी नही की जाती। सीधे ट्रैक्टरों से ट्रकों में लोड कर दिया जाता है। बिना नम्बर के तौल की जाती हैं। दबंग केंद्र प्रभारी से नम्बर में लगे किसान बात करते हैं तो उन्हें कहा जाता है कि दूसरी जगह जा कर बेंच लो। किसान रवि करण पांडेय, बेनीप्रसाद, रामचन्द्र, मोनू तिवारी, शिवप्रसाद, बबली सिंह, साधुराम सिंह, बबलू, मुन्नीलाल सिंह, राजकिशोर सिंह आदि किसानों ने केंद्र प्रभारी पर नम्बर से धान न खरीदने का आरोप लगाते हुए कहा कि हफ्तों से पडे है। हमारा नम्बर होने के बाद भी धान नही खरीदा जा रहा है।

सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया जाए गणतंत्र दिवस का पर्वः डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी ने बताया कि प्रात: 7 बजे मलिन बस्तियों में सफाई अभियान, 8 बजे प्रभात फेरी घोष के साथ एनसीसी स्काउट तथा झांकियां, 8.30 बजे समस्त सरकारी अर्द्ध सरकारी भवनों में झंडारोहण, झंडाभिवादन,राष्ट्रगान, संविधान के संकल्प का स्मरण तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान, 9:30 बजे पुलिस लाइन में पुलिस परेड कार्यक्रम, 10 बजे समस्त शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण राष्ट्रगान संविधान के संकल्प का स्मरण एवं खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10:15 बजे जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल एवं मिठाई का वितरण, 10.30 बजे साइकिल दौड़, 9 बजे से 10:30 बजे तक स्टेडियम में वॉलीबॉल प्रतियोगिता, 11 बजे से दो बजे तक मंदाकिनी गेस्ट हाउस करबी में उत्तर प्रदेश दिवस आयोजन कार्यक्रम, 2 बजे दृष्टि संस्था शंकर बाजार करबी में फल वितरण तथा 3 बजे रूट मार्च का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को देखते हुए सभी संयोजक तथा सह संयोजक अधिकारियों को निर्देश दिए की गणतंत्र दिवस को सादगी, सौहार्द, निष्ठा और गरिमा से उत्साह पूर्वक मनाया जाए। गणतंत्र दिवस को मनाये जाने के लिए जो शासन से दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं उसी के अनुसार कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता काअनुपालन एवं आवश्यक कार्यवाही करते हुए उपरोक्त राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 2022 को सादगी के साथ गरिमा पूर्ण ढंग से मनाया जाए।

छोड़ो अपने सारे काम पहले करो मतदान

संवाददाता। उरई(जालौन)

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य व अन्य

लक्ष्मीचरण हुब्बलाल महाविद्यालय के परिसर में एनएसएस के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम प्राचार्य डा. योगेश कुमार पचौरी की अध्यक्षता में संपन्न किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक इंजी. प्रभाकर अवस्थी ने मत और दान करने का सही तरीका बताया। प्राचार्य डा. योगेश कुमार पचौरी ने चुनाव की एक धर्म संज्ञा दी जिसमें सभी को मतदान की आहूति देना अनिवार्य बताया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता डा. राजेश कुमार स्वामी ने संविधान की गरिमा को बताते हुए मतदान क्यो आवश्यक है के विषय पर मार्गदर्शन किया और कहा कि छोड़ो अपने सारे काम पहले करो मतदान। डा. अम्बरीश बाजपेयी ने कहा कि अपना अमूल्य वोट देकर अपना भाग्य स्वयं लिखे वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है का नारा दिया।

नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की यही पुकार करो अपना मतदान। मतदान करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन कुछ लोग अपने इस महत्वपूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी को नही निभाते सभी इससे दूर रहना चाहते या मतदान दिवस को अवकाश दिवस के रूप से मनाते है।

यदि आप मतदान करेगे तो आज अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकेगे। लोकतंत्र में हिम्मेदारी हम सबकी है जिम्मेदारी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर कुलदीप, आशीष, राजेश, जगदीश, अर्चना, प्रतापभान, रजनीकांत, रागनी, प्रवीण, सुरेन्द्र निगम, संतोष वर्मा, शिव कुमार पुरवार, राजा यादव, सत्य नारायण, आदि महाविद्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया टीम ने

जालौन। राज्य की कायाकल्प तीन सदस्यीय टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर मूल्यांकन किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल की सेवाओं, व्यवस्थाओं और संसाधनों की भौतिक स्थिति का जायजा लिया। टीम दौरे से संतुष्ट नजर आई। मूल्यांकन के आधार पर अस्पताल को नंबर मिलेंगे।

वर्ष 2014 में मोदी सकार की ओर से स्वच्छ भारत अभियान शुरू होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने अस्पतालों के लिए कायाकल्प योजना चलाई है। इसके अंतर्गत अस्पतालों की सेवाओं, साफ-सफाई, स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण और सपोर्ट सर्विस के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। अव्वल आने पर तीन श्रेणियों में पुरस्कार राशि दी जाती है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से भेजे गए क्षेत्रीय गुणवत्ता सलाहकार डॉ. सुरेंद्र सिंह, अस्पताल गुणवत्ता प्रबंधक खुशबू और कैंसर एड्स सोसाइटी के डायरेक्टर राजेश यादव ने नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, दवा भंडार, पैथोलॉजी लैब, इमरजेंसी वार्ड, इंडोर वार्ड, ऑपरेशन थियेटर और प्रसव कक्ष और पोस्ट डिलीवरी कक्ष का निरीक्षण किया।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. केडी गुप्ता ने अस्पताल की सेवाओं से जुड़ी जानकारियां दीं। जिसमें उन्होंने टीम को बताया कि अस्पताल में मरीज काफी संख्या में आते हैं और सीएचसी से जुड़ा क्षेत्र भी काफी बड़ा है। ऐसे में बिल्डिंग के विस्तार की आवश्यकता है। साथ ही स्टॉफ भी पूरा नहीं है। जिस पर टीम ने उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. कपिल देव गुप्ता, योगेश आर्या, डॉ. राजीव दुबे, फार्मासिस्ट डॉ. पीएन शर्मा, अवधेश राजपूत मोहसिन खान आदि मौजूद रहे।

सरकारी संरक्षण के अभाव में कालपी का कालीन उद्योग व्यापार पड़ा कमजोर

कालपी(जालौन)। शासकीय सुविधा न मिलने के कारण कालपी का कालीन उद्योग दिनोंदिन कम होता जा रहा है। कालीन का व्यवसाय कमजोर होने के कारण बुनकर तथा कारोबारियों सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है। मालूम हो कि 80 के दशक में ग्वालियर के रहने वाले अबरार उस्ताद तथा रहीम बेग ने कालपी आकर कालीन बुनने की विधि नगर वासियों को बताई थी। देखते ही देखते हजारों लोगों ने कालीन की बुनाई का प्रशिक्षण लेकर बुनकरी के धंधे में जुट गये। कालपी की बुनी हुई हाथ की कालीन ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, मुम्बई, जयपुर के एक्सपोर्ट मार्केट में काफी मांग होती थी। लेकिन बीते पांच सालों से कालीन का व्यवसाय में कमजोरी शुरू हो गई। विदेशों में कालीन का निर्यात कमजोर होने से मांग घट गई। इधर कच्चे माल, ऊन, सूत्र, विस्कोस आदि के दामों में बढ़ोत्तरी हुई लेकिन कालीन 300 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से ऊंचाई पर नही पहुंच सकी तथा बुनकरों, कारोबारियों को नुकसान होने लगा।

कालीन उद्योग में काम करते कारीगर

प्रोसेसिस प्लांट न होने से बनी गम्भीर समस्या

कालीन उत्पादक कल्लू खान, सुलेमान मंसूरी आदि ने बताया कि निर्मित कालीन को ग्वालियर के प्लांटों में पहले तैयार कराया जाता था फिर निर्यातक खरीद करते थे। इसीलिए ग्वालियर के बिचौलियों को कालीन कम दामों में बेचने के हम लोग मजबूर होते थे तथा बिचौलियों अधिक मुनाफाखोरी करते थे। उन्होंने बताया कि कालपी में प्रोसेसिस प्लांट की तमाम बार मांग उठाई गई। लेकिन सरकार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित हुए जनजागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता। अमेठी

मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाते हुए जिलाधिकारी

भारत में हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए अहम है। इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है। भारत में जितने भी चुनाव होते हैं, उनको निष्पक्षता से संपन्न कराने की जिम्मेदारी %भारत निर्वाचन आयोग% की होती है। %भारत निर्वाचन आयोग% का गठन भारतीय संविधान के लागू होने से 1 दिन पहले 25 जनवरी 1950 को हुआ था, क्योंकि 26 जनवरी 1950 को भारत एक गणतांत्रिक देश बनने वाला था और भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग का गठन जरूरी था इसलिए 25 जनवरी 1950 को %भारत निर्वाचन आयोग% गठन हुआ। भारत सरकार ने वर्ष 2011 से हर चुनाव में लोगों की भागीदारी ब ?ाने के लिए निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस %25 जनवरी% को ही %राष्ट्रीय मतदाता दिवस% के रूप में मनाने की शुरुआत की थी और 2011 से ही हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश में सरकारों और अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिससे कि देश की राजनीतिक प्रक्रियाओं में लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उक्त बातें आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि किसी विकसित और मजबूत राष्ट्र एवं स्वस्थ समाज की आधार शिला मतदाता होते हैं। गौरवशाली राष्ट्र वही होता है जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नैतिक कर्तव्य समझते हैं। मतदान सबसे ब ?ा दान होता है। यही लोकतंत्र की स्वस्थ परम्परा का द्योतक है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों व जन सामान्य को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए शपथ दिलाई इसके साथ ही राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयो, में मताधिकार के लिए शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी डा. अंकुर लाठर ने अपने संबोधन में कहा कि मजबूत राष्ट्र एवं सुन्दर समाज के निर्माण के लिए यह अद्भुत स्थित है कि आज गणतंत्र दिवस के पूर्व मतदाता दिवस का आयोजन हो रहा है। लोकतांन्त्रिक मजबूत राष्ट्र एवं स्वस्थ समाज की पहली क ?ी मतदाता है। उन्होंने जनपद के समस्त बालिग युवक एवं युवतियों से मतदाता बनने एवं अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आवाहन किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पहली बार मतदाता बने युवाओं को मतदाता पहचान पत्र वितरित किया, इसके साथ ही 14 से 19 जनवरी के मध्य आयोजित हुई ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नागरिकों को रु. 2500, 1500 व 500 की धनराशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा स्वीप कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर डीएम, एसपी व सीडीओ ने कलेक्ट्रेट परिसर में मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ किया साथ ही स्वीप लोगो अमेठी की तुम बनो शान-27 फरवरी को करो मतदान का अनावरण किया। कार्यक्रम का संचालन डा. रमेश सिंह ने किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक आरके द्विवेदी, उप जिलाधिकारी गौरीगंज सविता यादव, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट फाल्गुनी सिंह, रितु चौधरी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविंद पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक उदय प्रताप सिंह, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी आशुतोष मिश्रा, तहसीलदार गौरीगंज, वरिष्ठ नागरिक, पत्रकारगण, लेखपाल, कानूनगो, बीएलओ, सुपरवाइजर, छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

बैंक प्रबंधक समेत 10 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

ऊंचाहार,रायबरेली। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 110 लोगों की एंटीजन किट के माध्यम से कोरोना की जांच की गई, जिसमें एसबीआई के शाखा प्रबंधक समेत दस लोगों की जांच रिपोर्ट कोरोना संक्रमित पाई गई है।मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 110 लोगों की एंटीजन किट के जरिए कोरोना की जांच की गई। जिसमें नगर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम व उनकी बेटी समेत दस लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट संक्रमित पाई गई है। सभी संक्रमितों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में होम आइसोलेशन में रखा गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि 110 लोगों की कोरोना की जांच की गई जिसमें दस लोगों की जांच रिपोर्ट संक्रमित पाई गई है। संक्रमित पाए गए सभी रोगियों के संपर्क में आने वाले लोगों की भी जांच कराई जाएगी।

ट्रक व डीसीएम की आमने-सामने भिड़ंत में तीन गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल किए रेफर

बछरावां । रायबरेली थाना क्षेत्र के पहुरावा गांव के पास लखनऊ प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर रात लगभग 2. 30 बजे ट्रक और डीसीएम की आमने-सामने भिड़ंत में डीसीएम चालक सहित तीन लोग गंभीर घायल हो गए घटनाक्रम के अनुसार देर रात लगभग 2रू30 बजे लखनऊ प्रयागराज पर वनवे होने की वजह से लखनऊ की तरफसे जा रहा इलाहाबाद ट्रक एवं रायबरेली की तरफसे आ रही डीसीएम आमने सामने भीषण टक्कर हो गई डीसीएम में बैठे एंजेला व शादाब एवं चालक शैलेश यादव पुत्र संतोष यादव निवासी जौनपुर गंभीर घायल हो गए। वहीं चालक डीसीएम में बुरी तरह फ्स जाने के कारण घंटों डीसीएम में फंसा रहा कड़ी मशक्कत के बाद सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने हाइड्रा की मदद से ड्राइवर को बाहर निकाला घंटों यातायात बाधित रहा घायलों को बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर जाया गया। वही तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफ्र किया गया। जिसमें ड्राइवर शैलेश यादव की हालत अति गंभीर बताई जा रही है। थाना अध्यक्ष जगदीश यादव ने बताया है ट्रक और डीसीएम को हाइड्रा की मदद से हाईवे से हटाकर यातायात सुचारू रूप से चालू किया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की विधित कार्यवाही की जाएगी।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

अमेठी । जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र ने बताया कि कोविड-19 के दृष्टिगत जारी दिशा निर्देशों एवं प्रोटोकाल का अनुपालन के साथ जनपद में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पूर्ण गरिमा एवं हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 08ः30 बजे कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, संविधान की प्रस्तावना एवं उससे सम्बन्धित इतिहास पर प्रकाश डाला जायेगा। जिसके उपरान्त प्रातः 08ः30 बजे सभी सरकारी व अर्द्धसरकारी कार्यालयों में झण्डारोहण के साथ ही राष्ट्रगान आयोजित होगा। प्रातः 10ः00 बजे से समस्त शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक कतव्यों का पाठन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकता धर्म निरपेक्षता, साम्प्रदायिक सौहार्द, साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा साथ ही डा0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्टस स्टेडियम अमेठी में 5 किलोमीटर साइकिल रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा व समस्त नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत व मलिन बस्तियों में सामूहिक सफाई का अभियान आयोजित होगा।

उम्मीदवार अधिकतम चार सेटों में नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं, जमानत धनराशि एक बार ही करनी होगी जमाः वैभव

रायबरेली । जिला मजिस्ट्रेटजिला निर्वाचन अधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद में अवस्थित समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियो निर्वाचन लड़ने वाले सम्भावित उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग ने जनपद में अवस्थित समस्त 6 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 05 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में चतुर्थ चरण में मतदान तथा 01 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का पंचम चरण में मतदान सम्पन्न कराये जाने हेतु कार्यक्रम घोषित किया गया है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन कक्षों का चयन कर लिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चतुर्थ चरण में विधान सभा 177 बछरावां (अ0जा0) का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, नगर मजिस्ट्रेट, 179 हरचन्दपुर का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, 180 रायबरेली का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), 182 सरेनी का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, एवं 183 ऊँचाहार विधानसभा का नामांकन स्थल न्यायालय कक्ष, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) का निर्वाचन की अधिसूचना तिथि 27 जनवरी 2022 (बृहस्पतिवार) नामांकन निर्देश दाखिल करने हेतु अंतिम तिथि 3 फ्रवरी 2022 (बृहस्पतिवार), नाम निर्देशन की जांच तिथि 4 फ्रवरी 2022 (शुक्रवार), नाम वापसी हेतु अन्तिम तिथि 07 फ्रवरी 2022 (सोमवार), मतदान 23 फ्रवरी (बुधवार) को किया जायेगा।

मतदाता दिवस पर डीएम ने जागरूकता का दिया संदेश

- लोक गीत व कठपुतली नृत्य से फैलाई जागरूकता

संवाददाता। सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर में मंगलवार को हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों की धूम रही। लोकगीत और कठपुतली नृत्य के जरिए मतदाताओं में जागरूकता फैलाई गई, साथ ही जागरूकता के लिए आकर्षक रंगोली सजाई गई तो हस्ताक्षर अभियान भी चला। सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षक केंद्र रहा। समूचे जिले की सभी तहसीलों में करीब 31 लाख वोटरों को शपथ दिलाई गई, साथ ही पहली दफा वोटर बने युवाओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को भी सम्मानित भी किया गया। सदर तहसील में शहर के राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज शरीक हुए, सबसे पहले एनसीसी कैडेटों ने मुख्य अतिथि को सलामी दी, बाद में उन्हें मंच तक पहुंचाया, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में जागरूकता फैलाने के लिए महिलाओं ने लोकगीत की शानदार प्रस्तुति दी, साथ ही कठपुतली कलाकारों ने भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कठपुतली नृत्य पेश कर लोगों का मन मोह लिया। साथ ही अपने अधिकारों को पहचान कर मतदान करने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने जनता को उनके अधिकार बताए। साथ ही अपने अधिकारों का सही तरीके से प्रयोग करने की नसीहत भी दी। जिलाधिकारी का संबोधन। कार्यक्रम को अपर जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाभिहीत अधिकारियों एवं बूथ लेवल अफ्सरों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के समापन पर जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने पायनियर से कहा कि हर मतदाता अपने मत का करें प्रयोग।

असमंजस में बछरावां विधानसभा का वोटर

- चुनावी सरगर्मियों के बीच राजनैतिक पार्टियों की ओर से प्रत्याशी घोषित न होने के चलते कार्यकर्ता परेशान

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के नामांकन की तारीख नजदीक आती चली जा रही है और समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी व अन्य दलों के प्रत्याशी न घोषित होने के चलते मतदाता अभी अपना मूड बना पाने में असमंजस की स्थिति में है और तो और पार्टी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है प्रत्याशी के नाम घोषित होने में देरी की वजह शायद पार्टियां हर प्रत्याशी की छानबीन में जुटी हुई है लेकिन प्रत्याशी का नाम देर होने से क्षेत्र में तरह-तरह की बातें उत्पन्न हो रही हैं व कई अफ्वाहों का फैलना स्वभाविक है बछरावां विधानसभा में कांग्रेस पार्टी ने काफी दिनों पहले ही अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया लेकिन अन्य पार्टियों के प्रत्याशी का इंतजार बछरावां विधानसभा के मतदाता व कार्यकर्ता कर रहे हैं अगर जल्द प्रत्याशियों के नाम घोषित हो जाए तो शायद जो क्षेत्र में तरह-तरह की अफ्वाहें फैल रही हैं उन पर एक विराम लग जाए और पार्टी कार्यकर्ता अपने उम्मीदवार के लिए मतदाताओं से पार्टी व उम्मीदवार को जिताने की अपील कर सकें स्थिति साफ ना होने के कारण अफ्वाहों का भी क्षेत्र में बोलबाला है जैसे-जैसे प्रत्याशियों के नाम घोषित होने में देरी हो रही है वैसे क्षेत्र में तरह-तरह की बातें अफ्वाह फैल रही है और वही राजनीति के गुणा गणित लगाने वाले लोगों की भी इस बार गुणा गणित बछरावां में समीकरण देखते हुए फेल नजर आ रहे हैं क्योंकि हर राजनीतिक दल में एक से अधिक प्रत्याशी होने का दावा करते हैं लेकिन यह तो आने वाला वक्त ही बता पाएगा कि किस पार्टी का कौन होगा प्रत्याशी क्षेत्र का प्रबुद्ध वर्ग की यह मांग है कि सभी राजनीतिक दल जल्द अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दें जिससे क्षेत्र का माहौल सुधर सके और अफ्वाहों पर विराम लग पाए और क्षेत्र की जनता को भी अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करने में सोचने समझने का वक्त मिले क्योंकि यह चुनाव क्षेत्र के विकास और भविष्य पर निर्भर करता है ।

कोविड प्रोटोकाल के साथ वाईडीसी में मनाया गया उत्तर प्रदेश दिवस

लखीमपुर-खीरी। उप्र शासन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार प्राचार्य डा. हेमन्त पाल के दिशा निर्देशन में आज महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन कोविड प्रोटोकाल एवं आदर्श चुनाव संहिता का पालन करते हुए किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश अतीत एवं वर्तमान विषय पर ऑनलाइन क्विज एवं इसी क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव, उत्तर प्रदेश के उत्सव/मेलों का चित्रण एवं उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत का चित्रण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का संयोजन डा. नूतन सिंह ने किया तथा डा. ज्योति पंत, डा. सुभाष चन्द्रा व मोहम्मद आमिर ने सदस्य के रूप में सक्रिय योगदान दिया। इसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया तथा विजेता छात्र-छात्राओं को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डा. डीएन मालपानी, विजय प्रताप सिंह, सतेन्द्र पाल सिंह रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूफियान सिद्दीकी, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से समरा मंसूर एवं साजिद अली एवं तृतीय स्थान पर खुशी गुप्ता रहीं तथा सांत्वना पुरूस्कार प्रिया शुक्ला को प्राप्त हुआ।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

दौड़ प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों का हुआ सम्मान

संवाददाता। सीतापुर

गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में आज जिला खेल कायार्लय द्वारा प्रातः 8:00 बजे से मतदाता जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संजीव कुमार सिंह एवं वसीम अहमद ने हरी झंडी दिखाकर किया। मतदाता जागरूकता दौड़ में विजयी रहे प्रतिभागियों को समाजसेवी दिनेश जयसवाल द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। फ्रि 10 किलोमीटर साइकिल रेस का आयोजन पुरूष एवं महिला ओपेन वर्ग में किया गया। साइकिल रेस में लगभग 73 खिलाड़िय ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सीओ सिटी पीयूष कुमार सिंह का क्रीड़ा अधिकारी द्वारा बैच लगाकर स्वागत किया गया। फ्रि मुख्य अतिथि ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए।

प्रियदर्शिनी महिला क्लब ने इंडियन कॉफी हाउस के कर्मचारियों को किया सम्मानित

संवाददाता। ऊंचाहार

एनटीपीसी की महिला संस्था प्रियदर्शिनी महिला क्लब ने इंडियन कॉफी हाउस के उन सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया जो कोरोना काल में जान की परवाह किए बिना संयंत्र व आवासीय परिसर में अपनी ओर से सेवाएं प्रदान कर रहे थे। सम्मान समारोह में आईसीएच कर्मियों को जैकेट देकर उनका अभिनंदन किया गया। कोरोना महामारी की पहली व दूसरी लहर के दौरान आईसीएच की कभी न रुकने, कभी न थकने की दृढ़-इच्छा ने परियोजना के महामारी से परेशान कई लोगों की सेवा की है। जहां एक ओर समाज के कई लोग कोरोना संक्रमित से दूरी बना लेते हैं और उनकी सेवा करने से भी बचने की कोशिश करते हैं वहीं दूसरी ओर सेवा भाव से ओतप्रोत आईसीएच के कर्मचारियों ने संक्रमितों की सेवा में भी कोई कमी नहीं रहने दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) अरिंदम बनर्जी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) एस के झा, मानव संसाधन विभागाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी, अपर महाप्रबंधक (पी एंड एस) चन्द्रशेखर बुरलावर, क्लब की उपाध्यक्ष विद्या झा सहित क्लब की अन्य वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पालन किया।

आयोग की ओर से अधिकृत वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों से भी डाल सकेंगे वोटः डीएम

- हर प्रकार का फोटोयुक्त आईडी होगा मतदान के लिए मान्य

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिए निर्णय पर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के संबंध में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगाए परंतु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।डीएम ने बताया कि एपिक के संबंध में लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजरअंदाज कर देना चाहिए, बशर्ते निर्वाचक की पहचान एपिक से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है जो कि किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे ही एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किए जाएंगे। बशर्ते उस निर्वाचक का नाम जहां वह मतदान करने आया हैए उस मतदान केंद्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव ना हो। तब निर्वाचक को उपरोक्त वैकल्पिक दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा। उपरोक्त किसी भी बात के होते हुए भी प्रवासी निर्वाचको कोए जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 20 क के अधीन निर्वाचक नामावलियो में पंजीकृत हैं, उन्हें मतदान केंद्र में उनके केवल मूल पासपोर्ट तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं के आधार पर ही पहचाना जाएगा। इसमें आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों एवं डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट फोटो युक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र एवं राज्य सरकार लोक उपक्रम पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटो युक्त सेवा पहचान पत्रए सांसदोंध् विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, यूनिक डिसेबिलिटी आईडी यूडीआईडी कार्ड सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार शामिल रहे।

बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

श्रावस्ती। सोनवा . थाना सोनवा अंतर्गत ग्राम महतो पुरवा चौराहा के निकट सोमवार की रात आठ बजे तेज बारिश के दौरान बहराइच से जमुनहा मार्ग पर बहराइच की तरफसे आ रही एक पिकअप में लदा खाद्य पदार्थ भीगने से बचाने के लिए पिकप में बंधे तिरपाल की रस्सी ढिली होने के कारण पिकप को रोक कर उसमे बैठा पल्लेदार राजित राम उतरकर रस्सी सही करने लगा इसी दौरान बहराइच की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पल्सर बाइक सवार अखिलेश बर्मा अनियंत्रित होकर राजित राम की तेज टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में राजित राम यादव की मौके पर ही मौत हो गई जबकी बाइक सवार अखिलेश बर्मा गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे एम्बुलेंस की सहायता से जिला चिकित्सालय बहराइच भर्ती कराया गया है। थाना मल्हीपुर के जमुनहा पुलिसचौकी अंतर्गत फ्तेहपुर बनगई के मजरा बासग ?ी निवासी राजितराम यादव जो पेशे से पल्लेदार है वह सोमवार की रात एक पिकप से माल लादकर तेज बारिश में बहराइच से जमुनहा की तरफआ रहे थे इस बीच थाना सोनवा क्षेत्र के ग्राम महतो पुरवा चौराहा के निकट वह पिकप रुकवाकर गाड़ी पर बंधे तिरपाल की ढीली रस्सी को सही करने लगे तभी बहराइच की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार अखिलेश बर्मा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी पल्लेदार राजितराम का एक पैर कटकर अलग हो गया ।

समाजवादी पार्टी ने दी हरी झंडी, अटकलें खत्म

मिश्रिख से मनोज राजवंशी व लहरपुर से अनिल वर्मा लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता। सीतापुर

समाजवादी पार्टी ने आज सीतापुर की मिश्रिख और लहरपुर विधानसभा सीट पर प्रत्याशी फाइनल कर दिए हैं। मिश्रिख से पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी के बेटे मनोज राजवंशी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है। जबकि लहरपुर में पूर्व विधायक अनिल वर्मा पर भरोसा जताया है। सपा के इस फैसले के बाद मिश्रिख और लहरपुर में प्रत्याशी चयन को लेकर लगाए जा रहे कयासों और चल रही अटकलों का दौर भी खत्म हो गया है। इसी के साथ सीतापुर की आठ सीटों पर सपा ने प्रत्याशी उतार दिए हैं। अब केवल सिधौली पर उम्मीदवार का चयन करना बाकी है। मिश्रिख विधानसभा सीट पर सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर द्वारा दावा ठोंके जाने के बाद यहां बड़ी तेजी से समीकरण बिगड़ने और बनने लगे थे। कयास लगाए जाने लगे कि मिश्रिख सीट सुभासपा के खाते में चली गई। ऐसे में पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी की दावेदारी पर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। आज रामपाल राजवंशी ने लखनऊ पहुंचकर सप मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात की। रामपाल राजवंशी ने पायनियर को बताया इस मैराथन मुलाकात में सपा अध्यक्ष ने मिश्रिख सीट पर उनके बेटे मनोज राजवंशी को चुनाव लड़ाने की हरी झंडी दे दी है। लहरपुर विधानसभा सीट पर सपा से दो सशक्त दावेदार थे। एक पूर्व विधायक अनिल भार्गव और दूसरे पूर्व विधायक जासमीर अंसारी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने आज दोनों पूर्व विधायकों को लखनऊ बुलाया। बैठक के दौरान अनिल वर्मा को लहरपुर से प्रत्याशी बनाए जाने पर सहमति बनी। पूर्व विधायक जासमीर अंसारी ने भी बड़ा दिल दिखाते हुए अनिल वर्मा को ही लड़ाए जाने की बात कही।

सपा में शमिल हुए कई पदाधिकारी

महमूदाबाद सीतापुर। विभिन्न दलों का समर्थन कर रहे लगभग तीन दर्जन लोग मंगलवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गये। विधायक नरेन्द्र सिंह वर्मा ने अपने आवास पर सभी को सपा की सदस्यता दिलाई और सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही। मंगलवार को विधायक नरेन्द्र सिंह वर्मा के आवास पर जिला सहकारी फेडरेशन सीतापुर के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, अमर सिंह, धर्मेन्द्र वर्मा, रामसिंह पाल, मीरानगर प्रधान श्रीप्रकाश वर्मा, रोहित सिंह, दिनेश वर्मा प्रधान सहित लगभग तीन दर्जन लोग सपा में शामिल हो गये। विधायक ने कहा कि सपा की नीतियों से लोग प्रभावित हो रहे है और सपा का कारवां बढ़ता जा रहा है। उन्होने सभी से सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने की बात कही।

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 26 जनवरी 2022

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर बताया गया वोट का महत्व

संवाददाता। बस्ती

विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी/ प्रभारी कार्मिक डा. राजेश कुमार प्रजापति ने अधिकारियों– कर्मचारियों को मतदाता दिवस की शपथ दिलाई। गोष्ठी को स्वीप आइकॉन डा. श्रेया प्रजापति, स्वीप प्रभारी/जिला विकास अधिकारी अजीत श्रीवास्तव ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजा शेर सिंह ने किया। इस अवसर पर विकास भवन के अधिकारी– कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कलेक्टेट में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर एडीएम अभय कुमार मिश्र ने कहा कि हमें यह संकल्प लेना है कि प्रत्येक निर्वाचन में स्वयं मतदान करेंगे तथा अपने साथ पांच अन्य लोगों को भी मतदान करायेंगे। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सीआरओ नीता यादव ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की देश एवं समाज के प्रति जिम्मेदारियां होती है, जिसमें से प्रमुख मतदान करना होता है। निर्वाचन प्रभारी/ डिप्टी कलेक्टर सूरज यादव ने कहा कि सभी को बढ– चढ कर मतदान में हिस्सा लेना चाहिए।

आचार संहिता उल्लंघन में दो पर एफआईआर दर्ज

करनैलगंज.गोंडा। आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत लगातार निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है। मंगलवार को एसडीएम करनैलगंज हीरालाल द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर निषाद पार्टी के डाण् संजय निषाद के विरूद्ध कोतवाली करनैलगंज में तथा तिलकू पुत्र राम नरायन निवासी चरसड़ी के विरूद्ध थाना परसपुर में एफआईआर दर्ज कराई गई है।एसडीएम करनैलगंज ने बताया कि निषाद पार्टी के डाण् संजय निषाद द्वारा चुनाव प्रचार सामग्री हटवा दिए जाने के बाद पुनः ग्राम फत्तेपुर कोटहना में वॉल पेन्टिंग कराई गई। जिसके कारण उनके विरूद्ध आचार संहिता उल्लंघन की एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसी प्रकार तिलकू पुत्र राम नरायन निवासी चरस?ी द्वारा स?क पर ब?ाकर टिनशेड लगाया गया जिस पर भाजपा का बैनर लगा पाया गया।इस पर उनके विरूद्ध थाना परसपुर में एफआईआर दर्ज कराई गई है।वहीं एसडीएम सदर विनोद कुमार सिंह द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत कस्बा खरगूपुर व ग्राम गौनरिया में सीपीएमएफ के साथ पैदल गस्त की गई। इसी प्रकार एसडीएम मनकापुर व तरबगंज द्वारा पुलिस क्षेत्राधिकारियों के साथ वाहनों की सघन तलाशी कराई गई।

देश के विकास में मतदान की भूमिका अहम : डॉ जितेंद्र सिंह

गोंडा। सशक्त जनतंत्र के लिए एक एक मतदान का महत्व होता है। प्रजातांत्रिक देश के विकास में मतदाता व मतदान की अहम भूमिका होती है। उक्त बातें मतदाता जागरूकता दिवस पर श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के प्रांगण में महाविद्यालय परिवार छात्रछात्राओं एनसीसीकैडेट को निर्भीक होकर मतदान करने एवम् भारत की अखंडता बनाए रखने के लिए संकल्प दिलाते हुए महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य मुख्य नियंतानोडल अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ जितेंद्र सिंह ने कही। शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉण् शैलेंद्र नाथ मिश्र ने छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा युवा शक्ति के तीन काम शिक्षाए सेवा और मतदान। वहीं डॉ वीपी सिंह ने कहा राष्ट्र का जो करे उत्थान सभी करें जाकर मतदान।

मतदाता दिवस पर एसपी ने दिलाई शपथ

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कोविड–19 के नियमों का पालन कराते हुए पुलिस कर्मियों को शपथ दिलाई गई। पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय के समस्त पदाधिकारी /कर्मचारियों को निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा व अन्य किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपना मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलायी। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्र सहित अन्य पुलिसअधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थति रहे।

स्टेडियम में चल रही खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिह ने नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में जिला खेल स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। जिला युवा अधिकारी रीना केसरिया के कुशल नेतृत्व में आयोजित खेल प्रतियोगिता में जनपद के होनहार युवक/युवतियों ने प्रतिभाग किया। खेल प्रतियोगित के अंतर्गत कबड्डी, खोखो, वॉलीबॉल, 100मी0, 400मी, लंबी कूद आदि खेल आयोजित किए गए। खेल के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी गाजीपुर

पत्रांक : कोविड/वि0/2021–22/13001 दिनांक : 25.01.2022

अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, कोविड–19 महामारी वर्तमान में प्रसारित है। उक्त के दृष्टिगत कोविड महामारी से बचाव हेतु निम्नानुसार कार्य किया जाना आवश्यक है।

1. दो गज दूरी मास्क है जरूरी।
2. बार–बार साबुन से हाथ धोयें।
3. छींकते व खांसते समय मुंह ढकें।
4. कोविड–19 टीकाकरण अवश्य करायें।
5. आगामी सामान्य विधान सभा निर्वाचन में कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

(डा0 हर गोविन्द सिंह)
मुख्य चिकित्साधिकारी
गाजीपुर।

(मंगला प्रसाद सिंह) आई0ए0एस0
जिलाधिकारी
गाजीपुर।

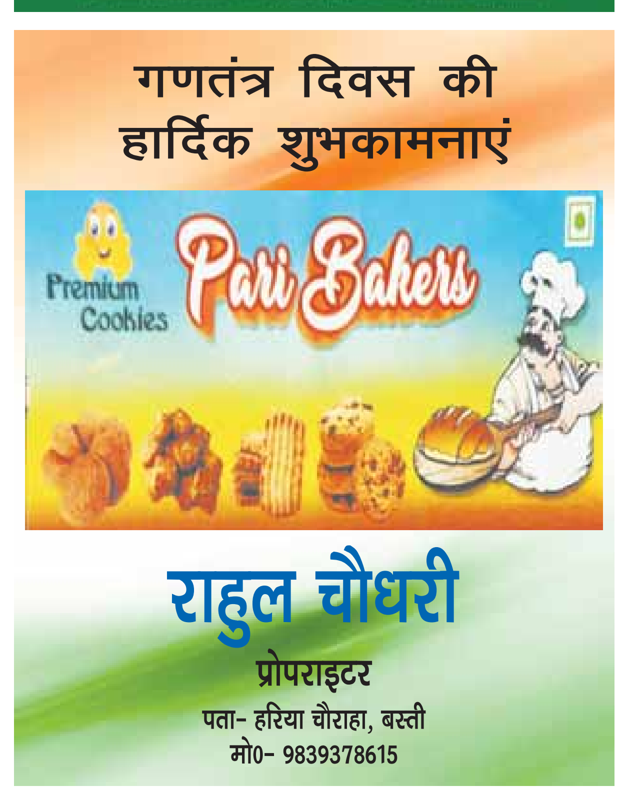

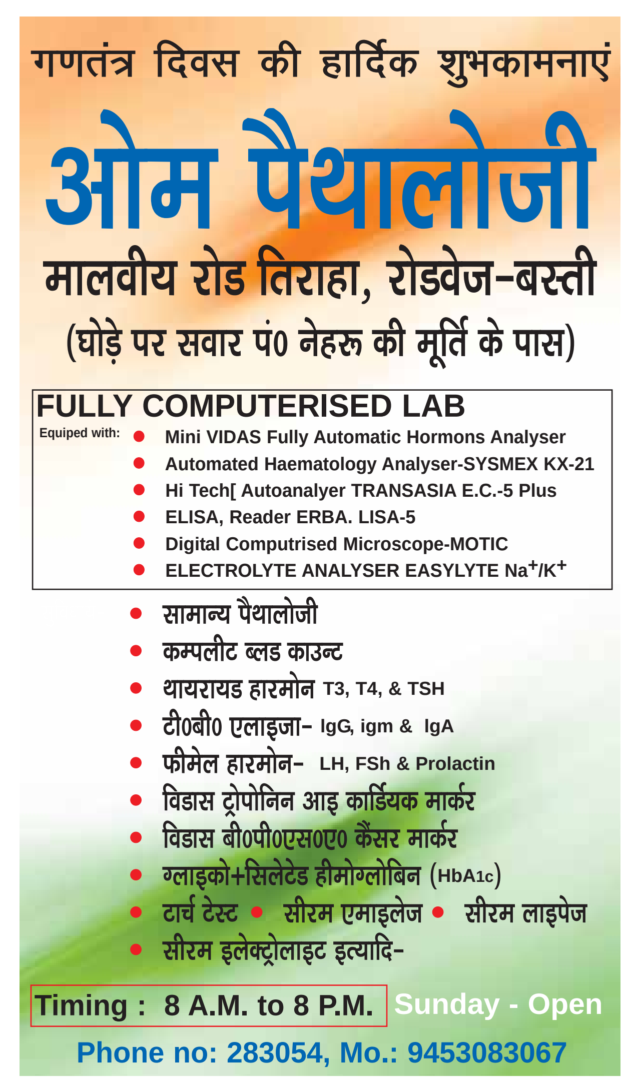

संदेश

आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर गणतंत्र दिवस के पुनीत पर्व की समस्त जनपद वासियों, अधिकारियों शुभचिन्तकों का हार्दिक अभिनन्दन

हरीकृष्ण पोद्दार
जिला संवाददाता,
महोबा (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

बृजेश बाबू
गोदाम प्रभारी
विपणन विभाग–करबई

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

डा0 कौशल सोनी
सह संयोजक
भारतीय जनता पार्टी (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) जैतपुर (महोबा)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

पंचम सिंह कुशवाहा
ग्राम प्रधान
करहरा कला–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सभाजीत यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–कुँआ (चरखारी)
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

रमेश यादव
सहसंयोजक
भारतीय जनता पार्टी (पंचायत प्रकोष्ठ)
बुन्देलखण्ड क्षेत्र, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

अनन्त राम शुक्ल (लाला महराज)
संयोजक– लघु उद्योग प्रकोष्ठ
भारतीय जनता पार्टी महोबा
सौजन्य से– राघव ग्रेनाइट–नई मण्डी अलीपुरा–कबरई

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

प्रभात पाठक
वरिष्ठ भाजपा नेता
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मे0 श्रद्धा कन्स्ट्रक्सन–कबरई

धीरेन्द्र राजपूत देवेन्द्र रावत कमलेश सोनी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजेन्द्र कुमार शिवहरे
समाजसेवी
वरिष्ठ भाजपा नेता, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मो0 शाकिर खान — महासचिव
प्राण सिंह यादव — जिलाध्यक्ष
समाजवादी पार्टी (महोबा)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

भुवन प्रकाश बाजपेयी
समाजसेवी
गौरव (शंकु) बाजपेयी
काण्ट्रेक्टर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

धर्मेन्द्र शुक्ला
अध्यक्ष क्रय विक्रय कबरई
प्रधान प्रतिनिधि सरौन
पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य व पूर्व प्रधान सरौन

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

एस0के0 वर्मा
सहा0 सम्भागीय परिवहन अधिकारी, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

आलोक कुमार पटैरिया
क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी
जनपद– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

इ0 एस0एस0 तोमर
अधिशासी अभियन्ता
जल निगम (निर्माण शाखा) महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

डा0 अरुण कुमार यादव
अधिशासी अभियन्ता
लघु सिंचाई– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

महेन्द्र कुमार जैन
वन क्षेत्राधिकारी, चरखारी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजीव कुमार तिवारी
जिला पूर्ति अधिकारी,
जनपद–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सी0बी0 सिंह
वन क्षेत्राधिकारी, अजनर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

मनीष कुमार JE — अवर अभियन्ता
डी0सी0 लाल — सहा0 परियोजना प्रबन्धक
यूपी प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

राजू श्रीवास
वन क्षेत्राधिकारी, महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सुनील अग्रवाल
जय दुर्गे मोटर्स (अधि हीरो मोटर्स) (कुलपहाड़)

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम् इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

अमित कुमार श्रीवास्तव
वन क्षेत्राधिकारी, पनवाड़ी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

संजय कुमार मल्ल
प्रभागीय वन अधिकारी
महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

कपूरचन्द्र नायक
उपनिबन्धक
निबन्धन कार्यालय– महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

श्रवण कुमार साहू (लल्लू साहू)
प्रभारी चित्रकूट जनपद
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा
गोदाम प्रभारी
विपणन विभाग–महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

इ0 ए0के0 शर्मा
प्रोजेक्ट मैनेजर
जल निगम (सी & डीएस) महोबा

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

संदीप कुमार राजपूत
ब्लाक प्रमुख
वरिष्ठ भाजपा नेता, विकास खण्ड–जैतपुर

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2022) के पावन अवसर पर जनपदवासियों, अधिकारियों एवम इष्टमित्रों का हार्दिक अभिनन्दन

आवेश त्रिपाठी
काण्ट्रेक्टर
महोबा (उ0प्र0)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आशीष प्रताप सिंह
शिक्षक नेता

विश्वास बहादुर सिंह
शिक्षक नेता

प्राथमिक शिक्षक संघ लालगंज, रायबरेली

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश सिंह फौजी
प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ
लालगंज रायबरेली

प्रिय भारतीयों आइए निर्णय ले हमारे राष्ट्र का मूल्य निर्धारण करने के लिए उनके बलिदानों को नहीं भूलेंगे जिनके बलिदानों से हमें गणतंत्रता प्राप्त हुई सभी नगर वासियों को गणतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

विनय शुक्ला
शुक्ला मेडिकल एण्ड ट्रेडर्स
मुराई का बाग, डलमऊ

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम बाबू गुप्ता
नगर पंचायत अध्यक्ष
लालगंज रायबरेली

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दुखी लाल
ग्राम प्रधान
बहरामपुर

राजू प्रजापति
समाजसेवी
बहरामपुर

वंदे मातरम्
सुजलाम सुफलाम
मलयजशीतलाम् शस्य श्यामला मातरम्
आप सभी नगर वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभम गौड़
अध्यक्ष प्रतिनिधि
नगर पंचायत डलमऊ

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा हम बुलबुले हैं इसके यह गुलसिता हमारा सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की दिल से शुभकामनाएं

जयनीश यादव
(अंकुर)
घुरवारा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
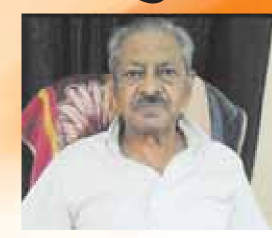
देवेन्द्र बहादुर सिंह
प्रबंधक बैसवारा डिग्री कालेज
लालगंज-रायबरेली

प्रो0 उदयभान सिंह
प्राचार्य-बैसवारा डिग्री कालेज
लालगंज-रायबरेली

आन देश की शान देश की देश की हम संतान हैं।
तीन रंगों से रंगा तिरंगा अपनी यह पहचान है।
आप सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनीष यादव
व्यवसाई जेसीबी
पूरे दुआ साहब डलमऊ

प्रिंसू प्लाई हार्डवेयर एवं गद्दा हाउस की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रामेन्द्र मोदनवाल
(पुत्तू)
मुराई का बाग डलमऊ

S.J.S. PUBLIC SCHOOL
LALGANJ
WISHES
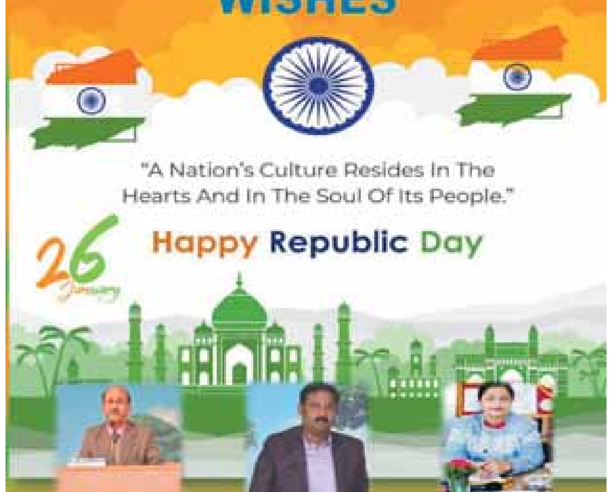

MANAGING DIRECTOR — MR. R.B. SINGH
MANAGER — MR. AGRAJ SINGH
JOINT MANAGER — DR. ANUSHREE SINGH

देवेन्द्र प्रताप सिंह (अजय राजा)
पूर्व विधायक सरेनी
समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं।
22 में बाइसिकल

दिव्याम्बर सिंह
(बाबा राजा)

शिवानी सिंह
(ब्लाक प्रमुख लालगंज)
निवेदक: 182 सरेनी विधानसभा

मिल्कोमोर की तरफ से
पशु आहार
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
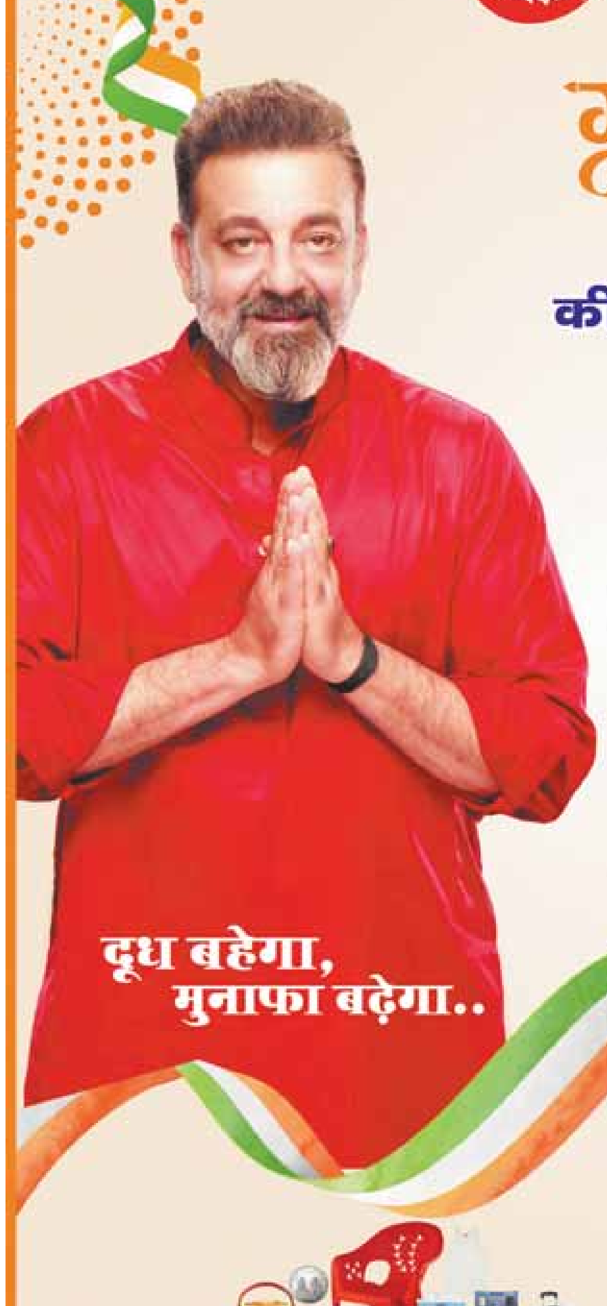

दूध बहेगा,
मुनाफा बढ़ेगा..
खुदरा विक्रेता की नयी स्कीम चालू है। कृपया डिस्ट्रीब्यूटर से अपना उपहार लेना सुनिश्चित करें।
मिल्कोमोर पशु आहार 50किलो के साथ ₹10/- का व 25 किलो के साथ ₹5/- का पिक व कृषि डिटर्जेंट केक एक दम मुफ्त
निर्माता:
कपिला कृषि उद्योग लिमिटेड
डिस्ट्रीब्यूटर बनने के लिये
9310500105 पर कॉल करें
www.kapilaagro.com

Goldiee MASALE | HING
सभी देशवासियों को
गणतन्त्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

Since 1980
गोल्डी मसाले

जहाँ जाए रिश्ते बनाए
Enjoy the Incredible Taste and Flavours
www.goldiee.com
1800 123 201201
customercare@goldiee.com